सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शनिवार, 22 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 45, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 716.9 अरब डॉलर पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 9.90 अरब डॉलर बढ़कर 716.91 अरब डॉलर रहा। आरबीआई ने यह जानकारी दी। } 10

एच1एन1 इन्फ्लुएंजा से निपटने के लिए तैयार : नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने देश में एच1एन1 इन्फ्लुएंजा की मौजूदा स्थिति और इससे निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। नड्डा ने सतर्कता बनाए रखने और मजबूत निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। } 12

बार्डर को मजबूत बनाने के लिए लगेगी बाड़

ममता दीदी ने उपलब्ध नहीं करायी आवश्यक जमीन : शाह

एजेंसी

सिलीगुड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब तक सीमाएं सुरक्षित नहीं होंगी, तब तक न तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित होगा और न ही भारत। शाह ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद उन्होंने (बनर्जी ने) राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा करने के लिए आवश्यक जमीन उपलब्ध नहीं कराई।

शाह ने उत्तर बंगाल के अपने दौरे के दूसरे दिन सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के फ्रंटियर मुख्यालय में विभिन्न परियोजनाओं के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में ममता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा मैंने सीमा पर बीएसएफ की ओर से बाड़ लगाए जाने के लिए ममता बनर्जी से जमीन मुहैया कराने को लेकर कई बार गुहार लगाई, लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। मैं सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए।,129 एकड़ जमीन की मांग 2014 से कर रहा था। राज्य में (मुख्यमंत्री) शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद ही हमें यह जमीन मिली। शाह ने कहा कि राज्य के किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री ने एसएसबी या ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र विश्व के लिए बनेगा बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री मोदी का अंतरिक्ष स्टार्टअप से कृषि, डेयरी, पर्यावरण में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का आह्वान

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को युवा अंतरिक्ष उद्यमियों को सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उनसे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को कृषि, पशुधन प्रबंधन, डेयरी, पर्यावरण और आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्रों तक ले जाने का आह्वान किया।

मोदी ने अंतरिक्ष गतिविधियों से जुड़ी 20 स्टार्टअप कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) एवं संस्थापकों के साथ बातचीत में कहा कि अंतरिक्ष कंपनियों और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों के बीच अधिक सहयोग से इन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का दायरा बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा भारत सरकार भविष्य के लिए देश की क्षमताओं को विकसित करने में अंतरिक्ष स्टार्टअप के साथ खड़ी रहेगी। भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के सामने एक मजबूत, नवोन्मेषी और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य मॉडल पेश कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां अपने प्रौद्योगिकी का नए क्षेत्रों में इस्तेमाल पर विचार करें और इससे लोगों का जीवन आसान बनाने के तौर-तरीकों पर गौर करें। उन्होंने कहा अंतरिक्ष मलबा हटाने के काम में जुटी कंपनियां पर्यावरण संगठनों के साथ मिलकर अपनी प्रौद्योगिकियों का विस्तार कर सकती हैं। इसी तरह, कृषि क्षेत्र में सक्रिय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियां कृषि विश्वविद्यालयों और विभागों के साथ मिलकर किसानों को बेहतर निर्णय लेने और उत्पादन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष स्टार्टअप फर्मों ने अपने कामकाज के बारे में सार्थक प्रस्तुतियां दीं और उद्योग के विकास के लिए सरकार के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों तथा उनसे पैदा हुए अवसरों की सराहना की। मोदी ने कहा भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की युवा ऊर्जा से मिलना शानदार रहा। इन युवा उद्यमियों और नवोन्मेषकों ने एक नए और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कदम रखकर उल्लेखनीय साहस दिखाया है। उन्होंने जोखिम उठाया, सुधार प्रक्रिया पर भरोसा किया और लगातार प्रयास किए। इसके परिणामस्वरूप भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में काफी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र देश एवं दुनिया के लिए एक बड़ी ताकत बन सकता है और ऐसा परिवेश विकसित किया जाना चाहिए जहां दुनिया अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत की ओर देखे। इससे देश में वैश्विक प्रतिभा, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष स्टार्टअप फर्मों से अटल टिंकरिंग लैब के साथ जुड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे स्कूली बच्चों में जिज्ञासा पैदा होगी और उन्हें अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस चर्चा के दौरान रॉकेट, दोबारा इस्तेमाल के लायक सेमी-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, विमान इलेक्ट्रॉनिक्स, ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

एक मोबाइल फोन ने ली तीन की जान

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार अपराह्न मोबाइल फोन को लेकर घरेलू विवाद के बाद पहाड़ी से गिरकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना अपराह्न में वालुज एमआईडीसी थाना क्षेत्र के तिसगांव इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान शहर के झाल्टा फाटा इलाके के निवासी मुरलीधर चांदगुड़े (48), उनकी पत्नी संगीता और उनके 19-वर्षीय बेटे कुणाल के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, घटनाक्रम की शुरुआत पूर्वाह्न करीब 10 बजे उस समय हुई, जब कुणाल नया मोबाइल फोन लेने की अपनी मांग को लेकर माता-पिता से हुए विवाद के बाद नाराज होकर पहाड़ी पर चढ़ गया। उन्होंने बताया कि बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित मुरलीधर और संगीता उसे समझाने एवं घर वापस लाने के लिए पहाड़ी की चोटी तक उसके पीछे गए।

मथुरा : शटरिंग गिरी तीन मजदूरों की मौत

मथुरा (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन के रुक्मणि विहार क्षेत्र में शुक्रवार सुबह निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल का लिंटर डालते समय शटरिंग गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ओमैक्स मॉल के नाम से बन रही इमारत में सुबह करीब सात बजे हादसा हुआ। शटरिंग गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चलाया और घायलों को विभिन्न अस्पतालों में पहुंचाया। उन्होंने बताया कि नेपाल के रहने वाले श्रमिक शिवराम (42) की मौके पर ही मौत हो गई।

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- इन्वेस्ट यूपी व जापान टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर में समझौता (पृष्ठ-02)
- पान मसाला व तंबाकू के अवैध नेटवर्क का भंडाफोड़ (पृष्ठ-02)
- 15 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द (पृष्ठ-10)
- रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.71 प्रति डॉलर (पृष्ठ-10)
- जीएसटीएटी अध्यक्ष अपीलों की कम संख्या पर चिंतित (पृष्ठ-10)

जापान की तकनीक व यूपी की युवा शक्ति का होगा संगम

निवेश से आगे ग्लोबल फ्यूचर की ओर बढ़ रही उत्तर प्रदेश और जापान की साझेदारी : योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और जापान के संबंध अब केवल निवेश तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दोनों के बीच लॉन्ग-टर्म और ट्रस्ट-बेस्ड पार्टनरशिप को नई ऊंचाई दी जाएगी। जापान की प्रिसिजन और टेक्नोलॉजी को उत्तर प्रदेश के स्केल, युवा शक्ति और प्रतिभा से जोड़कर प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का मजबूत केंद्र बनाने का लक्ष्य है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान उत्तर प्रदेश के लिए केवल इन्वेस्टर नहीं, बल्कि को-क्रिएटर है। सरकार का लक्ष्य एमओयू को प्रोडक्शन, प्रोडक्शन को ग्लोबल एक्सपोर्ट और निवेश को रोजगार में बदलना है। उन्होंने कहा कि 2047 के भारत के औद्योगिक भविष्य को आज तैयार किया जा रहा है और उत्तर प्रदेश जापान के साथ मिलकर इस भविष्य को आकार देना चाहता है। मुख्यमंत्री ने जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत जापानी भाषा में किया। उन्होंने कोनिचिवा मिनासान कहकर जापानी अतिथियों का अभिवादन किया और संबोधन के अंत में अरिगातो गोजाइमासु कहकर आभार जताया। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संवाद से कार्यक्रम में भारत-जापान के सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंधों की झलक देखने को मिली। सीएम योगी ने कहा कि यामानाशी के साथ सहयोग को अब संस्थागत स्वरूप दिया जाएगा। इन्वेस्ट यूपी में डेडिकेटेड यामानाशी डेस्क स्थापित किया जाएगा, जो यामानाशी सरकार, वहां के उद्योगों और निवेशकों के साथ लगातार समन्वय करेगा। निवेश परियोजनाओं, अप्रूवल और उद्योगों की समस्याओं की हर 90 दिन में समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यामानाशी के गवर्नर को प्रदेश में वहां की एमएसएमई कंपनियों के निवेश के लिए 600 करोड़ रुपये का फंड घोषित करने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश में जापानी उद्योगों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के पास इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस की लंबी विरासत है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी युवा शक्ति और प्रतिभा है। युवाओं को जापानी भाषा, तकनीकी कौशल और वर्क कल्चर ...शेष पृष्ठ 10 पर

सेमीकंडक्टर से स्किल डेवलपमेंट तक यूपी और जापान सहयोग को मिलेगी नयी रफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सेमीकंडक्टर, उन्नत प्रौद्योगिकी, निवेश, कौशल विकास, रोजगार और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जापान के साथ अपने आर्थिक और औद्योगिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। प्रदेश में जापानी कंपनियों के लिए एमएसएमई से लेकर बड़े उद्योगों तक निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत औद्योगिक आधार, बड़ा बाजार और विकसित हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर जापानी निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है। बैठक में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को लेकर विशेष चर्चा हुई। जापानी पक्ष ने उत्तर प्रदेश में इस ...शेष पृष्ठ 10 पर

गिरगिट की तरह रंग बदलती है सपा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा के लोग गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। उन्होंने कहा, इनके पीडीए का पी कभी पिछड़ा था, फिर पंडित हो गया। देखना, एक दिन ये लोग पी से पाकिस्तान कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के लोग कब क्या बोलेंगे, इसका कोई भरोसा नहीं है। ये ऐसे गिद्ध हैं कि जिस पेड़ पर चढ़ेंगे, उसको ही सुखा डालेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण कल्याण सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने ...शेष पृष्ठ 10 पर

यूपी में ऐप से बुकिंग वाले सफर पर लगेगी लगाम

किराये की मनमानी पर भी रोक, एग्रीगेटर नीति 2026 लागू

विशेष संवाददाता

- यात्रियों की सुरक्षा और ड्राइवरों के हितों के लिए नए नियम
- पिकअप नहीं करने पर 100 रुपये का अर्थदंड
- यात्रियों का बीमा, ड्राइवरों को भी सुरक्षा कवच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ऐप आधारित कैब, यात्री परिवहन, डिलीवरी और लॉजिस्टिक सेवाओं को अब नए नियामक ढांचे के तहत संचालित किया जाएगा। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश मोटरयान (समूहक एवं वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली, 2026 लागू कर दी है। इसके साथ यूपी माय फ्लीट पोर्टल भी शुरू किया गया है। नई व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा, किराये में पारदर्शिता, ड्राइवरों के कल्याण, वाहन प्रदूषण की निगरानी और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। नई नीति के तहत एग्रीगेटर डायनेमिक प्राइसिंग के जरिए निर्धारित बेस फेयर से अधिकतम 50 प्रतिशत तक ही किराया बढ़ा सकेंगे। इससे मांग बढ़ने के दौरान यात्रियों से अत्यधिक किराया वसूलने पर नियंत्रण की उम्मीद है। बुकिंग स्वीकार करने के बाद निर्धारित समय तक यात्री को पिकअप नहीं करने पर 100 रुपये के अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। इस पेनाल्टी का लाभ यात्री को अगली ट्रिप में दिए जाने की व्यवस्था है। एग्रीगेटर के माध्यम से यात्रा करने वाले प्रत्येक यात्री के लिए बीमा की व्यवस्था करनी होगी। वहीं ड्राइवरों के लिए 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा ड्राइवरों का ...शेष पृष्ठ 10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने उप्र गैंगस्टर्स एक्ट पर जतायी आपत्ति

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम का दुरुपयोग होने की आशंका जताते हुये उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि 1986 का यह कानून जन्म से ही निष्प्रभावी है, क्योंकि किसी व्यक्ति को केवल गैंगस्टर का ठप्पा लगाकर सजा नहीं दी जा सकती।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि यह कानून हिंसा और संगठित आपराधिक गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था लेकिन इसका इस्तेमाल निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक गतिविधियां अधिनियम एक विशेष कानून है, जिसे संगठित अपराध सिंडिकेट, आपराधिक गिरोहों और आदतन असामाजिक ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारतीय युवा में अपना व्यवसाय खड़ा करने की क्षमता

युवाओं को वित्तीय संसाधन व बाजार मिले तो वह अन्य को दे सकता है रोजगार : धामी

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के युवाओं के भीतर कुछ नया करने और अपना व्यवसाय खड़ा करने की क्षमता मौजूद है। उन्हें यदि समय पर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, वित्तीय संसाधन और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो वे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ दूसरे लोगों के लिए भी रोजगार के रास्ते खोल सकते हैं।

मुख्यमंत्री मुख्य सेवक सदन में आयोजित मुख्यमंत्री उद्यमशाला चौपाल-2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा युवाओं को रोजगार के लिए लगातार दूसरे शहरों की ओर जाने को मजबूर करना नहीं, बल्कि उन्हें अपने गांव और क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को पहचानकर आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जा रहा है। समारोह में मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य कर रही महिला उद्यमियों और लखपति दीदियों को सम्मानित किया। उन्होंने देहरादून के आईटी पार्क स्थित 13 गांव में राज्य स्तरीय विपणन केंद्र विकसित करने की घोषणा की। इस केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के स्वयं सहायता ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर सैकड़ों गांव और मोहल्ले बाढ़ की चपेट में, जिला प्रशासन ने सतर्कता के दिये निर्देश

यूपी में गंगा-यमुना समेत कई नदियां उफान पर, लाखों बेघर

विशेष संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में लगातार बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे पानी के कारण गंगा, यमुना, घाघरा, सरयू और मंदाकिनी समेत कई नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा व यमुना का जलस्तर गुरुवार को भी बढ़ा, हालांकि बढ़ाव की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ने से 100 से अधिक गांवों और एक दर्जन मोहल्लों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिला प्रशासन ने सतर्कता के निर्देश दिए हैं। प्रयागराज में गुरुवार शाम गंगा का जलस्तर 80.61 और यमुना का 79.93 मीटर पहुंच गया। चार घंटे में दोनों नदियों में दो-दो सेंटीमीटर बढ़ाव दर्ज किया गया। कानपुर बैराज से तीन दिन तक तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद बुधवार रात से इसे घटाकर ढाई लाख क्यूसेक किया गया है। केन और बेतवा नदियों का पानी भी कम होने लगा है, लेकिन चंबल का पानी आने से यमुना का जलस्तर अभी और बढ़ने की आशंका है। करीब 45 से 50 सेंटीमीटर और बढ़ाव होने पर बड़े हनुमानजी का महास्नान हो सकेगा। वाराणसी में गंगा चेतावनी बिंदु से 1.91 मीटर नीचे है। असि घाट की सभी सीढ़ियां डूब गईं और पानी सड़क तक पहुंच गया। दशाश्वमेध और नमो घाट पहले ही जलमग्न हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत और हरिश्चंद्र घाट की गलियों में शवदाह कराया जा रहा है। दशाश्वमेध घाट की आरती छत पर हो रही है। शीतला माता की चल प्रतिमा को अहिल्येश्वर महादेव मंदिर ले जाकर पूजा की जा रही है। मीरजापुर में गंगा आधा सेंटीमीटर प्रति घंटे बढ़ रही है। आजमगढ़ में सरयू खतरे के निशान से 82 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है और कई गांवों में पानी पहुंच गया है।

बलिया में गंगा खतरे के निशान से 23 सेंटीमीटर ऊपर है। मऊ में सरयू 30 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। गाजीपुर में बढ़ाव की रफ्तार घटकर दो सेंटीमीटर प्रति घंटे हो गई है। सोनभद्र में रिहंद बांध का जलस्तर छह दिन में 11.4 फीट बढ़कर 862.3 फीट हो गया है। सीतापुर, बहराइच, गोंडा और बाराबंकी में जलस्तर घटने के साथ कटान का खतरा ...शेष पृष्ठ 10 पर

राजस्थान में सीजेपी टीम को ग्रामीणों ने खदेड़ा

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के एक गांव में उस समय झड़प हो गई जब ग्रामीणों ने कथित तौर पर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बैरिकेड लगा दिए और सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) की टीम को मौके से खदेड़ दिया।

जयपुर जिले के रामपुरा कंवरपुरा गांव में हुई इस घटना को कॉजपा ने अपनी स्कूल ठीक करो मुहिम के दौरान टीम पर हमला बताया है। पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं पर पथराव किया गया और राजस्थान पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया। रांका ने आरोप लगाया कि कॉजपा टीम के सदस्यों के साथ मारपीट की गई, वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया और महिला समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। कॉजपा के अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा के गुंडे आशुतोष (रांका) एवं कॉजपा के अन्य स्वयंसेवकों के पीछे पड़े हैं। उन्होंने सवाल किया कि राजस्थान पुलिस इस तरह के हमले की अनुमति कैसे दे सकती है। हालांकि, बगरू के पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। घटना के वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को ...शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

रोजगार-पर्यटन और जापानी भाषा प्रशिक्षण के लिए तीन अहम एमओयू

इन्वेस्ट यूपी और जापान टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर के बीच समझौता

- युवाओं के रोजगार से पर्यटन और जापानी भाषा दक्षता तक सहयोग
- पर्यटन क्षेत्र में भी बढ़ेगी साझेदारी, जापान में 100 से अधिक युवाओं को मिला रोजगार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के बीच आर्थिक, पर्यटन और रोजगार संबंधों को नई मजबूती देने के लिए यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट में तीन महत्वपूर्ण एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इन समझौतों के जरिए उत्तर प्रदेश के युवाओं को जापान में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जापानी भाषा में दक्ष वर्कफोर्स की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोग का रास्ता तैयार हुआ।

सबसे पहले इन्वेस्ट यूपी और जापान टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर (टीटीआरसी) के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। उत्तर प्रदेश की ओर से अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने समझौते का प्रतिनिधित्व किया, जबकि जापानी पक्ष की ओर से जापान टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर के डायरेक्टर सुचकी कमाडा ने भाग लिया। कार्यक्रम में बताया गया कि टीटीआरसी के प्रयासों से अब तक 100 से अधिक उत्तर प्रदेश के युवाओं को जापान में रोजगार हासिल हो चुका है। इन युवाओं के लिए जापान में प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को कार्यक्रम में विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इस अवसर पर जापान में रोजगार हासिल करने वाले उत्तर प्रदेश के दो युवाओं पुष्पेंद्र सिंह चौहान और आदर्श कुमार कुशवाहा को मंच पर आमंत्रित कर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उनकी सफलता को जापान और उत्तर प्रदेश के बीच बढ़ते कौशल एवं रोजगार संबंधों का उदाहरण बताया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जापान में रोजगार हासिल करने वाले इन युवाओं और टीटीआरसी के प्रयासों के लिए तालियों से उत्साहवर्धन किया। दूसरा एमओयू उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग और यामानाशी प्रीफेक्चर, जापान के बीच हुआ। इसका उद्देश्य दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटकों की आवाजाही को बढ़ावा देने के साथ पर्यटन क्षेत्र में इनहांस्ड एंड सस्टेन्ड इंगेजमेंट विकसित करना है। उत्तर प्रदेश की ओर से पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और जापान की ओर से यामानाशी प्रीफेक्चर सरकार के संस्कृति, पर्यटन एवं खेल विभाग के डायरेक्टर जनरल योशी यूकी कोजुमी ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। समझौते के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के पर्यटन संसाधनों और संभावनाओं को एक-दूसरे के सामने प्रस्तुत करने, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने तथा पर्यटन क्षेत्र में निरंतर संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने का आधार तैयार हुआ है। इससे उत्तर प्रदेश के आध्यात्मिक, बौद्ध, सांस्कृतिक एवं हेरिटेज पर्यटन को जापानी पर्यटकों के बीच बढ़ावा देने की संभावनाएं मजबूत होंगी। तीसरा एमओयू उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन विभाग और यामानाशी प्रीफेक्चर, जापान के बीच हुआ। इसका उद्देश्य जापानी भाषा में दक्ष वर्कफोर्स की निरंतर आपूर्ति के लिए दोनों पक्षों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। उत्तर प्रदेश की ओर से श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शनमुखा सुंदरम ने एमओयू का प्रतिनिधित्व किया, जबकि जापानी पक्ष की ओर से यामानाशी प्रीफेक्चर सरकार के डायरेक्टर जनरल, इनोवेशन प्रमोशन ब्यूरो, कत्सुया हादा ने भाग लिया।

समझौते के तहत जापानी भाषा में दक्ष मानव संसाधन तैयार करने और उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इससे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए जापान में रोजगार के नए अवसर खुलने के साथ जापानी कंपनियों की प्रशिक्षित और भाषा-दक्ष वर्कफोर्स की जरूरत को भी पूरा करने में मदद मिलेगी।

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट में दिखी स्वदेशी तकनीक की ताकत

लखनऊ। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 में आयोजित प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश की स्वदेशी तकनीक और औद्योगिक क्षमता की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रदर्शनी का अवलोकन कर एयरोस्पेस, डिफेंस, कृषि और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र के अत्याधुनिक उत्पादों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में आईआईटी कानपुर से इनक्यूबेटेड स्टार्टअप मराल एयरोस्पेस का तेजस्वान ड्रोन, एस्कॉर्ट्स कुबोटा के कृषि उपकरण, होवेरिट का दिव्यास्त्र एमके-1 और एमकेयू के आधुनिक सुरक्षा उपकरण प्रमुख आकर्षण रहे।

12 घंटे तक आसमान में रह सकेगा तेजस्वान : प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा चर्चा मराल एयरोस्पेस के स्वदेशी फिक्स्ड-विंग यूएवी तेजस्वान की रही। मराल एयरोस्पेस के फाउंडर विवेक कुमार पांडेय ने बताया कि कंपनी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) में इनक्यूबेट हुआ डीप-टेक एयरोस्पेस स्टार्टअप है। कंपनी रक्षा, सुरक्षा और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए स्वदेशी डिजाइन वाले लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम मानवरहित हवाई प्रणालियां विकसित कर रही है। कंपनी के प्रमुख प्लेटफॉर्म तेजस्वान को लंबे समय तक आसमान में बने रहने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। यह करीब 12 घंटे तक लगातार उड़ान भरने में सक्षम है। साथ ही समुद्र तल से करीब 6000 मीटर की ऊंचाई तक संचालन के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसमें 5 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने और करीब 120 से 150 किलोमीटर की एकतरफा रेंज प्रस्तावित है। कंपनी के मुताबिक, रात में भी यह करीब चार घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम होगा। तेजस्वान में उच्च दक्षता वाले सोलर सेल, हल्की कंपोजिट संरचना, अधिक ऊर्जा घनत्व वाली बैटरियां, स्वायत्त उड़ान प्रणाली और सुरक्षा के लिए रिडंडेंट सिस्टम जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इसकी उपयोगिता खुफिया, निगरानी एवं टोही (आईएसआर), सीमा निगरानी, आपदा प्रबंधन, संचार रिले और बुनियादी ढांचे के निरीक्षण जैसे क्षेत्रों में बताई गई है।

90 दिन तक आसमान में रहने वाले एचएपीएस पर भी काम : मराल एयरोस्पेस केवल तेजस्वान तक सीमित नहीं है। कंपनी हाई-एल्टीट्यूड स्यूडो-सैटेलाइट यानी एचएपीएस प्लेटफॉर्म पर भी काम कर रही है। इसे करीब 90 दिनों तक लगातार संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। ऐसे प्लेटफॉर्म लंबे समय तक ऊंचाई पर रहकर निगरानी, संचार और अन्य रणनीतिक जरूरतों में उपयोगी हो सकते हैं।

कृषि उपकरणों में जापानी निवेश की झलक : एस्कॉर्ट्स कुबोटा के कृषि और कंस्ट्रक्शन उपकरण भी प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण रहे। कंपनी के एग्री सॉल्यूशन प्रोडक्ट मैनेजर आतसुया ओता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 154 एकड़ जमीन पर नया सेंटर विकसित करने की योजना है, जिसमें अगले सात वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। प्रदर्शनी में करीब 27 लाख रुपये का कंबाइन हार्वेस्टर, 14 लाख रुपये का राइस ट्रांसप्लांटर, 6 लाख रुपये का कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर और करीब 7 लाख रुपये का डीजल जेनसेट प्रदर्शित किया गया।

दिव्यास्त्र ने खींचा ध्यान : डिफेंस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में होवेरिट के दिव्यास्त्र एमके-1 का प्रदर्शन भी किया गया। कंपनी के अनुसार यह एक लोइटरिंग म्यूनिशन प्लेटफॉर्म है, जिसे लंबी दूरी के संचालन के लिए विकसित किया गया है। कंपनी ने इसकी प्रस्तावित रेंज 400 से 500 किलोमीटर बताई है। यह प्लेटफॉर्म थर्मल इमेजिंग तकनीक से लैस है और यूपी डिफेंस कॉरिडोर के तहत विकसित किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार इसके नए एमके-3 संस्करण पर भी काम चल रहा है।

कारगिल से वैश्विक बाजार तक एमकेयू

सुरक्षा उपकरण निर्माता एमकेयू ने प्रदर्शनी में बैलेस्टिक हेलमेट, बैलेस्टिक जैकेट, नाइट विजन बाइनोक्युलर और थर्मल वेपन साइट जैसे उत्पाद प्रदर्शित किए। कंपनी के अनुसार उसने कारगिल युद्ध के दौरान जूतों की आपूर्ति से शुरूआत की थी और बाद में आधुनिक बैलेस्टिक सुरक्षा उपकरणों के क्षेत्र में विस्तार किया। कंपनी के मुताबिक उसके सुरक्षा उत्पाद आज करीब 90 देशों तक पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनी में सैनिकों और सुरक्षा बलों के लिए आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के साथ कम रोशनी और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निगरानी एवं लक्ष्य पहचान से जुड़ी तकनीक भी प्रदर्शित की गई। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट की यह प्रदर्शनी प्रदेश में विकसित हो रही एयरोस्पेस, डिफेंस, कृषि और औद्योगिक तकनीक की बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन बनी।

चीनी की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने के लिए सरकार ने उठाये कदम

सरकार त्योहारी मौसम में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर दे रही जोर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। हाल के सप्ताहों में चीनी की कीमतों में वृद्धि हुई है। 20 जुलाई को चीनी की कीमत 48.18 प्रति किलोग्राम थी, जो 20 अगस्त को बढ़कर 55.70 प्रति किलोग्राम हो गई। सरकार स्थिति पर करीबी नजर रख रही है और उपभोक्ताओं के लिए चीनी की पर्याप्त उपलब्धता तथा कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है। चीनी की कीमतों में वृद्धि को इथेनॉल से जोड़ना सही नहीं, चीनी की कीमतों में हालिया वृद्धि को इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के डायवर्जन से जोड़ना सही नहीं है।

वास्तव में, इथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट की जाने वाली चीनी की हिस्सेदारी वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025-26 में लगभग 9 प्रतिशत रह गई है। इसके अलावा, देश में उत्पादित इथेनॉल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अब अनाज, विशेष रूप से मक्का से प्राप्त होता है। वर्तमान में चीनी की कीमतों में वृद्धि कई कारकों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है। इनमें घरेलू उत्पादन का अनुमान से कम रहना, त्योहारी मौसम से पहले मांग में वृद्धि, गन्ने की फसल को मौसम संबंधी नुकसान, वैश्विक स्तर पर चीनी की आपूर्ति में कमी तथा उद्योग के कुछ वर्गों द्वारा सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं।

चालू चीनी मौसम में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि गन्ना उत्पादक राज्यों द्वारा प्रारंभिक अनुमान लगभग 343 लाख टन लगाया गया था। गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर रोग के साथ-साथ अत्यधिक वर्षा के कारण जलभराव से उत्पादन प्रभावित हुआ है। उत्पादन अनुमान से कम रहने के बावजूद, देश में अक्टूबर में नया पेराई सत्र शुरू होने तक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए चीनी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। चीनी की आपूर्ति में कमी एक वैश्विक घटना है और यह केवल भारत तक सीमित नहीं है। वर्ष 2026-27 में वैश्विक स्तर पर चीनी की कमी लगभग 33 लाख टन रहने का अनुमान है। मौसम की परिस्थितियों को लेकर चिंताओं ने भी वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतें 30 जून को 474 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 20 अगस्त को 552 डॉलर प्रति टन हो गई हैं। यानी दो महीने से भी कम समय में कीमतों में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इथेनॉल कार्यक्रम से किसानों को लाभ और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई। भारत में सामान्यतः प्रतिवर्ष लगभग 320-340 लाख टन चीनी का उत्पादन होता है, जबकि घरेलू खपत लगभग 280-290 लाख टन है। अधिक उत्पादन वाले वर्षों में अतिरिक्त चीनी का भंडार चीनी मिलों की पूंजी को अवरुद्ध कर देता है और गन्ना किसानों को भुगतान में देरी हो सकती है। अतिरिक्त चीनी को इथेनॉल उत्पादन की ओर डायवर्ट करने से इस संरचनात्मक समस्या का समाधान करने में मदद मिली है और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। 20 अगस्त तक चीनी सत्र 2025-26 के गन्ना किसानों के 97 प्रतिशत बकाये का भुगतान किया जा चुका है।

जमाखोरी पर कार्रवाई और आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार के कदम : सरकार ने पाया है कि चीनी मिलों और व्यापारियों के कुछ वर्गों द्वारा सट्टेबाजी और जमाखोरी ने भी हालिया मूल्य वृद्धि में योगदान दिया है। इसे देखते हुए कई कदम उठाए गए हैं, जिसमें देशभर में चीनी कारोबारियों पर 1 अगस्त से 30 नवंबर तक 400 टन की स्टॉक सीमा लागू की गई है। 1 सितंबर से थोक उपभोक्ताओं को 15 दिनों की खपत से अधिक चीनी का भंडार रखने की अनुमति नहीं होगी। जमाखोरी और कृत्रिम कमी की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों की संयुक्त टीमें चीनी मिलों में चीनी के भंडार का भौतिक सत्यापन कर रही हैं। एहतियाती उपाय के तौर पर घरेलू उपलब्धता को और बढ़ाने के लिए सरकार ने 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने का निर्णय लिया है। राज्यों और चीनी मिलों को 15 अक्टूबर से गन्ने की पेराई शुरू करने की सलाह दी गई है। इससे अक्टूबर में चीनी का उत्पादन सामान्य 3-4 लाख टन से बढ़कर 10 लाख टन से अधिक होने की उम्मीद है।

आज काशी पहुंचेगा 109 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच औद्योगिक एवं सांस्कृतिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से 109 सदस्यीय उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल 22 अगस्त को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेगा। यामानाशी प्रिफेक्चर के गवर्नर के नेतृत्व में आ रहे प्रतिनिधिमंडल में जापान की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और सीईओ शामिल होंगे। जापानी प्रतिनिधिमंडल के काशी दौरे से उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी गति मिलने की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल सारनाथ, गंगा आरती और काशी की कला-संस्कृति से रूबरू होगा। शनिवार को वाराणसी पहुंचने के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल सारनाथ का भ्रमण करेगा। इसके बाद नमो घाट पर गंगा आरती का भव्य दृश्य देखेगा। शाम को ताज होटल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान जापानी मेहमानों को भारतीय संस्कृति, कला और हस्तशिल्प की झलक दिखाई जाएगी। 23 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल के कुछ प्रमुख सदस्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे, जबकि अन्य सदस्य एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। जापानी प्रतिनिधिमंडल के दौरे का प्रमुख उद्देश्य उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशना है। हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन और मानव संसाधन विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर जोर रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, सरल औद्योगिक नीतियां, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सिंगल विंडो सिस्टम प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना रहे हैं। जापानी मेहमानों को काशी की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से परिचित कराने के लिए जीआई और ओडीओपी उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें गुलाबी मीनाकारी, सॉफ्ट स्टोन कार्विंग, लकड़ी के खिलौने, वुडन लैकरवेयर और बनारसी सिल्क साड़ी सहित अन्य स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके साथ भारतीय संगीत और नृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

कनिष्ठ सहायक भर्ती में 50 अभ्यर्थियों का चयन, आयोग ने जारी किया परिणाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने औद्योगिक विकास विभाग में कनिष्ठ सहायक के पदों पर भर्ती का चयन परिणाम जारी कर दिया है। शुक्रवार को कनिष्ठ सहायक मुख्य परीक्षा के आधार पर घोषित परिणाम में 50 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों, मेरिट और आरक्षण प्रावधानों का पालन किया गया है। इससे प्रदेश में योगी सरकार की पारदर्शी और मेरिट आधारित भर्ती व्यवस्था को एक और मजबूती मिली है।

आयोग के अनुसार, प्रारंभ में कनिष्ठ सहायक के 62 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। विभाग से प्राप्त संशोधित अधियाचन के बाद पदों की संख्या घटाकर 54 कर दी गई। संशोधित पदों के आधार पर आयोग ने चयन प्रक्रिया पूरी करते हुए 50 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया है। अंतिम चयनित 50 अभ्यर्थियों में 34 अनारक्षित, 3 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति, 7 अन्य पिछड़ा वर्ग और 5 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी शामिल हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि क्षैतिज आरक्षण के तहत उपलब्ध अभ्यर्थियों को उनकी मूल श्रेणी में समायोजित किया गया है। महिला, दिव्यांगजन सहित अन्य क्षैतिज आरक्षण श्रेणियों में भी नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई गई।

कुछ श्रेणियों में निर्धारित पदों के सापेक्ष पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर नियमों के अनुसार पदों को आगे बढ़ाते हुए अन्य पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया गया। आयोग ने अंतिम परिणाम के साथ श्रेणीवार कटऑफ भी जारी की है। अनारक्षित वर्ग में चयनित अभ्यर्थी की कटऑफ 65 अंक रही। अनुसूचित जाति की कटऑफ 26.75, अनुसूचित जनजाति की 50, ओबीसी की 62.50 और ईडब्ल्यूएस की कटऑफ 63.75 अंक रही।

पान मसाला और तंबाकू के अवैध उत्पादन नेटवर्क का भंडाफोड़

27 अघोषित पाउच-पैकिंग मशीनें जब्त की गईं, करीब 185 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता चला

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की लखनऊ क्षेत्रीय इकाई ने उत्तर प्रदेश के चित्रकूट और बांदा जिलों में छह परिसरों में फैले पान मसाला, सुगंधित जर्दा और गुटखा के अवैध उत्पादन से जुडे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इकाई द्वारा प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर अधिकारियों ने 18 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि के आसपास इन परिसरों में समन्वित तलाशी अभियान शुरू किया। ये परिसर दो फर्मों से जुड़े हुए हैं—इनमें से एक पान मसाला और संबद्ध उत्पादों के उत्पादन तथा दूसरी व्यापारिक गतिविधियों में संलग्न है।

तलाशी के दौरान 27 अघोषित पाउच-पैकिंग मशीनों का पता चला, जिनमें सुगंधित जर्दा के लिए 6, पान मसाला के लिए 9 तथा दोहरा/देसी गुटखा के लिए 12 मशीनें शामिल हैं। इसके अलावा, मिश्रण, सुपारी की क्रशिंग और सुखाने वाली मशीनें भी मिलीं। कार्रवाई के दौरान पान मसाला, चबाने वाला तंबाकू, सुगंधित जर्दा और सुगंधित सुपारी के तैयार माल के 15,50,922 पाउच जब्त किए गए। जब्त किए गए कच्चे माल और पैक की गई सामग्री में 32.9 मीट्रिक टन सुपारी एवं कटी हुई सुपारी, 2.8 मीट्रिक टन तंबाकू, 8.4 मीट्रिक टन पैकिंग सामग्री, पाउच एवं लैमिनेट्स, 470 किलोग्राम कत्था पाउडर, 850 किलोग्राम ग्लिसरीन, 545 किलोग्राम एसेंस तथा 256 किलोग्राम बिना पैक किया हुआ पान मसाला शामिल है। अब तक लगभग 185 करोड़ रुपये की जीएसटी, एचएसएनएस उपकर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क की चोरी का पता चला है। साक्ष्यों से पता चलता है कि यह पूरा कारोबार अपंजीकृत परिसरों के एक नेटवर्क के माध्यम से संचालित किया जा रहा था, जहां अघोषित मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा था। तैयार माल को लागू जीएसटी, एचएसएनएस उपकर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना गुप्त रूप से बाजार में निकाला जा रहा था। निर्माण फर्म के मालिक को अवैध रूप से उत्पादन एवं माल की निकासी की पूरी गतिविधि को संगठित और संचालित करने के लिए दोषी पाया गया। मालिक को 19 अगस्त को एचएसएनएस उपकर अधिनियम, 2025 की धारा 26 और केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 13 के तहत गिरफ्तार कर विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीमा शुल्क), लखनऊ के समक्ष पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले की जांच जारी है और आगे और बरामदगी होने की संभावना है।

पान मसाला और तंबाकू क्षेत्र में 1 फरवरी 2026 से क्षमता-आधारित उपकर एवं कर व्यवस्था लागू है। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर अधिनियम, 2025 के तहत पान मसाला पर क्षमता-आधारित मासिक उपकर लागू है, जिसकी गणना स्थापित पाउच-पैकिंग मशीनों की संख्या, प्रकार और क्षमता के आधार पर की जाती है। इसी प्रकार, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के तहत चबाने वाले तंबाकू, जर्दा और गुटखा पर भी क्षमता-आधारित केंद्रीय उत्पाद शुल्क लगाया जाता है।

जापानी तकनीक से यूपी बनेगा ग्लोबल फूड प्रोसेसिंग हब

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की विशाल कृषि संपदा और जापान की अत्याधुनिक तकनीक के मेल से प्रदेश को वैश्विक फूड प्रोसेसिंग हब बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट के सेक्टोरल कार्यक्रम फ्रॉम फॉर्म गेट टू ग्लोबल प्लेट में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जापानी निवेशकों से उत्तर प्रदेश में निवेश का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश का नया दौर शुरू हुआ है। उत्तर प्रदेश का विशाल बाजार, कृषि संसाधन, युवा कार्यबल और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर निवेशकों के लिए बड़े अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि दुनिया की कोई ऐसी डाइनिंग टेबल न हो, जहां उत्तर प्रदेश का कोई कृषि या खाद्य उत्पाद मौजूद न हो। इसके लिए प्रदेश की कृषि शक्ति को जापानी तकनीक और वैश्विक बाजार से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उपजाऊ भूमि, पर्याप्त जल संसाधन, मेहनती किसान और देश का सबसे बड़ा युवा कार्यबल उपलब्ध है। जापान की तकनीकी दक्षता के साथ इन संसाधनों का समन्वय प्रदेश के कृषि एवं खाद्य उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की करीब 65 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। सरकार का जोर केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि फूड प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने पर है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

यामानाशी व यूपी विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान पर समझौता

यामानाशी प्रतिनिधिमंडल ने विधान सभा का भ्रमण किया, अध्यक्ष सतीश महाना से की शिष्टाचार भेंट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जापान की यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली और भारत गणराज्य की उत्तर प्रदेश विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों विधान सभाओं के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों पक्षों के बीच विधायी कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका तथा दोनों विधान सभाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के विषय में विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर जापान के यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल की विधान भवन की विभिन्न व्यवस्थाओं, सदन की कार्यवाही, विधायी प्रक्रियाओं तथा विधानसभा की कार्यशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा में किए गए आधुनिकीकरण और डिजिटल तकनीक के उपयोग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना को जापान के यामानाशी आने का औपचारिक निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि दोनों विधान सभाओं के बीच हुए मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान समझौते से आपसी संबंधों को और मजबूती मिलेगी तथा भविष्य में दोनों पक्षों के बीच विधायी अनुभवों और कार्यप्रणाली के आदान-प्रदान के नए अवसर विकसित होंगे। एमओयू के तहत दोनों विधान सभाएं पारस्परिक यात्राओं, सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा अन्य गतिविधियों के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देंगी। इसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच आपसी समझ को गहरा करना तथा विश्वास के संबंधों को मजबूत करना है। समझौते के अनुसार अर्थव्यवस्था, पर्यटन, कृषि, शिक्षा और मानव संसाधन विकास सहित पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। दोनों विधान सभाएं आदान-प्रदान कार्यक्रमों तथा सहयोगात्मक परियोजनाओं के विकास के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगी।

एमओयू में दोनों पक्षों ने पारस्परिक विकास और समृद्धि में योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। यह समझौता ज्ञापन दोनों विधान सभाओं के मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान एवं सहयोग के इरादे की पुष्टि करता है और इससे कोई कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्व उत्पन्न नहीं होता। यह समझौता दोनों सरकारों के बीच 23 दिसंबर 2024 को संपन्न मूल समझौते की भावना के अनुरूप दोनों विधान सभाओं के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। एमओयू दोनों विधान सभाओं के अध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की तिथि से प्रभावी होगा। यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो के साथ इक्को यामादा, फुमियो मिजुगिशी, मासाहितो उजुकी, नोरितोशी मुकायामा, रिकियो ईजिमा, मासानोबु इशिहारा, मासाहितो नाकामुरा, यूकी उसुई, मासाहितो किरिहारा, दाइकी वातानाबे, रिकिजो असाकावा, केनिची शिराकाबे और ओसामु ईजिमा शामिल रहे। यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के इस प्रतिनिधिमंडल की यात्रा से उत्तर प्रदेश और यामानाशी के बीच विधायी स्तर पर संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाएं मजबूत होने की उम्मीद है।

यूपी राइज से युवाओं को नई उड़ान इनोवेशन से रोजगार सृजन का संकल्प

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर यूपी के विजन को साकार करने के उद्देश्य से कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय स्थित वीरांगना लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में यूपी राइज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कानपुर और आसपास के क्षेत्रों से 1700 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनाने और नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित करना रहा।

कार्यक्रम में युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, महिला सशक्तीकरण समेत प्रदेश सरकार की विभिन्न रोजगारपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने युवाओं को बताया कि किस प्रकार वित्तीय सहायता और सब्सिडी का लाभ लेकर स्टार्टअप अथवा अपना व्यवसाय शुरू किया जा सकता है। कार्यक्रम में युवाओं ने अपने अभिनव बिजनेस मॉडल और स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत किए। कुल 30 आइडिया में से चयनित टीमों ने इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और जूरी के समक्ष अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। टीम जॉयलिशियस ने प्रथम स्थान हासिल कर 25 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। टीम आयनप्राइम को द्वितीय स्थान पर 15 हजार रुपये तथा टीम कायरो को तृतीय स्थान पर 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिली।

टीम मेडियोटेक रनर-अप रही। यूपी राइज अभियान की शुरूआत कानपुर से हुई है। अब इसका आयोजन प्रदेश के 29 अन्य प्रमुख कॉलेजों में किया जाएगा। अभियान के माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को नामी कंपनियों में इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में टीम दिव्यकेयर ने 10 मिनट में घर पर नर्स, डॉक्टर, दवाइयां और लैब टेस्ट जैसी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का मॉडल प्रस्तुत किया।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने देखी वीमेन पावर लाइन 1090 की कार्यप्रणाली

लखनऊ। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 के तहत जापानी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की महिला सुरक्षा के लिए संचालित वीमेन पावर लाइन 1090 का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने महिलाओं की शिकायतों के समाधान, काउंसलिंग, जागरूकता और सहायता उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया को समझा। दौरे के दौरान उत्तर प्रदेश के अधिकारियों और जापानी प्रतिनिधिमंडल के बीच महिला सुरक्षा, स्कूली स्तर पर जागरूकता, बच्चों की सुरक्षा और महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों पर अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने 1090 की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। अधिकारियों ने कॉल रिसीव होने से लेकर महिला की समस्या समझने, काउंसलिंग और जरूरत के अनुसार संबंधित सहायता तंत्र से जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि कई बार महिलाएं डर, तनाव या झिझक के कारण अपनी बात खुलकर नहीं रख पातीं। ऐसे मामलों में प्रशिक्षित कर्मी संवेदनशीलता के साथ उनकी बात सुनते हैं और उन्हें आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हैं। बैठक में महिला सुरक्षा को केवल शिकायत निवारण तक सीमित न रखते हुए प्रीवेंटिव अवेयरनेस पर भी चर्चा हुई।

जापानी तकनीक से बनेगी ग्रीन हाइड्रोजन

यामानाशी के साथ एमओयू, पायलट परियोजना स्थापित करने की तैयारी

- 2030 तक 10 लाख मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने जापान के यामानाशी प्रांत के साथ महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 के तहत लखनऊ के ताज होटल में हुई उच्चस्तरीय बैठक में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, तकनीकी सहयोग, अनुसंधान और निवेश को लेकर दोनों पक्षों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ।

बैठक में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में यामानाशी की पावर-टू-गैस (पी2जी) तकनीक के सहयोग से उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन की पायलट परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्तावित परियोजना में यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी (वाईएचसी) और कानाडेविया कॉरपोरेशन के सहयोग की योजना है। परियोजना की फिजिबिलिटी स्टडी फरवरी 2027 तक पूरी करने और मार्च 2027 तक इसके व्यावसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से किया जाता है। इसका उपयोग उद्योगों, भारी वाहनों, उर्वरक उत्पादन और अन्य क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता तथा कार्बन उत्सर्जन कम करने में किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में प्रतिवर्ष 10 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसके लिए उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी-2024 के तहत निवेशकों को परियोजना लागत पर 10 से 30 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक छूट और भूमि लीज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी-बीएचयू वाराणसी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से नई तकनीक विकसित करने, परीक्षण करने और प्रयोगशाला स्तर की तकनीक को औद्योगिक स्तर पर पहुंचाने पर काम किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की मजबूत कनेक्टिविटी, औद्योगिक आधार और बड़ा उपभोक्ता बाजार ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते हैं। एक्सप्रेसवे, रेलवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अंतर्देशीय जलमार्ग और हवाई अड्डों का नेटवर्क हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण और परिवहन के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

निवेश और बिजनेस आउटकम में बदले साझेदारी : नागासाकी

लखनऊ। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सहयोग को अब एमओयू और बैठकों से आगे ले जाकर ठोस परियोजनाओं और वास्तविक कारोबारी अवसरों में बदलने पर जोर दिया गया। यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि दोनों पक्षों की साझेदारी का अगला चरण वास्तविक प्रोजेक्ट, निवेश और बिजनेस आउटकम पर केंद्रित होना चाहिए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में नागासाकी ने कहा कि दिल्ली, नोएडा और लखनऊ में हुए संवाद से सहयोग के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान हुई है। उन्होंने जापानी कंपनियों से उत्तर प्रदेश की नीतियों, प्राथमिकताओं और उद्योगों की जरूरतों को समझने तथा भारतीय कंपनियों और विश्वविद्यालयों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 200 से अधिक जापानी बिजनेस लीडर्स की भागीदारी दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को लेकर जापानी उद्योग जगत की गंभीरता दर्शाती है।

गवर्नर ने नर्सिंग, नर्सिंग केयर और मानव संसाधन विकास को महत्वपूर्ण सहयोग क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि यामानाशी में इन क्षेत्रों में जरूरत बढ़ रही है और उत्तर प्रदेश की युवा आबादी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उद्देश्य केवल वर्कफोर्स उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रूप से उपयोगी कुशल मानव संसाधन तैयार करना होना चाहिए। उन्होंने पर्यटन और ग्रीन हाइड्रोजन को भी साझेदारी के प्रमुख क्षेत्र बताया। नागासाकी ने कहा कि यामानाशी को नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और उपयोग का अनुभव है। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक मांग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को देखते हुए यहां बड़े स्तर की परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाकर व्यावसायिक मॉडल तैयार किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रशिक्षण, रिसर्च और तकनीकी सहयोग जरूरी है। अक्टूबर में प्रस्तावित इंटरनेशनल हाइड्रोजन समिट में यूपी को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय पहले समझें, साझेदार खोजें और फिर ठोस प्रोजेक्ट तैयार करें का है।

महिला-बाल कल्याण में यूपी-जापान सहयोग की नई राहें खुलीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के बीच सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने अपने आवास पर यामानाशी के जापानी प्रतिनिधिमंडल और छात्रों के साथ शिष्टाचार भेंट की। बैठक में महिलाओं के कल्याण, महिला स्वास्थ्य, बाल विकास, पोषण, आंगनबाड़ी सेवाओं और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने महिला स्वास्थ्य और सशक्तीकरण के साथ बच्चों के समग्र विकास और पोषण को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताया। बैठक में बाल विकास एवं पुष्टाहार कार्यक्रमों पर विशेष चर्चा हुई। जापानी प्रतिनिधिमंडल को बच्चों के पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और विकास में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

एकेटीयू के स्टार्टअप से मिले योगी व यामानाशी की गवर्नर कोटारो नागासाकी

विशेष संवाददाता (vol)

- जापान इंडिया बिजनेस नेटवर्किंग इवेंट में विवि के स्टार्टअप, शिक्षकों और छात्रों ने भी लिया हिस्सा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जापान निवेश सम्मेलन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय एवं संबद्ध संस्थानों के शिक्षक, स्टार्टअप और छात्रों ने शुक्रवार को विश्व उद्यमित दिवस के अवसर पर शिरकत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं जापान के यामानाशी की गवर्नर कोटारो नागासाकी कोटारो नागासाकी विश्वविद्यालय के स्टार्टअप से मिलकर उनके प्रोडक्ट की जानकारी ली। साथ ही तारीफ की। बता दें कि इस इवेंट में जापान के अधिकारी, स्टार्टअप, एकेडिमिशियन, उद्योगपति शामिल हुए।

स्टार्टअप को मिलेगा जापान का सहयोग : कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में कार्यक्रम में एकेटीयू के इनोवेशन हब के पांच डीप टेक स्टार्टअप भी प्रतिभाग किया। इस दौरान स्टार्टअप जापानी दल के समक्ष अपने प्रोडक्ट की जानकारी दी। ताकि उनका जापान के साथ सहयोग बढ़ सके। इसका फायदा स्टार्टअप को आगे बढ़ने में मिलेगा। उन्हें न केवल जापानी इंवेस्टमेंट के अवसर प्राप्त होंगे बल्कि तकनीकी सहयोग के अलावा बाजार भी मिलने की संभावना होगी। इस दौरान जापानी शैक्षणिक दल से संवाद कर शिक्षा के क्षेत्र में जापान में हो रहे परिवर्तनों के बारे में जाना। साथ ही उनके साथ एमओयू पर भी वार्ता हुई। इस दौरान इनोवेशन हब के सीईओ डॉ. महीप सिंह का अधिष्ठाता इनोवेशन एवं सोशल एंटरप्रेन्योरशिप की उपस्थिति में जापानी दल के साथ व्याख्यान भी हुआ। जिमसें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शोध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी और नवाचार पर अपनी बात रखी।

एकेटीयू के छात्र किसानों को बतायेंगे मिट्टी की सेहत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब की ओर से एआईसीटीई एवं मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के इनोवेशन सेल के स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के लिए शुक्रवार को प्री हैकथॉन का आयोजन किया गया। हैकथॉन में विश्वविद्यालय परिसर के बीटेक, बीफार्मा एवं एमटेक के 186 छात्रों ने 30 टीम के रूप में विभिन्न समस्याओं के समाधान का आइडिया प्रस्तुत किया। टीमों ने दस क्षेत्रों जिसमें बाढ़, कृषि, स्मार्ट वाहन, लॉजिस्टिक, एग्रीकल्चर एंड टूरिज्म, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, स्मार्ट एजुकेशन, फिटनेस एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अपने आइडिया से समाधान प्रस्तुत किया।

इस दौरान कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने बारी-बारी से सभी टीमों से मिलकर उनके आइडिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने उनके प्रोजेक्ट के तकनीकी पक्ष को जाना। वहीं एक आइडिया में एक्सपर्ट का डेटाबेस जोड़ने का सुझाव दिया। साथ ही एक टीम को उनके बनाये जा रहे ऐप में वायस कमांड इनबिल्ड करने के लिए कहा। ताकि बेहतर परिणाम मिल सके। इसी तरह बच्चों के लिए बनाये गये एक ऐप में स्टोरी, कविता जोड़ने का सुझाव दिया ताकि बच्चे खेल-खेल में आसानी से सीख सकें। इसी तरह कई टीमों ने बाढ़ पर अपना आइडिया प्रस्तुत किया। इन आइडिया में कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने अधिक से अधिक रियल टाइम डेटा का इस्तेमाल करने को कहा। इस दौरान सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के बीटेक छात्रों की एक टीम शस्यमेदिनी नाम से मिट्टी की जांच करने वाली डिवाइस एवं कृषि टेक ऐप बना रही है। इस डिवाइस और ऐप के जरिये खेतों की मिट्टी की जांच आसानी से होगी। इसके जरिये किसानों को पता लग जाएगा कि उनके खेत के मिट्टी की सेहत कैसी है। उन्हें मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए किस खनिज की जरूरत है। साथ ही ऐप के माध्यम से भी किसानों को मिट्टी से जुड़ी सारी जानकारी मिल सकेगी।

छात्रों को एआई, एमएल के विशेषज्ञों ने दिया गुरूमंत्र

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित बीटेक छात्रों के लिए शुक्रवार को इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, शोध एवं नवाचार के अवसरों, उभरती तकनीकों तथा भविष्य की करियर संभावनाओं से परिचित कराया गया। संस्थान में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सीएसई एआई एंड एमएल, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी) एवं मेकाट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक संचालित किया जा रहा है।

एमएसएमई को बाजार और ऑर्डर से जोड़ना जरूरी

लखनऊ। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को वित्तीय सहायता के साथ बाजार और स्थायी कारोबारी अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया गया। पीएचडी हाउस, गोमती नगर में आयोजित दो दिवसीय वेंडर विकास कार्यक्रम-2026 का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 200 से अधिक एमएसई उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों और सरकारी व वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि केवल ऋण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। उद्यमियों को उत्पादन से बाजार, बाजार से ऑर्डर और ऑर्डर से स्थायी राजस्व तक जोड़ने की पूरी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने सीएम युवा योजना के माध्यम से नए उद्यमियों को वित्तीय सहायता के साथ बाजार उपलब्ध कराने और बैंकों के जरिए योजनाओं के व्यापक प्रचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों और व्यक्तिगत उद्यमियों को बड़े उद्योगों, संस्थागत खरीदारों और सरकारी खरीद व्यवस्था से जोड़ने के लिए फॉरवर्ड लिंकेज और वेंडर डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देना होगा।

लोहिया संस्थान में डा. एपी जैन निलंबित

लखनऊ। डा. राम मनोहर लोहिया संस्थान में कॉर्डियो वैस्कुलर थौरेसिक सर्जरी (सीवीटीएस) विभाग के अध्यक्ष डॉ. एपी जैन को निलंबित कर दिया गया है। विभाग के प्रथम वर्ष के पांच रेजिडेंट डॉक्टरों ने उनके खिलाफ अभद्रता और मानसिक रूप से परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों की लिखित शिकायत के आधार पर संस्थान प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने गुरुवार को डॉ. एपी जैन के निलंबन का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उन्हें कुलसचिव कार्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं, सीवीटीएस विभाग के संचालन की जिम्मेदारी डीन डॉ. प्रद्युम्न सिंह को अतिरिक्त रूप से सौंपी गई है। वह विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे। रेजिडेंट डॉक्टरों ने डॉ. एपी जैन पर काम के दौरान और अवकाश के समय भी देर रात तक फोन और वाट्सएप के जरिए निर्देश देने का आरोप लगाया है।

जिंदगी बची लेकिन याददाश्त और बोलने की क्षमता पूरी तरह वापस नहीं आयी

लखनऊ। करीब एक साल पहले ट्रेन से गिरा एक किशोर गंभीर हालत में केजीएमयू पहुंचा था। सिर में इतनी गंभीर चोट थी कि डॉक्टरों ने अगले ही दिन ऑपरेशन किया। जिंदगी तो बच गई, लेकिन याददाश्त और बोलने की क्षमता पूरी तरह वापस नहीं आ सकी। गत सात अगस्त 2025 को बाराबंकी में ट्रेन से गिर गया था। पुलिस कांस्टेबल उसे उसी दिन केजीएमयू लेकर पहुंचे। सीटी स्कैन में सिर में गंभीर चोट मिली। न्यूरोसर्जरी विभाग ने आठ अगस्त को उसका ऑपरेशन किया। धीरे-धीरे हालत सुधरी, लेकिन वह स्पष्ट बोल नहीं पाया। न्यूरो सर्जरी विभाग के अध्यक्ष व सीएमएस डॉ. बीके ओझा ने बताया कि जब वह अस्पताल से बाहर रहने लायक हुआ तो गुरप्रीत सिंह लांबा ने मदद का हाथ बढ़ाया। उनके प्रयास से 14 अगस्त को युवक को मिशनरीज ऑफ चैरिटी, मोहनलालगंज के शेल्टर होम में पहुंचाया गया।

भाजपा ने ओबीसी वर्ग के साथ किया धोखा : राजेन्द्र पाल गौतम

जाति जनगणना फार्म में ओबीसी का कालम न देने पर कांग्रेसियों ने उठाये सवाल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को यूपी प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिन्द ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया।

राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा जातिगत जनगणना फॉर्म में एससी/एसटी का कालम तो है लेकिन ओबीसी वर्ग का कॉलम नहीं है। नोटीफिकेशन में ओबीसी का कालम ना जोड़ने का सीधा मतलब है कि भाजपा सरकार पिछड़े वर्ग के लोगों को सामाजिक, आर्थिक, रोजगार और राजनैतिक भागीदारी नहीं देना चाहती है। संसद में प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना कराई जाएगी परन्तु फार्म में ओबीसी का कालम न देकर ओबीसी वर्ग के साथ बहुत बड़ा धोखा किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि पुनः नोटिफिकेशन जारी करें और ओबीसी जातियों का ड्राप-डाउन कालम बनाकर ओबीसी की सभी जातियों को समाहित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर जाति में कई टाइटिल होते हैं उन्हें तेलंगाना में जाति जनगणना के माडल के आधार पर नम्बरिंग किया जाए। एक जाति में जितने भी टाइटिल हों उन्हें एक विशेष नम्बर दिया जाए तथा दूसरी जाति दूसरा विशेष नम्बर दिया जाए।

प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिवगण-सहप्रभारी उप्र जगदीश चन्द्र जांगीड़, मीडिया चेयरमैन डा. सीपी राय, पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव, प्रवक्ता डा. उमा शंकर पाण्डेय, प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता, प्रवक्ता सचिन रावत, प्रवक्ता डा. राजकुमार मौर्या भी उपस्थित रहे।

के के सिंह समेत बड़ी संख्या ने थामा कांग्रेस का हाथ

लखनऊ। कांग्रेस की नीतियों और शीर्ष नेतृत्व में विश्वास जताते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर अमरेन्दु और लखनऊ-कानपुर विकास प्राधिकरण के सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव केके सिंह (कमलेश कुमार सिंह) ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की प्रेरणा से दोनों ने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया। प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने उन्हें विधिवत पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण करने के बाद केके सिंह ने कहा कि वह पूरी मेहनत और निष्ठा के साथ कांग्रेस पार्टी की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन से ही उनका कांग्रेस पार्टी के प्रति लगाव रहा है। कांग्रेस देश की समावेशी विचारधारा वाली पार्टी है और समाज व देश के हित में काम करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा में ही देश का हित सुरक्षित है। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील राय सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

दुनिया भी भारत की इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति की ओर आकर्षित : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। महर्षि चरक और सुश्रुत संहिता में स्वस्थ जीवन जीने और शरीर को निरोग रखने के कई सूत्र बताए गए हैं। आज दुनिया भी भारत की इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति की ओर आकर्षित हो रही है। प्रदेश सरकार आयुर्वेद को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ये बातें शुक्रवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को केजीएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आचार्य चरक को समर्पित आयुर्वेद महासंगम 2026 का आगाज हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय चिकित्सा परंपरा में प्राकृतिक इलाज को विशेष अहमियत दिया गया है। आयुर्वेद में खानपान, दिनचर्या और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली के जरिए शरीर को स्वस्थ रखने पर जोर है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य का संदेश दे रही है। कार्यक्रम में आयुर्वेद को और प्रभावी बनाने के लिए नीतियों में जरूरी संशोधन और नए सुझावों पर भी चर्चा हुई। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश में आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए अलग आयुर्वेद विश्वविद्यालय बनाया जा चुका है। अब शोध, शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

केजीएमयू को अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बेहतर स्थान दिलाने के प्रयास शुरू

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) को अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग और ग्रेडिंग में बेहतर स्थान दिलाने के साथ इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपॉर्टेंस (आईएनआई) का दर्जा दिलाने की दिशा में प्रयास शुरू किए जाएंगे। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने शुक्रवार को अपने दूसरे कार्यकाल की प्राथमिकताएं बताते हुए शोध को और मजबूत करने की बात कही। उनके तीन साल का कार्यकाल पूरा होने और दूसरा कार्यकाल मिलने पर केजीएमयू शिक्षक संघ की ओर से कलाम सेंटर में आयोजित कार्यक्रम हुआ। कलाम सेंटर सभागार में संघ के अध्यक्ष डा. केके सिंह ने कहा कि संघ का मकसद सिर्फ शिक्षकों की मांगों को पूरा कराना नहीं, बल्कि केजीएमयू की प्रतिष्ठा बढ़ाना है।

डा. धर्मेंद्र निर्विरोध सचिव, डा. अरुणा अध्यक्ष बनीं

लखनऊ। प्रांतीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ उप्र. की लखनऊ जिला कार्यकारिणी का चुनाव शुक्रवार को गोमती नगर के शीरोज कैफे में संपन्न हुआ। यहां पर लखनऊ के आयुर्वेदिक मेडिकल अफसरों ने मतदान किया। सचिव पद पर निर्विरोध रूप से राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के डॉ. धर्मेंद्र कुमार को चुना गया। वहीं, अध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी डॉ. अरुणा सिंह और डॉ. अमलेंद्र कुमार मैदान में उतरे। डॉ. अरुणा सिंह अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित हुईं। चुनाव अधिकारी बाराबंकी हैदरगढ़ के राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के डॉ. अच्छेलाल की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. अमिता वर्मा आदि मौजूद रहे।

कल्याण सिंह राजनीतिक क्षितिज के ध्रुवतारा : प्रकाश पाल

पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा ने पद्म विभूषण, पूर्व राज्यपाल व पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्य तिथि पर शुक्रवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में बाबू जी को पुष्पार्चन अर्पित करके कृतज्ञ नमन किया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय व नगर निगम स्थित बाबू कल्याण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पार्चन करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि कल्याण सिंह राजनीति के क्षितिज के ध्रुवतारा हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पारदर्शी शासन व्यवस्था व गरीब कल्याण के कार्यों को प्रदेश की जनता सदैव याद रखेगी। वह एक परम् राम भक्त होने के साथ राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख नायकों में से एक थे। वह सभी जाति, धर्म, सम्प्रदाय व विचारधारा को आदर देने वाले थे। उनके समय की सशक्त कानून व्यवस्था व गुण्डों, माफियाओं के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति को लोग आज भी याद करते हैं। यह गरीबों, पिछड़ो, दलितों, वंचितों युवाओं, महिलाओं, किसानों व सर्वसमाज के सर्वमान्य नेता थे। बाबू जी को पूरा देश आज श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल के नेतृत्व में ओबीसी मोर्चे के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने हाथ में पोस्टर लेकर पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाले सपा व अखिलेश यादव से सवाल भी पूछे गए कि 21 अगस्त, 2021 को कल्याण सिंह की अन्त्येष्टि / श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अखिलेश यादव या सपा के किसी भी नेता के शामिल न होने के पीछे का कारण क्या था ?

प्रदेश कार्यालय स्थित ओबीसी मोर्चा कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यालय सचिव भारत दीक्षित, लक्ष्मण चौधरी, अनुसूचित मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद अशोक रावत, प्रदेश महामंत्री ओबीसी मोर्चा संजय भाई पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा बाबा बालक दास, ओबीसी आयोग के सदस्य रमाशंकर साहू आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नगर निगम स्थित कल्याण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पार्जन करने वालों में प्रकाश पाल के साथ लखनऊ की महापौर, जिलाध्यक्ष, विधायकगण के साथ कई पार्षदगण उपस्थित रहे।

बौद्ध सर्किट बनेगा जापानी पर्यटकों के लिए आकर्षण

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के बीच पर्यटन सहयोग को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उत्तर प्रदेश और यामानाशी के बीच पर्यटन क्षेत्र में सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत बौद्ध, आध्यात्मिक और वेलनेस पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित संवाद सत्र में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यामानाशी जापानी पर्यटकों को उत्तर प्रदेश के बौद्ध और आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सरकार की मंशा यामानाशी को जापान में उत्तर प्रदेश पर्यटन के मजबूत प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने की है। एमओयू के तहत उत्तर प्रदेश और यामानाशी के बीच पर्यटन संबंधी ज्ञान एवं अनुभवों का आदान-प्रदान, संयुक्त प्रचार अभियान, प्रदर्शनियां, सेमिनार और डिजिटल सामग्री तैयार करने पर सहयोग होगा। दोनों क्षेत्रों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन मार्गों को विकसित करने तथा पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के सारनाथ और जापान के फुजिसान से जुड़े यूनेस्को विश्व धरोहर मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर सहमति बनी है। बहुभाषी पर्यटक सुविधाओं, ध्यान एवं वेलनेस पर्यटन, आतिथ्य, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन पेशेवरों के प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार बौद्ध पर्यटन को केवल स्मारकों के विकास तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि कनेक्टिविटी, पर्यटक सुविधाओं, ठहरने की व्यवस्था और बेहतर अनुभव पर भी काम कर रही है। अब इस पूरे बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने की तैयारी है। सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कौशाम्बी और संकिसा जैसे स्थल भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। जापानी पर्यटकों के लिए इन स्थलों को एक समग्र पर्यटन यात्रा के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में जहां इन स्थलों पर 22.4 लाख पर्यटक पहुंचे थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 81.8 लाख से अधिक हो गई। इसी अवधि में विदेशी पर्यटकों की संख्या 48 हजार से बढ़कर करीब 4.43 लाख पहुंच गई। वर्ष 2026 में जनवरी से जून के बीच ही बौद्ध सर्किट के प्रमुख स्थलों पर 30.07 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें करीब 2.02 लाख विदेशी पर्यटक शामिल रहे। पर्यटन निदेशक मृदुल चौधरी ने बताया कि राज्य योजना के तहत बौद्ध स्थलों पर 51 पर्यटन परियोजनाओं पर 218 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में डाक्टरों ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। डाक्टरों ने कल्याण सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ जननेता स्वर्गीय कल्याण सिंह की 5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कल्याण सिंह का 21 अगस्त 2021 को निधन हुआ था। वहीं, संस्थान के निदेशक प्रो.एमएलबी भट्ट सहित चिकित्सकों, रेजिडेंट चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं समस्त स्टाफ ने संस्थान परिसर में स्थापित स्वर्गीय कल्याण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। निदेशक प्रो.एमएलबी भट्ट ने कहा कि कल्याण सिंह का जीवन जनसेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है।

बर्थ से गिरकर जापानी बच्ची घायल

लखनऊ। राप्तीसागर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12511) में गोरखपुर से कोल्लम जंक्शन जा रहे जापानी यात्रियों के छह सदस्यों के समूह में एक छोटी बच्ची बर्थ से गिरकर घायल हो गई। इलाज हेतु बच्ची एवं माता-पिता ऐशबाग जंक्शन पर उतरे, जहां रेलवे चिकित्सक डॉ. संजय तिवारी एवं डॉ. कुमार उमेश ने त्वरित मेडिकल उपचार प्रदान किया। उपचार के बाद परिवार को स्टेशन के रिटायरिंग रूम में ठहराया गया। जापानी यात्रियों ने रेलवे प्रशासन एवं कर्मचारियों के आपातकालीन सहयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा धन्यवाद ज्ञापित कर अगले दिन अपने गंतव्य के लिए यात्रा आरम्भ की। यह घटना रेलवे की संवेदनशीलता एवं मानवता का जीवंत उदाहरण है।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

हत्या की साजिश रचने वाले 6 गिरफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में मदरसा संचालक की हत्या की साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। हजरतगंज में 6 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी के विवाद में मदरसा जामिया अलनूर अल सलामिया के मैनेजर बिलाल हाशमी ने इरफान अहमद की हत्या की योजना बनाई थी। इसके लिए 2 लाख रुपए में दो शूटर तैयार किए गए थे। वारदात से पहले चोरी की बाइक से रेकी की जा रही थी। पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल, 5 कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई है।

पैशन प्लस बाइक के साथ पकड़ा: 18 अगस्त को हजरतगंज पुलिस ने मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद जमीर को पैशन प्लस बाइक के साथ पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति की हत्या के लिए 2 लाख रुपए मिलने थे। उन्हें पिस्टल भी दी गई थी और फोटो दिखाकर लक्ष्य की पहचान कराई गई थी।

अमन की गिरफ्तारी से खुली पूरी कड़ी: शाहिद और जमीर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने अमन कुरैशी की तलाश शुरू की। पांच टीमों ने सर्विलांस की मदद से 21 अगस्त की रात करीब 2:15 बजे उसे लक्ष्मण मेला पार्क से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में अमन ने बताया कि चौक निवासी अधिवक्ता सोहैल अहमद सिद्दीकी और फरहान सिद्दीकी ने उससे इरफान की हत्या के लिए युवकों की व्यवस्था करने को कहा था। दोनों ने उसे इरफान की फोटो भी दी थी। साथ ही पहचान छिपाने के लिए अलग मोबाइल और सिम इस्तेमाल करने को कहा गया था। पुलिस के मुताबिक, इस काम की तैयारी करीब एक महीने से चल रही थी।

इंदिरानगर से चुराई थी बाइक: पुलिस के अनुसार, वारदात में इस्तेमाल बाइक अमन, शाहिद और जमीर ने इंदिरानगर मेट्रो स्टेशन के पास से चोरी की थी। इसी बाइक से इलाके में निगरानी की जा रही थी। बाद में पता चला कि बाइक चोरी की है और गाजीपुर थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज है।

मदरसे की संपत्ति से जुड़ा था विवाद: पुलिस के मुताबिक, बिलाल हाशमी मकबूल नगर, फरीदीपुर स्थित मदरसा जामिया अलनूर अल सलामिया का मैनेजर है। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम भी करता है और मदरसे से जुड़े दस्तावेज उसके पास रहते हैं। जांच में सामने आया कि इरफान की संपत्तियों की जानकारी बिलाल के पास थी। पुलिस का दावा है कि इसी वजह से संपत्ति पर कब्जे के लिए उसे निशाना बनाया गया। 21 अगस्त को पुलिस ने बिलाल हाशमी, सोहैल अहमद सिद्दीकी और फरहान सिद्दीकी को बैकुंठधाम बंधा रोड के नीचे मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। शाहिद, जमीर और अमन की गिरफ्तारी के साथ मामले में कुल 6 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी में औजार गायब होने को लेकर हुए विवाद में मारपीट के बाद राजगीर मिस्त्री आशीष द्विवेदी की मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया।

उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार को मूलरूप से बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट अर्न्तत टेमा का गांव का निवासी आशीष कुमार त्रिवेदी (34) सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी गांव में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था। बीते बुधवार को ओम साई ओमनगर में काम करने के दौरान जनपद फतेहपुर के थाना हुसैनगंज के असनी निवासी राजगीर मिस्त्री फूलचंद और सरोजनीनगर के अमौसी के चैपड्डा निवासी प्लंबर कल्लू उर्फ श्यामलाल रावत के साथ काम कर रहा था। इसी दौरान फूलचंद के कुछ औजार गायब हो गए थे। इसी को लेकर वह आशीष से पूछताछ करने लगा। बात बढ़ने पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद कल्लू और फूलचंद ने मिलकर आशीष की पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया। परिजन घायल आशीष को शाम करीब सात बजे सरोजनीनगर सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे घर ले जाने की सलाह देते हुए सुबह दोबारा बुलाया था। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे अचानक आशीष की तबीयत बिगड़ गई। सरोजनीनगर इंस्पेक्टर राजदेव राज प्रजापति ने बताया कि दोनों आरोपियों फूलचंद और कल्लू उर्फ श्यामलाल रावत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

छत से गिरकर युवक की मौत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के अर्जुनगंज स्थित अमृत अस्पताल में छत से गिरकर घायल हुए 29 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मोहित पुत्र स्वर्गीय अशर्फीलाल, निवासी ग्राम जवाहर सिंह का पुरवा, पोस्ट बहरौली, थाना नगराम, लखनऊ के रूप में हुई है। बताया गया कि छत से गिरने के कारण मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अमृत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 20 अगस्त को अस्पताल से पुलिस को डेथ मेमो प्राप्त हुआ। सूचना के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू मोर्चरी भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत: सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक महिला की अचानक तबियत खराब हो गई। जानकारी होने पर परिजन उसे इलाज के लिए सरोजनीनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये। जहां चिकित्सको ने उसे मृत हो घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के आजादनगर-चिल्लावां निवासी रीना (35) के पति अमित की चार वर्ष पहले मौत हो गई थी। वह अपने 13 वर्षीय बेटे सिद्धार्थ के साथ रहती थी। जबकि इसी मकान में उसके जेठ विनोद कुमार, विपिन कुमार, प्रदीप कुमार और देवर आशीष व जितेंद्र भी अपने-अपने परिवार के साथ अलग-अलग कमरों में रहते हैं। परिजनों के मुताबिक रीना के पति अमित की करीब चार साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। परिजनों के अनुसार गुरुवार रात रीना कहीं से घर लौटी और कुछ देर कमरे के बाहर बैठने के बाद अंदर जाकर सो गई। शुक्रवार सुबह उसकी तबीयत बिगड़ने पर बेटे ने परिवार के लोगों को जानकारी दी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां सुबह करीब नौ बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में रीना के शराब का अधिक सेवन करने और कुछ दिनों से बीमार रहने की बात सामने आई है। उसका इलाज भी चल रहा था।

बंथरा में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव बंद कमरे में फंदे से लटका मिला। घर से तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने उसके बड़े भाई को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक बंथरा-सिकंदरपुर गांव निवासी व पेंटर कारीगर संदीप साहू उर्फ सोनू (30) पत्नी जयश्री व तीन वर्षीय बेटी के साथ रहता था। पुलिस के मुताबिक करीब 12 दिन पहले पत्नी बेटी को लेकर हरदोई स्थित मायके चली गई थी। इसके बाद संदीप घर में अकेला रह रहा था। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे घर से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने संदीप के बड़े भाई सुंदर साहू को जानकारी दी। सुंदर ने छत से झांककर देखा तो संदीप कमरे के अंदर पंखे के हुक से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आसपास के लोगों ने बताया कि संदीप को आखिरी बार बुधवार को देखा गया था। ऐसे में आशंका है कि उसने बुधवार रात ही फांसी लगाई होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

नाले में मिला युवक का शव

लखनऊ। नगराम के अनैया गांव निवासी 30 वर्षीय जितेंद्र कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में पानी में डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार शाम उसका शव विशुन खेड़ा गांव के पास गहरे नाले में उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। हैरानी की बात यह रही कि नाले के पास सड़क किनारे उसकी मोटरसाइकिल खड़ी मिली। युवक की मौत हादसा है या इसके पीछे कोई और वजह, इसे लेकर फिलहाल रहस्य बना हुआ है। परिजनों के मुताबिक, छेदा लाल रैदास का पुत्र जितेंद्र कुमार शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे घर से निकला था। शाम करीब साढ़े तीन से चार बजे के बीच विशुन खेड़ा के पास ग्रामीणों ने गहरे नाले में उसका शव उतराता देखा। सूचना मिलते ही नगराम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के दौरान नाले के किनारे सड़क पर खड़ी जितेंद्र की मोटरसाइकिल भी बरामद की। थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह के अनुसार, मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने इत्तफाकिया रिपोर्ट दर्ज कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बताया गया कि जितेंद्र विवाहित था। उसकी ससुराल गोसाईगंज क्षेत्र के चमरही काजी खेड़ा गांव में है। पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते उसकी पत्नी काफी समय से मायके में रह रही थी। दोनों के बीच विवाद का मामला पारिवारिक न्यायालय में भी विचाराधीन बताया जा रहा है। फिलहाल जितेंद्र की मौत की असली वजह सामने नहीं आई है। नाले में वह किन परिस्थितियों में पहुंचा, यह सवाल भी पुलिस के सामने है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

मांग को लेकर टावर पर चढ़ी महिला पुलिस ने समझा-बुझाकर नीचे उतारा

लखनऊ। बाजारखाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे एक महिला 120 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गई। वह ऊपर से चिल्लाने लगी। लोगों नेदेखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौकेपर पहुंची और महिला को करीब आधे घंटे तक समझाती रही। उसके बाद बात मानकर नीचे उतरी। महिला ने बताया कि पड़ोसी से उसका जमीन का विवाद चल रहा है। उसकी कहीं सुनवाई नहीं हुई तो जनपद गाजीपुर से यहां मुखयमंत्री से मिलने चली आई। बाजारखाला क्षेत्र स्थित ऐशबाग रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर फोन का टावर है। महिला इसी पर चढ़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स के साथ ही फायर ब्रिगेड की हाइड्रोलिक प्लेटफार्म भी पहुंचा। पुलिस ने महिला को किसी तरह समझा-बुखाकर नीचे उतारा। महिला ने बताया कि वह जनपद गाजीपुर के कासिमाबाद के रहने वाले गुलाब चौहान की बेटी दीपा चौहान है। पड़ोसी से जमीन का झगड़ा चल रहा है। उसकी शिकायत लेकर मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ आई। जब सीधे मुख्यमंत्री से मिलने का रास्ता नहीं मिला तो वह ऐशबाग स्टेशन परिसर के बाहर बने टावर पर चढ़ गई। इस घटना पर ऐशबाग चौकी के जीआरपी प्रभारी संतोष कुमार और आरपीएफ इंस्पेक्टर देवेंद्र प्रताप समेत पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने उसे कार्रवाई का भरोसा दिया, तब महिला टावर से नीचे उतरी।

बाजारखाला थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने महिला से बातचीत की और उसे उसकी शिकायत पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। काफी समझाने के बाद महिला टावर से नीचे उतर आई। पुलिस के मुताबिक, महिला गाजीपुर की रहने वाली है और जमीन से जुड़े विवाद की शिकायत को लेकर लखनऊ आई थी। वह मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या बताना चाहती थी। इसी मांग को लेकर उसने टावर पर चढ़ने का कदम उठाया।

जूनियर इंजीनियरों की बर्खास्तगी को हाईकोर्ट ने किया रद्द

- अधिकारियों की गलती सुधारने के लिए निर्दोश कर्मचारियों की नौकरी नहीं छीनी जा सकती : हाईकोर्ट
- जलनिगम में 2013 में जूनियर इंजीनियरों की भर्ती का मामला

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश जल निगम की वर्ष 2013 की जूनियर इंजीनियर भर्ती में नियुक्त सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई को कड़ा झटका देते हुए बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिए हैं। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में हुई गलती का खामियाजा उन कर्मचारियों को नहीं भुगताया जा सकता, जिनकी नियुक्ति सक्षम प्राधिकारी ने स्वीकृत पदों पर नियमित चयन प्रक्रिया के बाद की थी और जिन पर किसी प्रकार की धोखाधड़ी, गलतबयानी या हेरफेर का आरोप नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरक्षण व्यवस्था को लागू करना अनिवार्य है, लेकिन आरक्षण सुधारने के नाम पर ऐसी प्रक्रिया नहीं अपनाई जा सकती जो कानून और मूल चयन प्रक्रिया के विपरीत हो। विशेष रूप से तब, जब नियुक्त कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी या गलतबयानी का कोई आरोप नहीं हो। साथ ही कोर्ट ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के 28 जनवरी 2014 के आदेश को भी अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिस आदेश की कानूनी बुनियाद ही गलत हो, उसके आधार पर की गई बाद की प्रशासनिक कार्रवाई को अलग से वैध नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति इरशाद अली की एकल पीठ ने जूनियर इंजीनियर राकेश प्रताप सिंह तथा अन्य की ओर ये पृथक पृथक दायर की गयी याचिकाओं पर एक साथ सुनवायी करके यह फैसला सुनाया है। दरअसल जल निगम ने वर्ष 2013 में जूनियर इंजीनियरों के 470 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। प्रथम चरण में चयन प्रक्रिया वर्गवार तरीके से संचालित हुई। बाद में आरक्षित वर्ग के कुछ अभ्यर्थियों को लेकर चयन प्रक्रिया पर सवाल उठे और इसे सुधारने की कवायद शुरू हुई। सात जनवरी 2014 को जल निगम के प्रबंध निदेशक ने भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की। याचियों की ओर से पेष वरिश्ठ अधिवक्ता उपेंद्र नाथ मिश्रा का कहना था कि उक्त समिति ने 15 जनवरी 2014 को अपनी रिपोर्ट में साफ तौर पर सिफारिश की कि छूटे हुए अतिरिक्त आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को दूसरे चरण की उपलब्ध 469 रिक्तियों में समायोजित किया जाए और किसी भी सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी की सेवा समाप्त न की जाए। कहा कि जल निगम ने आरक्षित अभ्यर्थियों के समायोजन की सिफारिश तो स्वीकार कर ली, लेकिन सामान्य वर्ग के कर्मचारियों को सेवा में बनाए रखने की सिफारिश की अनदेखी कर दी। इसके बाद राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने 28 जनवरी 2014 को जल निगम को आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की नई चयन सूची तैयार करने का निर्देश दिया। भर्ती में लापरवाही के लिए तत्कालीन मुख्य अभियंता डी. प्रसाद के खिलाफ आरोपपत्र भी जारी हुआ। बाद में 136 अतिरिक्त ओबीसी/एससी अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई। इससे 470 मूल पदों के मुकाबले कुल 543 नियुक्तियां हो गईं और उपलब्ध रिक्तियों में उनका समायोजन कर लिया गया। इस स्तर पर किसी सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी को नहीं हटाया गया। इसके बावजूद दो दिसंबर 2014 को याची राकेश प्रताप सिंह समेत 73 सामान्य वर्ग के जेई की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने 18 दिसंबर 2014 को इन बर्खास्तगी आदेशों को निरस्त करते हुए जल निगम को मामले पर दोबारा विचार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने विशेष रूप से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अधिकार क्षेत्र और उपलब्ध रिक्तियों में अभ्यर्थियों के समायोजन समेत महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करने को कहा था। शुक्रवार के अपना फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने पाया कि जल निगम ने पूर्व आदेश की भावना और निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई करने के बजाय सामान्य वर्ग के पहले से नियुक्त अभ्यर्थियों के समायोजन पर विचार करना शुरू कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 18 दिसंबर 2014 का फैसला उच्चतर न्यायालय में चुनौती नहीं दिया गया था और इसलिए वह जल निगम के लिए बाध्यकारी था।

अर्जुनगंज में शॉर्ट रेंज फायरिंग जारी रहेगी

लखनऊ। अर्जुनगंज फायरिंग रेंज की जमीन पर अवैध कब्जों के मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ को बताया कि वर्तमान फायरिंग रेंज में सेना की कम दूरी (शॉर्ट रेंज) के हथियारों की फायरिंग प्रैक्टिस जारी रहेगी। वहीं, लॉन्ग रेंज फायरिंग प्रैक्टिस और युद्धाभ्यास के लिए लखनऊ मंडल में ही सेना को वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार के इस आश्वासन पर कोर्ट ने पूछा कि क्या वैकल्पिक स्थान का अब तक चिन्हीकरण कर लिया गया है। न्यायालय ने इस संबंध में विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले को नवंबर के पहले सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने ब्रिगेडियर तिरबनी प्रसाद की ओर से वर्ष 2011 में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि सेना के युद्धाभ्यास और मैदानी फायरिंग रेंज की जरूरतों को देखते हुए लखनऊ मंडल में ही वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। कोर्ट ने इस स्थान के चिन्हीकरण की स्थिति स्पष्ट करने को कहा। साथ ही अधिकारियों को वैकल्पिक जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने का निर्देश दिया। मामले में केंद्र सरकार पहले ही शपथपत्र दाखिल कर चुकी है। इसमें कहा गया है कि फायरिंग रेंज की जमीन पर अतिक्रमण के कारण सेना लॉन्ग रेंज हथियारों की ट्रेनिंग नहीं कर पा रही है। केंद्र ने यह भी बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में लंबी दूरी के हथियारों की ट्रेनिंग को टालना सेना की परिचालन तैयारियों के लिए उचित नहीं होगा। हाईकोर्ट इस मामले में राज्य सरकार और लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की कार्यप्रणाली पर पहले भी गंभीर टिप्पणी कर चुका है। कोर्ट ने कहा था कि सेना के अधिकारियों की ओर से अवैध कब्जों को रोकने के लिए बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद राज्य सरकार और एलडीए के अधिकारियों ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ कि सेना को मौजूदा फायरिंग रेंज में लॉन्ग रेंज फायरिंग प्रैक्टिस से वंचित होना पड़ा।

ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल खत्म

लखनऊ। सरोजनीनगर के अमौसी स्थित इंडियन ऑयल एलपीजी गैस बॉटलिंग प्लांट में ट्रांसपोर्टरों की दूसरे दिन जारी हड़ताल शुक्रवार शाम अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। शाम करीब पांच बजे ट्रांसपोर्टरों ने हड़ताल वापस लेकर एलपीजी सिलेंडरों की उठान शुरू कर दी। इससे लखनऊ की 62 इंडियन ऑयल एलपीजी गैस एजेंसियों पर आपूर्ति प्रभावित होने का संकट फिलहाल टल गया। उल्लेखनीय है कि सरोजनीनगर के अमौसी स्थित इंडेन गैस बाटलिंग प्लांट से जुडे ट्रांसपोर्टरों ने गुरूवार को उचित आवंटन, वाहनों को नियमित लोड उपलब्ध कराने और एजेंसियों पर गाड़ियों को समय से खाली कराने की व्यवस्था करने की मांग सहित आधा दर्जन मांगों को लेकर चक्का जाम कर दिया था। शुक्रवार दोपहर जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह, एआरटीओ अशोक यादव, इंडियन ऑयल एलपीजी के रीजनल जीएम एनके श्रीवास्तव और प्लांट मैनेजर जेपी सिंह ने ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक की। इस दौरान कई घंटे चली बैठक में ट्रांसपोर्टरों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। उनका कहना था कि टेंडर के समय प्रत्येक वाहन को करीब 2.45 लाख रुपये प्रतिमाह का काम मिलने की बात कही गई थी, लेकिन वर्तमान में मुश्किल से एक से सवा लाख रुपये का ही काम मिल रहा है। इससे डीजल, वाहन खर्च और चालक का वेतन निकालना भी मुश्किल हो रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि पहले लखनऊ के साथ आसपास के जिलों में भी इन्हीं वाहनों से सिलेंडरों की आपूर्ति होती थी, लेकिन अब अन्य जिलों में आपूर्ति बंद होने से वाहनों को पर्याप्त लोड नहीं मिल रहा है। एक वाहन को तीन-चार दिन में महज एक लोड मिल रहा है। साथ ही एजेंसियों पर सिलेंडर लेकर पहुंचने के बाद भी वाहनों को दो से तीन दिन तक खड़ा रहना पड़ता है।

दहेज उत्पीड़न का आरोप साबित न होने पर तीन आरोपी बरी

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने करीब 30 वर्ष पुराने दहेज हत्या के मामले में फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों की सजा रद कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन यह साबित करने में विफल रहा कि मृतका की मौत से ठीक पहले उसे दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया था। ऐसे में धारा 304-बी आईपीसी के तहत दहेज हत्या की धारणा लागू नहीं की जा सकती।

न्यायमूर्ति मनोज बाजाज ने शिव नारायण उर्फ सूर्य नारायण, जय नारायण और पटेश्वर की अपील स्वीकार करते हुए फैजाबाद के अपर सत्र न्यायाधीश-द्वितीय द्वारा 30 अप्रैल 1996 को सुनाई गई दोषसिद्धि और 13 मई 1996 को सुनाई गई सजा को निरस्त कर दिया। तीनों को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। मामला उर्मिला की वर्ष 1991 में हुई मौत से जुड़ा था। अभियोजन के अनुसार 19/20 सितंबर 1991 की रात उर्मिला लापता हुई और 21 सितंबर को उसका शव ससुराल के पास स्थित कुएं से बरामद हुआ। आरोप था कि दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद उसकी हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को धारा 498-ए, 304-बी, 201 और 120-बी आईपीसी के तहत दोषी ठहराया था। कोर्ट ने पाया कि शव बरामद होने के समय मृतका के पिता और अन्य करीबी रिश्तेदारों ने कुएं में डूबने की आशंका जताई थी और हत्या या दहेज हत्या का आरोप नहीं लगाया था। औपचारिक एफआईआर 12 दिन बाद दो अक्टूबर 1991 को दर्ज हुई, जिसकी देरी भी पर्याप्त रूप से स्पष्ट नहीं हो सकी। कोर्ट ने यह भी पाया कि स्कूटर की दहेज मांग का आरोप एफआईआर या जांच के दौरान दर्ज बयानों में नहीं था और पहली बार ट्रायल के दौरान माता-पिता की गवाही में सामने आया। मृतका ने अपने जीवनकाल में दहेज उत्पीड़न की कोई शिकायत भी नहीं की थी। पोस्टमार्टम में मौत का कारण सिर में लगी चोट बताया गया था। कोर्ट ने कहा कि कुएं में गिरने के दौरान ट्यूबवेल पाइप से सिर टकराने की संभावना से भी इस चोट की व्याख्या हो सकती है। हत्या का तरीका या घटनास्थल साबित करने वाला कोई ठोस चिकित्सकीय या अन्य साक्ष्य अभियोजन पेश नहीं कर सका। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 113-बी साक्ष्य अधिनियम के तहत दहेज मृत्यु की धारणा तभी लागू होगी, जब अभियोजन यह साबित करे कि मौत से ठीक पहले महिला को दहेज की मांग के लिए क्रूरता या उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। इस मामले में ऐसा साक्ष्य नहीं मिला।

युवक ने इंदिरा नहर में लगाई छलांग

लखनऊ। नगराम में प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने से आहत 25 वर्षीय युवक ने शुक्रवार दोपहर समेसी पुल के पास इंदिरानहर में छलांग लगा दी। युवक को नहर में डूबते देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही नगराम पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया।

सूचना

मैं, पवन कुमार सिंह (Pawan Kumar Singh), निवासी- ग्राम बेलहरा, पोस्ट बंभोरा, तहसील महोली, जिला सीतापुर (उत्तर प्रदेश), शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरी पुत्री का नाम सरकारी और स्कूल दस्तावेजों में गलती से तानिष्का सिंह (Tanishka Singh) दर्ज हो गया है। जबकि उसका सही नाम तानिष्ठा सिंह (Tanishtha Singh) है। भविष्य में मेरी पुत्री को तानिष्ठा सिंह (Tanishtha Singh) के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

गोमतीनगर हत्याकांड : पोस्टमार्टम में देरी पर परिजनों का हंगामा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केजीएमयू पोस्टमार्टम हाउस में शुक्रवार को दिव्या मिश्रा का शव पहले सौंपे जाने और भाई-बहन के शव में देरी होने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि डॉक्टर पहले दिव्या का पोस्टमार्टम कर चले गए थे। परिजनों के विरोध के बाद दोबारा आए डॉक्टरों ने मानस और तूलिका (शीबा) का पोस्टमार्टम किया। करीब 5 घंटे बाद शाम को दोनों के शव परिजनों को सौंपे गए।

गुरुवार को पुलिस ने मानस और तूलिका (शीबा) के शवों का पंचनामा पूरा कर लिया था। शुक्रवार को डॉक्टरों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम होना था। परिजन सुबह से ही पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए और इंतजार करने लगे। परिजनों का आरोप है कि पोस्टमार्टम प्रभारी ने कहा था कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम पैनल और वीडियोग्राफी के साथ होगा और शाम तक प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। दोपहर करीब पौने दो बजे डॉक्टरों ने दिव्या का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया और वहां से चले गए, लेकिन मानस और तूलिका के शव का पोस्टमार्टम नहीं किया गया। तीन बजे तक भी जब शव नहीं मिले तो परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने कहना था कि भेदभाव किया जा रहा है। हंगामे की सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और डॉक्टरों को बुलाया गया। करीब तीन बजे के बाद डॉक्टर दोबारा आए और वीडियोग्राफी के बीच मानस और तूलिका (शीबा) के शवों का पोस्टमार्टम शुरू किया गया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम करीब पांच बजे शव परिजनों को दिये गए।

विदित हो कि गुरुवार को गोमतीनगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े पत्नी दिव्या मिश्रा और बहन तूलिका (शीबा) की हत्या करने के बाद एसबीआई के एकाउंटेंट मानस बाजपेई ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। भारतीय स्टेट बैंक में अकाउंटेंट के पद पर कार्य कर रहे मानस बाजपेई का पत्नी से करीब तीन वर्ष से विवाद चल रहा था। गोमतीनगर में आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्य कर रही दिव्या मिश्रा के पति मानस बाजपेई से संबंध बिगड़ चुके थे और पति को छोड़कर वह आलमबाग क्षेत्र में रह रही थी। दोनों के बीच तलाक को लेकर पारिवारक न्यायालय में मामला विचाराधीन था। मृतका दिव्या मिश्रा (33) यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थीं। मानस और दिव्या ने वर्ष 2017 में प्रेम विवाह किया था।

मामा बोले-मेरा भांजा बैंक में अफसर था, साइको नहीं: गोमतीनगर में बैंक कर्मी ने अपनी पत्नी और बहन की गोली मारकर हत्या की। फिर खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। इसमें वैवाहिक विवाद तलाक, एलिमनी और बहन से जुड़े मतभेद को गहराई से जांच की जा रही है। सीसी फुटेज, परिवार के बयानों और डिजिटल सबूतों की मदद से पुलिस हत्या के पीछे की सच्चाई और हथियारों के सोर्स का पता लगाने में जुटी हुई है। गुरुवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिय के कर्मचारी मानस ने अपनी पत्नी दिव्या और बहन तुलिका उर्फ सिवा की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली थी। पुलिस मानस द्वारा मौत से पहले लगाए गए व्हाट्सएप स्टेटस की भी जांच कर रही है। उस स्टेटस में उसने अपनी पत्नी, अपनी साली प्रज्ञा मिश्रा और उसके पति पर कई गंभीर आरोप लगाए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 18 अगस्त को इस जोड़े की तलाक के मामले को लेकर फैमिली कोर्ट में सुनवाई थी। यह इस जांच का एक अहम हिस्सा है। पुलिस इस रिपोर्ट की भी जांच कर रही है कि क्या सुनवाई के दौरान एलिमनी को लेकर कोई विवाद हुआ था? क्या कोई बड़ी रकम मांगी गई थी? इसके अलावा पुलिस पति-पत्नी के बीच मानस की बहन को लेकर चल रहे पुराने विवाद की भी जांच की जा रही है। परिवार के सदस्यों के मुताबिक, मानस की बहन डिप्रेशन का इलाज करा रही थी। दिव्या की बहन प्रज्ञा ने आरोप लगाया है कि मानस उनकी बहन को काफी प्रताड़ित करता था। प्रज्ञा ने यह सवाल भी उठाया है कि मानस के पास हथियार कहां से आए? क्या इस घटना में कोई दूसरा व्यक्ति भी शामिल हैं। फिलहाल, पुलिस अभी तक तीसरे व्यक्ति के शामिल होने की पुष्टि नहीं की है। इन सभी आरोपों की बारीकी से जांच कर रही है। बैंक के बाहर की सीसीटीवी फुटेज, बैंक कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों के बयान, फोरेंसिक सबूत और आरोपी के डिजिटल रिकॉर्ड इस पूरी जांच के मुख्य आधार हैं।

बैकुण्ड धाम और गुलाला घाट पर हुआ अंतिम संस्कार: दिव्या के शव का अंतिम संस्कार बैकुण्ठ धाम पर किया गया है। दिव्या के शव को मुखाग्नि उनके पिता सतीश मिश्रा ने दी। इसके बाद शाम साढ़े पांच बजे मानस और तूलिका का अंतिम संस्कार गुलाला घाट पर एक साथ किया गया। मामा और मौसा ने भाई बहनों के शवों को मुखाग्नि दी। इस बीच पूरा परिवार मौजूद रहा।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **सिंगल पैकेट पद्धति** से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **21.09.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉज़िट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

	निविदा सूचना संख्या		00862026 दिनांक 20.08.2026
1	कार्य का नाम	1	वरि0 मण्डल अभियंता–तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में वाराणसी–ज़फराबाद खण्ड में बी0सी0एम0 मशीन द्वारा डीप स्क्रीनिंग तथा ट्रैक की रखरखाव हेतु अन्य सहायक कार्य।
2	अनुमानित लागत	1	रू0 2,82,49,909.25
3	धरोहर राशि	1	रू0 5,65,000.00
4	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं0 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छह (06) माह।
5	निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं0 01 के लिए	21.09.2026
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं0 01 के लिए	07.09.2026 15:00 बजे
7	वेबसाईट		www.ireps.gov.in

नोटः– 1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ0रे0 नयी दिल्ली का पत्र सं0 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनाँक 07.04.2015. 2912/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मेरे किरदार में परफॉर्म करने के लिए बहुत कुछ है : खुशी दुबे

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। टीवी और फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री खुशी दुबे इन दिनों वेब सीरीज सर्विस गर्ल में एक बेहद अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आ रही है। सीरीज में वह दिव्या नाम की एक साधारण और मासूम गांव की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसकी जिंदगी एक डीपफेक वीडियो और लाइव स्ट्रीम रैकेट के चलते पूरी तरह बदल जाती है. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में खुशी ने शो के अपने किरदार, डीपफेक जैसे संवेदनशील मुद्दे, अपने अब तक के एक्टिंग सफर, दिल धड़कने दो और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बात की।

सर्विस गर्ल को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं और आपका किरदार इसमें कितना अलग है ?

मुझे लगता है कि सर्विस गर्ल जैसे शो बहुत कम देखने को मिलते हैं. एक एक्टर के तौर पर इसमें परफॉर्म करने के लिए काफी कुछ है. शुरूआत में दिव्या एक बहुत ही सिंपल और मासूम गांव की लड़की है. उसका लुक भी काफी अलग है. जैसे इलाहाबाद या जौनपुर में लड़कियां साधारण साड़ी और ड्रेस पहनती हैं, उसी तरह उसका लुक रखा गया है और उसकी बॉडी लैंग्वेज भी वैसी ही है. लेकिन आगे चलकर हमें पता चलता है कि उसके चेहरे का डीपफेक बनाया गया है और कोई दूसरी लड़की उसके चेहरे का इस्तेमाल करके लाइव स्ट्रीम रैकेट चला रही है. मुझे उस दूसरी भूमिका का रोल भी निभाना था, जो दिव्या से बिल्कुल अलग है. दोनों किरदार एक-दूसरे के बिल्कुल उलट हैं. कहानी भी बहुत अच्छी है और इसमें मेरे लिए कई परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड सीन हैं।

इस सीरीज की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा ?

मेरे लिए यह काफी हेक्टिक शूटिंग शेड्यूल था। हमने पहले नासिक में शूटिंग की, जहां बहुत गर्मी थी और हम लगातार शूट कर रहे थे. इसके बाद हम दूसरी जगह गए. बात करूं सीरीज की तो यह मेरे लिए बहुत संवेदनशील विषय है और मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया. मैं इसके लिए तबरेज खान सर की शुक्रगुजार हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे बहुत खूबसूरती से शूट किया।

डीपफेक जैसे संवेदनशील मुद्दे को लेकर आप क्या कहना चाहेंगी ?

लोगों को डीपफेक के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. रोज सोशल मीडिया पर इतने अकएडिट्स देखने को मिलते हैं कि असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है. मुझे लगता है कि इस समय इससे बेहतर विषय नहीं हो सकता था. खुशी है कि इस शो के जरिए लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया जा रहा है. सीरीज के आखिर में एक मैसेज भी है, जिसे मैं अभी रिवील नहीं करना चाहती।

क्या इस किरदार के लिए आपको अपने लुक में भी काफी बदलाव करने पड़े ?

हां, बिल्कुल. जब हम उसे एक सर्विस गर्ल के रूप में दिखा रहे हैं तो उसे कई तरह के आउटफिट्स पहनने पड़ते हैं. मैंने पहले कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया है. लेकिन मैं इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती थी. एक परफॉर्मर के तौर पर मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी जो गंगूबाई काठियावाड़ी और शी की तरह हो. इस पूरी कहानी के केंद्र में एक लड़की है और उसके सफर को दिखाया गया है. इसलिए यह कहानी मेरे लिए बहुत खास है।

दिव्या और अनिशा के किरदारों को अलग दिखाना कितना चुनौतीपूर्ण था ?

यह मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक था. दिव्या को एक्टिंग फील्ड और बॉलीवुड के अंदर क्या होता है, इसकी कोई जानकारी नहीं है. लेकिन मैं खुशी के तौर पर इन चीजों को जानती हूं. इसलिए मुझे एक्ट करना था कि मुझे कुछ भी पता नहीं है. यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था. इसके अलावा दिव्या और अनिशा दोनों को बिल्कुल अलग दिखाना भी जरूरी था. अनिशा के रूप में कुछ ऐसे सीन भी थे जिनमें मैं थोड़ी असहज हो सकती थी, लेकिन तबरेज सर के विजन और उनके अप्रोच की वजह से मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे परेशान होने की जरूरत है. कुछ सीन बहुत इमोशनल भी थे, खासकर जब डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद दिव्या को सोसाइटी स्वीकार नहीं करता और वह टूट जाती है. ये सीन मेरे लिए काफी चैलेंजिंग थे।

आपने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अब तक के अपने सफर को कैसे देखा है ?

मेरा सफर बहुत अच्छा रहा है. मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह जैसे कलाकारों और जोया अख्तर जैसे शानदार क्रिएटर्स के साथ काम करने का मौका मिला. बहुत से लोगों के लिए इतने बड़े लोगों के साथ एक बार काम करना भी जिंदगी की बड़ी उपलब्धि होती है. मैंने प्रियंका मैम से पर्सननी भी बहुत कुछ सीखा है. जब मैंने दिल धड़कने दो में काम किया था, तब मैं पांचवीं क्लास में थी. वह मुझे अपनी बेटी की तरह ट्रीट करती थीं. हम सर्दियों में गाने की शूटिंग कर रहे थे और वह मुझे अपनी जैकेट दे देती थीं. मैंने उनसे एक इंसान के तौर पर बहुत कुछ सीखा. वह एक डायनामाइट हैं, लेकिन साथ ही बहुत विनम्र भी हैं. मैं भी जब उस मुकाम पर पहुंचूं तो एक इंसान के तौर पर विनम्र रहना चाहती हूं।

अपने किरदार चुनते समय आपके लिए सबसे जरूरी क्या होता है ?

मेरे लिए सबसे जरूरी है कि किरदार कितना प्रभावशाली है और क्या वह मेरे पिछले किरदारों से अलग है. इसके बाद मैं देखती हूं कि कहानी कैसी है और बतौर परफॉर्मर मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं।

अगर एक शब्द में अपने सफर को बताना हो तो आप क्या कहेंगी ?

अगर मुझे एक शब्द में अपने सफर को बताना हो तो मैं कहूंगी यानि 'किस्मत में लिखा हुआ'. मैंने बीच में इंजीनियरिंग शुरू कर दी थी और अमेरिका में मास्टर्स करने जाने वाली थी. मैंने यूनिवर्सिटी की फीस और रिजर्वेशन फीस तक दे दी थी. फिर अचानक डिज्नी+ हॉटस्टार का रोमांटिक थ्रिलर वेब सीरीज 'आशिकाना' आया. वह शो हिट हो गया और चार सीजन के बाद मेरी जिंदगी ने बहुत बड़ा यू-टर्न लिया. इसलिए मुझे लगता है कि मेरा एक्टिंग में वापस आना शायद तय था।

मेघ मल्हार में गूंजे अवधी लोकगीतों के सुर

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी के अटलपुरी में सावन की रिमझिम, कजरी के मधुर सुर और पारंपरिक लोकगीतों की मिठास के बीच वाइब्रेंट फोक आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी एवं हिंदू सेना संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय मेघ मल्हार कार्यशाला का 21 अगस्त को समापन हुआ। कार्यशाला का आयोजन 12 अगस्त से 21 अगस्त तक अटलपुरी सेक्टर-1 स्थित ब्रह्मदेव मंदिर में किया गया। कार्यशाला के दौरान क्षेत्र की महिलाओं को अवधी भाषा के भजन, कजरी, झूला गीत एवं पारंपरिक लोकगीतों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सावन से जुड़े पारंपरिक गीतों को सीखने एवं प्रस्तुत करने में उत्साह दिखाया। कार्यशाला का वातावरण उस समय और भी भावपूर्ण हो उठा जब महिलाओं ने घिरि-घिरि आई सावन की बदरिया जैसे पारंपरिक सावनी गीतों की प्रस्तुति दी। लोकगीतों के इन सुरों ने न केवल सावन की संस्कृति और ग्रामीण जीवन की स्मृतियों को जीवंत किया, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध अवधी लोक परंपरा की सुंदर झलक भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की आयोजक एवं वाइब्रेंट फोक आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी की सचिव वंदना मिश्रा ने कहा कि लोकगीत हमारी संस्कृति की जीवंत धरोहर हैं। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य अपनी लोकगीत परंपरा को संरक्षित करना और महिलाओं को कला एवं संस्कृति के माध्यम से स्वावलंबी बनाना है।

पुत्रदा एकादशी कल, भक्त करेंगे भगवान विष्णु की आराधना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व होता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है. वहीं, सावन महीने में पड़ने वाली एकादशी का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है. ये सावन की दूसरी एकादशी होती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत संतान सुख, समृद्धि और पारिवारिक सौहार्द के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है , साथ ही यह व्रत उन दंपत्तियों के लिए फलदायी होता है, जो संतान प्राप्ति की कामना करते हैं वैदिक पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरूआत 23 अगस्त को सुबह 2 बजे होगी , वहीं, इस तिथि का समापन 24 अगस्त को सुबह 4 बजकर 18 मिनट पर होगा. ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त को रखा जाएगा. साथ ही 24 अगस्त को भी यह व्रत रहेगा।

पुत्रदा एकादशी पर विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त:23 अगस्त को विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 32 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा. वहीं, 24 अगस्त को पूजा का मुहूर्त सुबह 5 बजकर 55 मिनट से लेकर सुबह 7 बजकर 32 मिनट तक रहेगा. इसके अलावा दूसरा मुहूर्त सुबह 9 बजकर 9 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 46 मिनट तक रहेगा. इस अवधि में श्री हरि की पूजा कर सकते हैं।

सावन पुत्रदा एकादशी का महत्व: सनातन धर्म में सावन पुत्रदा एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। पद्म पुराण और अन्य धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना तथा व्रत करने से साधक को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

मान्यता है कि संतान सुख की कामना रखने वाले दंपतियों के लिए यह एकादशी अत्यंत फलदायी होती है। इस व्रत के प्रभाव से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है, परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास होता है। साथ ही जीवन के कष्ट और बाधाएं दूर होने लगती हैं।

पूजा विधि: सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। मंदिर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र के सामने व्रत का संकल्प लें। विधि-विधान से पूजा करें। इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें। पूजा में दीप, धूप, फूल, चंदन और नैवेद्य अर्पित करें। विष्णु सहस्त्रनाम और शिव स्तोत्र का पाठ करें। एकादशी व्रत कथा सुनें या पढ़ें। दिनभर व्रत रखें और रात्रि में भगवान का भजन-कीर्तन करें। अगले दिन द्वादशी तिथि पर ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान-दक्षिणा दें और फिर व्रत का पारण करें।

सावन का दूसरा प्रदोष व्रत 25 को, होगी शिवजी की पूजा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भगवान शिव को सावन का महीना अतिप्रिय होता है। इस माह भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा-आराधना करने का महत्व होता है। सावन माह में पड़ने वाले प्रदोष व्रत का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष सावन माह में भौम व्रत 25 अगस्त को रखा जाएगा। प्रदोष व्रत जब मंगलवार के दिन पड़ता है तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रदोष व्रत करने से सभी तरह के संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरूआत 25 अगस्त 2026 को सुबह 06 बजकर 20 मिनट से होगी, जो अगले दिन 26 अगस्त को सुबह 7 बजकर 59 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर प्रदोष व्रत 25 अगस्त को है।

प्रदोष व्रत पूजा का शुभ मुहूर्त : सावन प्रदोष व्रत पूजा का ब्रह्मा मुहूर्त सुबह 04 बजकर 27 मिनट से लेकर 05 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। वहीं इस दिन अभिजीत मुहूर्त की बात करें तो सुबह 11 बजकर 57 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 32 मिनट से लेकर 03 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। प्रदोष काल शाम 06 बजकर 51 मिनट से लेकर रात 09 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। भगवान शिव की पूजा के लिए प्रदोष काल का मुहूर्त सबसे अच्छा होता है।

भौम प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व: हिंदू मान्यताओं के अनुसार जब प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़ता है तो उसे भौम प्रदोष के नाम से जाना जाता है। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान और मंगल ग्रह से होता है। इस दिन प्रदोष व्रत रखने से भगवान शिव के साथ-साथ बजरंगबली की भी कृपा प्राप्त होती है। इस दिन व्रत रखने से कुंडली में मंगल दोष दूर होता है साथ ही वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है।

प्रदोष व्रत पूजा विधि: सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। घर के मंदिर को साफ करके शिवजी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। पूजा में घी का दीपक जलाएं और बेलपत्र, फूल, चंदन और धूप अर्पित करें। शाम को शिव मंदिर जाकर भगवान शिव का जल, दूध, दही और शहद से अभिषेक करें। इसके बाद शिव मंत्रों का जाप करें और आरती करें. पूजा के आखिर में प्रसाद बांटें।

मालिनी के गीतों से बिखरे सावन के रंग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। कलामण्डपम प्रेक्षागृह में आयोजित सावन विद मालिनी अवस्थी संध्या सुर, ताल और बरखा के अद्भुत संगम की एक अविस्मरणीय गवाह बनी। लोकगीतों की पर्याय और भारत की माटी की खुशबू को अपने सुरों में पिरोने वाली पद्मश्री मालिनी अवस्थी जब मंच पर उतरीं, तो उन्होंने अपनी अलौकिक गायकी से पूरे प्रेक्षागृह को सावन के रसमय भावों से सराबोर कर दिया। उनकी खनकती आवाज, आंगिक अभिनय और कजरी की पारंपरिक तानों ने ऐसा जादू चलाया कि मानो बंद हॉल के भीतर ही घटाएं घिर आई हों और सुरों की झमाझम बारिश होने लगी हो। सावन विद मालिनी अवस्थी संध्या का आयोजन सोन चिरैया संस्था की ओर से एवं भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह, लोकगायिक मालिनी अवस्थी, बीएनए अध्यक्ष डा. रतिशंकर त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राग मियां मल्हार की द्रुत बंदिश बिजली चमके बरसे मेहरवा छाई बदरिया और एकताल में घेरी घेरी आई बदरिया कारी से हुआ। इसके बाद उन्होंने घेरी घेरी आई सावन की बदरिया ना और काहे करेलू गुमान गोरी सावन में जैसी बंदिशों से दर्शकों को सावन के पारंपरिक और आध्यात्मिक भावों से जोड़ा। पहाड़ी सुरमंडल की धुन पर सावन का नजारा है ऐसे में आ जाओ सनम प्रस्तुत कर मालिनी ने प्रकृति के सौंदर्य को जीवंत कर दिया। इसके तुरंत बाद विरह और प्रेम से भरे कालजयी कजरी गीत बागों में पड़े झूले तुम भूल गये हमको, तुमको आने में कई सावन बरस गए साजना, सावन ए सखि सगरो सुहावन और अबके सावन घर आ जा की प्रस्तुति ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

2500 महिलाओं ने मनाया प्रथम सनातनी हरियाली तीजोत्सव

- शिव दरबार, झूलोत्सव, सामूहिक डमरू नाद और दीप रोशन का अनुष्ठान रहा मुख्य आकर्षण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुवाई में शुक्रवार 21 अगस्त को हरियाली तीज सनातनी महिलाओं का महा पर्व चिनहट वीमार्ट के पास स्थित रजत डिग्री कॉलेज के सामने बने भव्य सनातन धाम लॉन परिसर में आयोजित किया गया।

मासिक आध्यात्मिक संगोष्ठी के अंतर्गत आयोजित इस समारोह का केन्द्रीय आकर्षण भगवान शिव का महा दरबार और झूला उत्सव रहा। इस अवसर पर शहर ही नहीं ग्रामीण क्षेत्र से 2500 सनातनी महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। ऐसे में हजारों मातृशक्तियों ने सावन के पावन झूले का भी आनन्द लिया। इसके साथ ही निःस्वार्थ भाव से बिना किसी अनुदान के समाज सेवा में लगी कर्मठ बहनों को हरियाली पर्व के प्रतीक के रूप में सनातनी हरा पटका भी भेंट किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संदेश दिया कि तीजोत्सव कोई फैशन या ग्लैमर का अवसर नहीं है बल्कि यह पर्व हमें सनातनी मातृशक्ति के गौरव का स्मरण करा कर गौरवान्वित करता है। उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कई वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। हरियाली तीज का यह पावन पर्व माता पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन और उनकी अटूट निष्ठा और प्रेम का प्रतीक है इसलिए इस दिन को इसी पवित्र भाव से सनातनी महिला शक्ति के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस आयोजन में एक साथ सभी मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक डमरू नाद और हाथों में लेकर दीपक रोशन करने का विहंगम दृश्य सभी को रोमांचित कर गया।

सपना गोयल ने बताया कि उनका एक मात्र लक्ष्य है कि संतों और ऋषियों की पावन भूमि, भारत एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो। भारत उत्थान के इस महा उद्देश्य की पूर्ति के लिए ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ के साथ प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शनिवार को नजदीकी मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन, करवाया जा रहा है। वर्तमान में सुंदरकांड महा अभियान उत्तर प्रदेश के 42 जिलों और देश के 10 राज्यों तक पहुंच चुका है। 10 मार्च 2024 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में सपना गोयल की अगुआई में पांच हजार से अधिक महिलाओं ने लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान किया था। इस क्रम में 23 जून 2024 को पावन तीर्थ नैमिषारण्य में भव्य सामूहिक सुंदरकांड महायज्ञ का आयोजन करवाया गया था। उस अनुष्ठान में पांच हजार महिलाओं को शामिल करवाया गया था। बिना किसी सरकारी मदद के रात-दिन की यात्रा करके उत्तर प्रदेश के दूरस्थ जिलों तक में बड़े स्तर पर सुंदरकांड पाठ सम्पन्न करवाए जा चुके हैं। इस महा तीर्थाटन अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड कोटद्वार के प्राचीन सिद्धबली मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, हर की पौड़ी हरिद्वार, रुड़की महादेव मंदिर, चित्रकूट के पावन तीर्थ परिसर रामघाट, प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर एवं कानपुर के आनंदेश्वर महादेव मंदिर के गंगाजी घाट परिसर में भी भव्य सुंदरकाण्ड का पाठ सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। मथुरा स्थित भगवान कृष्ण जन्मस्थली मंदिर परिसर में भी डेढ़ हजार से अधिक मातृशक्तियों ने सामूहिक सुन्दरकांड का पाठ किया था। 11 सितम्बर 2024 से अयोध्या तीर्थ में प्रभु राम जी के जन्मभूमि परिसर में भी, मासिक सुंदरकांड पाठ का सिलसिला शुरू हो गया है। आगामी 29 अगस्त को वहां 15वां सामूहिक सुंदरकांड पाठ करवाए जाएगा। दूसरी ओर सेवा परमो धर्मः को बीज मंत्र मानते हुए दरिद्र नारायण की सेवा के भाव से जाड़ों में कम्बल वितरण और विभिन्न पावन अवसरों पर भंडारों का आयोजन भी किया जा रहा है।

एक्शन, इमोशन और नॉस्टैल्जिया लिए लौटा 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- ऐक्टर :टॉम हॉलैंड, जेंडया, जैकब बैटलन
- डायरेक्टर :डेस्टिन डेनियल क्रेटन

रेटिंग-3.5/5

लखनऊ। 'फ्रेंडली नेबरहुड सुपरहीरो' के रूप में दुनियाभर के लोगों के दिलों में घर कर चुका स्पाइडर-मैन जब भी पर्दे पर आता है, उसके चाहने वालों की उत्सुकता चरम पर पहुंच जाती है। इसका अंदाजा इस विश्व विख्यात फ्रैंचाइजी की ब्लॉकबस्टर पिछली कड़ी 'स्पाइडर-मैनः नो वे होम' की करीब 2 अरब डॉलर की रिकॉर्ड कमाई से लगाया जा सकता है। ऐसे में, 'नो वे होम' में अपनों को खो चुके स्पाइडर-मैन यानी पीटर पार्कर का आगे का सफर कैसा होगा, यह हर कोई जानना चाहता था और 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' उन्हीं सवालों का जवाब है। करीब 5 साल इंतजार के बाद पीटर पार्कर की बड़े पर्दे पर वापसी हुई है। क्रिस मैकेना और एरिक सोमर्स की लिखी यह कहानी 'नो वे होम' से चार साल आगे की है, जहां डॉक्टर स्ट्रेंज के स्पेल के बाद सारी दुनिया पीटर पार्कर (टॉम हॉलैंड) को भूल चुकी है। यहां तक कि उसकी गर्लफ्रेंड एमजे (जेंडया) और दोस्त नेड (जैकब बैटलन) तक। इसलिए, इस अकेलेपन को भरने के लिए वह खुद को पूरी तरह स्पाइडर-मैन को कर्तव्यों को निभाने में झोंक देता है। न्यूयॉर्क शहर में, स्टार्क के रिसोर्स और एवेंजर्स से जुड़े कनेक्शन छिन जाने के बाद, पीटर बढ़ते मानसिक तनाव, अकेलेपन और शरीर में हो रहे अजीब बदलावों का सामना कर रहा है। इन निजी परेशानियों के बीच पीटर की मुलाकात फ्रैंक कैसल (जॉन बर्नथल) और ब्रूस बैनर (मार्क रफालो) से होती है। पीटर एक बाथहाउस में सुरक्षा से जुड़ी एक मीटिंग के दौरान येलेना बेलोवा (फ्लोरेंस प्यू) से भी सलाह लेता है। लेकिन इन सब के बीच उसका सामना जीन ग्रे से होता है, जो एक नया और सबसे भयावह खतरा है। कहानी के अंत में, यह भी बताया जाता है कि पीटर पार्कर की 'एवेंजर्सः डूम्सडे' में वापसी होगी। फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' दिखाती है कि एक सुपरहीरो होने के ताकत की क्या कीमत अदा करनी पड़ती है। दुनिया को बचाने वाले सुपरहीरो को खुद कैसे अकेलेपन, खालीपन और जिम्मेदारियों के बोझ से जूझना पड़ता है। यही इमोशन स्पाइडर-मैन को एक आम इंसान और 'फ्रेंडली नेबरहुड हीरो' बनाता है, जिससे दर्शक अपनापन महसूस करता है। कहानी एक्शन- इमोशन के बीच बराबर तालमेल बनाकर चलती है। यहां तक कि लोगों के दिमाग में घुसकर तबाही मचाने वाली मुख्य विलेन जीन ग्रे (सैडी सिंक) को भी एक बेहद भावुक बैकस्टोरी दी गई है। इसके साथ ही ब्लैक विडो (फ्लोरेंस प्यू), ब्रूस बैनर उर्फ हल्क (मार्क रफालो), स्कॉर्पियन (माइकल मैंडो), फ्रैंक उर्फ पनिशर (जॉन बर्नथल) आदि को सीमित भूमिकाओं के बावजूद कहानी का अहम हिस्सा बनाकर नोस्टैल्जिया क्रिएट करना सोने पर सुहागा साबित होता है। एक्टिंग की बात करें, तो पूरा दारोमदार टॉम हॉलैंड के कंधों पर है और उन्होंने अपनी पूरी जान लगा दी है। स्पाइडर-मैन के रूप में उनकी गजब की फुर्ती देखने लायक है, वहीं इमोशनल सीन्स में उन्होंने सधी हुई अदाकारी की है। जिम्मेदारी के बोझ तले अपने प्यार एमजे और दोस्त नेड को खोने का दर्द उनके चेहरे पर साफ दिखता है। रहस्यमयी जीन ग्रे के रूप में सैडी सिंक भी असरदार हैं। जबकि, बाकी कलाकारों को ज्यादा मौका नहीं मिला है। इसके बावजूद जेंडया की उपस्थिति प्रभावशाली है।

लखनऊ में निकली महाकाल की पालकी यात्रा

डमरू-ढोल की थाप पर गूंजा हर-हर महादेव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी के राजेंद्र नगर स्थित श्री महाकाल मंदिर से शुक्रवार को बाबा महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई। डमरू, ढोल-नगाड़ों और 'हर हर महादेव' के जयकारों के बीच भक्त पूरे उत्साह से यात्रा में शामिल हुए। पालकी रानीगंज नाका चौराहा होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान अघोरी साधु आकर्षण का केंद्र रहे। वे पूरे रास्ते भस्म से खेलते नजर आए। यात्रा के व्यवस्थापक प्रांजल अग्रवाल ने बताया कि आयोजन में उज्जैन की परंपरा का पालन किया गया। यात्रा से पहले बाबा महाकाल का रुद्राभिषेक और श्रृंगार किया गया। उन्हें 56 भोग अर्पित करने के बाद विशेष आरती हुई। इसके बाद पालकी यात्रा शुरू हुई। रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने फूल बरसाकर पालकी का स्वागत किया और 'हर हर महादेव' के जयकारे लगाए। पुजारी कौटिल्य दुबे ने बताया कि कई वर्षों से बाबा महाकाल सावन के पवित्र महीने में नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। भक्तों को दर्शन देकर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। पूरे सावन माह में मंदिर में बाबा महाकाल की आरती और विधिपूर्वक पूजा होती है। नगर भ्रमण पर निकलने का मुख्य उद्देश्य होता है की प्रजा का हाल जानना। मान्यता है कि जो कोई भी इस यात्रा में शामिल हो और अगर उसके व्यापार में कोई रुकावट हो या जीवन में परेशानी हो तो तमाम कष्ट दूर होते हैं।

अधिक कीमत पर बेची जा रही खाद, किसानों में आक्रोश

जिला संवाददाता(vol)

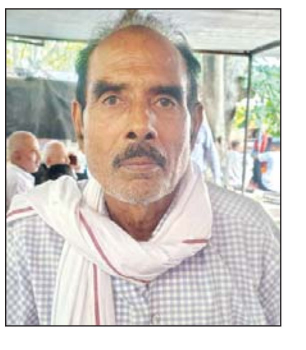

शाहगंज, सोनभद्र। सरकार के लाख कोशिश के बाद भी किसानों को समय से, पर्याप्त और उचित मूल्य पर खाद नहीं मिल पा रही है। निजी दुकानदार किसानों से खाद की अधिक कीमत वसूल रहे हैं। उन्हें इसकी रसीद भी नहीं देते। खाद विक्रेताओं के इस शोषण से अन्नदाताओं में क्षोभ व्याप्त है। इस संबंध में घोरावल विकास खंड के ढुटेर गांव निवासी प्रगतिशील किसान रघुनाथ प्रसाद ने बताया कि प्राइवेट दुकानदारों द्वारा किसानों से लिए जा रहे रासायनिक उर्वरक (खाद) के अधिक दाम की शिकायत जिला कृषि अधिकारी से किए जाने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि उस जिम्मेदार अधिकारी के जवाब के कि ऊंचे दाम पर कहीं खाद नहीं बिक रही है। एक यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। ऐसी स्थिति में उन्होंने इस ओर शासन -प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए किसी अन्य विभाग के उच्चाधिकारियों से इसकी जांच यथाशीघ्र कराकर और आवश्यक कार्रवाई करने के साथ ही समितियों के माध्यम से सुचारू ढंग से खाद वितरण की व्यवस्था कराये जाने की मांग की है।

इधर कई किसानों से बात करने पर पता चला कि साधन सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी ,यूरिया उपलब्ध होने के पश्चात भी समय से खाद नहीं मिल पाती। इसके लिए कई दिनों के बाद नंबर आता है और घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ता है। मजबूरन प्राइवेट दुकानों से अधिक कीमत पर खाद खरीदनी पड़ती है। ऐसे में फार्मर आईडी तथा आधार की आवश्यकता का क्या मतलब है। जब मनमाने दाम पर ही खाद प्राइवेट दुकानदारों द्वारा बेचनी ही है। इसकी यदि किसान हित में निष्पक्षता से जांच कराई जाए तो हकीकत सामने आ जाएगी।

मांगों को लेकर किसान यूनियन ने दिया धरना

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष शैलेश वर्मा के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने प्रदर्शन किया।

किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक 12 सूत्रीय मांग पत्र अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में धान की फसल की सिंचाई के लिए समय से नहर का पानी और बिजली उपलब्ध कराना शामिल है। इसके साथ ही, सभी साधन सहकारी समितियों में किसानों के लिए आवश्यक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। अन्य मांगों में जिले के सभी नालों की सफाई, सभी ग्राम पंचायतों में आवारा पशुओं को गोशालाओं में पहुंचाना, और किसानों को 3 हॉर्स पावर तक मुफ्त बिजली प्रदान करना शामिल है। किसानों ने ट्रैक्टर और डीजल इंजन के लिए डीजल पर छूट देने, ग्राम पंचायतों में मिट्टी की जांच कराने, और जिले की सभी सड़कों की मरम्मत कराने की भी मांग की है। इसके अतिरिक्त, किसानों का उत्पीड़न बंद करने और जौनपुर जिले में चीनी मिल की स्थापना करने की मांग भी उठाई गई मांग पत्र में ग्राम सभाओं में भूमाफियाओं द्वारा कब्जा की गई सरकारी जमीन, खलिहान और बंजर भूमि को चिन्हित कर खाली कराने का मुद्दा भी शामिल है। साथ ही, जौनपुर जिले में स्वच्छ जल योजना के तहत लगे खराब ट्यूबवेलों को सही करने की मांग की गई है, जिनसे पानी नहीं आता है।

मांगों को लेकर अटेवा ने निकाली तिरंगा यात्रा

आजमगढ़। पुरानी पेंशन बहाली, नई पेंशन योजना एवं अंशदायी पेंशन योजना के विरोध, निजीकरण पर रोक तथा राष्ट्रीय शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर शुक्रवार को शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा जिला मुख्यालय स्थित डीएवी इंटर कॉलेज के पास गांधी प्रतिमा से शुरू होकर जिलाधिकारी कार्यालय तक पहुंची।

तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर प्रतिभाग किया। इस दौरान ह्यपुरानी पेंशन बहाल करो, नई पेंशन योजना वापस लो, निजीकरण बंद करो जैसे नारे लगाए गए। नारों से शहर का वातावरण गूंज उठा। यात्रा को संबोधित करते हुए अटेवा आजमगढ़ के जिलाध्यक्ष सुभाष चंद यादव ने कहा कि संगठन का संकल्प पुरानी पेंशन की बहाली है। जब तक सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। माध्यमिक शिक्षक संघ-एकजुट के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि शिक्षक और कर्मचारी अब एकजुट हो चुके हैं। एकता ही उनकी ताकत है और इसी एकता के बल पर अपने अधिकार हासिल किए जाएंगे। जिला महामंत्री डॉ. रामजी वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता लागू करना अन्याय है। इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने नई पेंशन योजना और अंशदायी पेंशन योजना के नाम पर कर्मचारियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करने की मांग की। तिरंगा यात्रा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुई।

यहां संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार तथा प्रधानमंत्री, भारत सरकार के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। आंदोलन को टीएससीटी उत्तर प्रदेश, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक कल्याण संघ उत्तर प्रदेश, पीएसपीएसए उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ-एकजुट, बेसिक शिक्षक कल्याण संघ उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेशीय प्रारंभिक शिक्षक समिति, डिप्लोमा फार्मेसिस्ट संघ उत्तर प्रदेश, राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश, एसजीपीजीआईएमएस नर्सिंग स्टाफ संघ लखनऊ, डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सा संस्थान नर्सेज संघ लखनऊ, अनुसचिवीय अधिष्ठान संघ सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, उत्तर प्रदेशीय मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ तथा लोक निर्माण विभाग नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न संगठनों ने समर्थन दिया।

अधिवक्ता संघ के चुनाव की घोषणा, 25 से नामांकन

जौनपुर। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। सहायक चुनाव अधिकारी गौरी शंकर मिश्र ने बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। घोषित कार्यक्रम के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए 30 वर्ष की विधि व्यवसाय अवधि निर्धारित की गई है, जबकि उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए भी 30 वर्ष की अवधि अनिवार्य होगी। मंत्री पद के लिए 15 वर्ष, सहमंत्री के लिए 10 वर्ष, उपमंत्री के दो पदों के लिए सात वर्ष तथा लेखा निरीक्षक पद के लिए 15 वर्ष की विधि व्यवसाय अवधि निर्धारित की गई है। कार्यकारिणी सदस्य के सात पदों के लिए भी चुनाव होगा। नामांकन फार्म 24 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम 4रू30 बजे तक प्राप्त किए जा सकेंगे। इसके लिए निर्धारित नामांकन राशि के साथ 700 रुपये जमा करने होंगे। अध्यक्ष पद के लिए छह हजार, उपाध्यक्ष के लिए पांच हजार, मंत्री के लिए पांच हजार, सहमंत्री व उपमंत्री के लिए तीन-तीन हजार, लेखा निरीक्षक एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए 2,500 रुपये नामांकन राशि निर्धारित की गई है। यह राशि किसी भी स्थिति में वापस नहीं होगी।

नामांकन पत्र 25 और 26 अगस्त को दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित चुनाव अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 27 अगस्त को सुबह 10:30 बजे से शाम चार बजे तक अधिवक्ता संघ में होगी। नामांकन वापसी 29 अगस्त को दोपहर 2: 30 बजे से चार बजे तक होगी, जिसके बाद शाम 4:30 बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 21 अगस्त से चुनाव संपन्न होने तक संघ भवन, दीवानी न्यायालय परिसर अथवा मुरलीधर उपाध्याय भवन में किसी प्रत्याशी द्वारा पोस्टर या बैनर लगाए जाने पर उसका नामांकन निरस्त माना जाएगा। इसके अलावा चुनाव घोषणा से लेकर चुनाव अवधि तक अभद्रता, नारेबाजी या प्रदर्शन करने वाले प्रत्याशी को तत्काल चुनाव से वंचित किया जा सकता है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और संभावित प्रत्याशियों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बसवा गांव में विद्यालय जाने के रास्ते पर कीचड़ ही कीचड़

करमा, सोनभद्र। स्थानीय विकास खण्ड स्थित ग्राम पंचायत बसवा गांव में बने प्राथमिक विद्यालय पर पहुंचने के कीचड़ युक्त रास्ते से नौनिहालों को गुजरना पड़ता है। कई बार स्थानीय लोगों ने ने सांसद विधायक का ध्यान आकर्षित किया परंतु ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होती दिख रही है। गांव के पठन पाठन करने वाले बच्चे आए दिन गीर कर चोटहिल होते नजर आते हैं जिसमें उनके ड्रेश कापी किताब भी भीग कर खराब हो जाती हैं। सम्बंधित अभिभावक प्रमोद यादव, सीताराम, शिवकुमार, सियाराम भारती, रिंकू राजेश आशीष, महेन्द्र ने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित किया है।

शिकायत पर गौशाला की जांच करने पहुंचे डीडीओ, दिए निर्देश

मीरजापुर। हिन्दू युवा वाहिनी मंच के प्रदेश अध्यक्ष शशांक मिश्रा द्वारा गौशाला में अनियमितता से पशुओं की आए दिन हो रही मौत की शिकायत की जांच किया। उक्त अनुक्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी ने पशु चिकित्सकों की टीम के साथ क्षेत्र के नीबी गहरवार गांव स्थित निराश्रित गो-वंश आश्रय स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान चार गो-वंश मरणासन्न हालत में पाए गए। जबकि एक दर्जन पशु आश्वस्त व अधिकांश दुर्बल व कमजोर दिखाई दिए। मौके पर डा. सुभाष सिंह सहित चिकित्सकों की टीम ने दवा-इलाज शुरू किया। फिर भी गो-वंश ने दम तोड़ दिया।

डीडीओ राजीव शर्मा ने बताया कि चार गो-वंश मृत अवस्था में थे। जिन्हें जेसीबी से छः फीट गहरा गढ्ढा खोदवाकर डिस्पोज करा दिया गया। जबकि आधा दर्जन से अधिक गो-वंश बीमार व दुर्बल कमजोर हालत में थे जिनका उपचार चिकित्सक टिम द्वारा किया जा रहा है। शिकेट्री के अभाव में विकास कार्य प्रभावित दिख रहा है दो दिन में शिकेट्री को तैनात कर दिया जाएगा। बीडीओ ने बताया कि जगह के अभाव में मृत गो-वंश के सुरक्षित निस्तारण की समस्या बनी हुई है। नायब तहसीलदार गरिमा यादव ने बताया कि ग्राम समाज की जमीन का सीमांकन कर मृत गो-वंश दफनाने व गोबर व्यवस्थित रखने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है जल्द ही सीमांकन कर व्यवस्थित कर दिया जाएगा। बीडीओ रामपाल ने बताया कि जल्द ही गौशाला में इण्टर लाकिंग करा दिया जाएगा ताकी गोवंश को किचड़ की समस्या से निजात मिल सके। संचालक विकास मौर्या को हिदायत दिया कि उचित मात्रा में पशुओं को हरा चारा भूसा के साथ साथ पौष्टिक आहार देना है। साथ ही बीमार पशुओं के इलाज के लिए पशु चिकत्सकों से समन्वय बनाएं रखने को निर्देशित किया। प्रधान प्रशासक माधुरी सोनकर ने बताया कि शिकेट्री के अभाव में विकास कार्य व गो-आश्रय स्थल का कार्य बाधित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि नीबी गहरवार गांव के निराश्रित गो-वंश आश्रय स्थल के संचालन का जिम्मा बीते दो माह से स्वयं सेवी संस्था के हवाले कर दिया गया है। जिससे लापरवाही उजागर हो रही है। गौआश्रय के अनियमितता व आए दिन गो-वंशो के मृत पाए जाने की शिकायत जिलाधिकारी से किए जाने पर गुरुवार को मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. भूपेंद्र कुमार पाठक ने औचक निरीक्षण कर एनजीओ संचालक को देखरेख व साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया था।

अयोध्या के लेखपाल मामले को लेकर आक्रोश, काली पट्टी बांध जताया विरोध

दुद्धी, सोनभद्र। अयोध्या जनपद के सोहावल तहसील में एंटी करप्शन टीम द्वारा लेखपाल उत्कर्ष दीप की गिरफ्तारी के विरोध में स्थानीय दुद्धी तहसील परिसर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर लेखपालों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया। शुक्रवार को दुद्धी तहसील के समस्त लेखपालों ने अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधकर सरकार और विजिलेंस की इस कार्रवाई के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

राजस्व कर्मियों और लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि अयोध्या के कैलपारा गांव में तैनात लेखपाल उत्कर्ष दीप को एक सोची-समझी साजिश के तहत झूठे मामले में फंसाया गया है। संघ का दावा है कि संबंधित जमीन की पैमाइश से जुड़ी फाइल में जबरन पैसे रखकर विजिलेंसध्एंटी करप्शन टीम को बुलाकर द्वेषवश यह कार्रवाई कराई गई है। इस एकतरफा कार्रवाई से पूरे प्रदेश के राजस्व कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है। दुद्धी तहसील में प्रदर्शन कर रहे लेखपालों ने साफ कहा कि जब तक इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच नहीं हो जाती और निर्दोष लेखपाल को सम्मानपूर्वक बहाल नहीं किया जाता, तब तक उनका यह चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शासन स्तर से इस मामले का संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे अपने अतिरिक्त हल्कों के बहिष्कार समेत पूर्ण कार्य बहिष्कार और उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ दुद्धी इकाई के महामंत्री लालबाबू, कोषाध्यक्ष मालाधारी सिंह, सुशील पाण्डेय, विमलेश श्रीवास्तव, सुधन, प्रवीण, मकबूल सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व कर्मी उपस्थित रहे।

86 किलो गांजा संग तीन अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन शुद्धि अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस, चैकी लोढ़ी, चैकी चुर्क और एसओजी/सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 86 किलोग्राम अवैध गांजा, एक बिना नंबर प्लेट की किआ कार, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और ?680 नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक बरामद सामान की कुल अनुमानित कीमत करीब ?55 लाख है। ईको प्वाइंट के पास घेराबंदी कर पकड़े गए तस्कर पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2026 को रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी/सर्विलांस टीम लोढ़ी टोल प्लाजा से पहले ईको प्वाइंट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली किआ कार से तीन लोग उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। कुछ देर बाद संदिग्ध कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो कार सवारों ने भागने की कोशिश की,

लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को करीब शाम 7.28 बजे गिरफ्तार कर लिया। कार से 35 बंडलों में मिला 86 किलो गांजा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा की मौजूदगी में पुलिस ने नियमानुसार कार की तलाशी ली।

कार की डिग्गी और सीट के पास खाकी रंग के टेप से लिपटे 35 बंडल बरामद हुए। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर इनमें कुल 86 किलोग्राम गांजा मिला। पुलिस के मुताबिक गांजे को चार प्लास्टिक की बोरियों में रखा गया था, जिनका वजन क्रमशः 22, 22, 21 और 21 किलोग्राम था। बरामद मादक पदार्थ को नियमानुसार सील कर कब्जे में ले लिया गया। उड़ीसा से वाराणसी तक फैले नेटवर्क का खुलासा पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे फुलवानी, उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी पहुंचाने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, भोजपुर (आरा), बिहार निवासी एक व्यक्ति द्वारा गांजा मंगाने के लिए धन और वाहन की व्यवस्था की जाती थी। इसके बाद आरोपियों को तय स्थान पर खेप पहुंचाने के लिए भेजा जाता था। पुलिस के मुताबिक गांजा पहुंचाने के एवज में कार चालक राजकुमार पासवान को करीब ?30 हजार, विकास कुमार राय को ?25 हजार और विनोद साव को करीब ?15 हजार दिए जाने की बात सामने आई है। रास्ते के खर्च और वाहन की लोकेशन व मार्ग संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने में भी उक्त व्यक्ति की भूमिका बताई गई है। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी राजकुमार पासवान (35) पुत्र स्व. पंचानन्द पासवान, बड़हरा, विकास कुमार राय (24) पुत्र सत्येन्द्र राय, निवासी सुरंगापुर, थाना संदेश, भोजपुर (आरा), बिहार। विनोद साव (35) पुत्र मन्नू साव, निवासी मटुकपुर, थाना बड़हरा, भोजपुर (आरा), बिहार। बरामदगी का विवरण86 किलोग्राम अवैध गांजा अनुमानित कीमत ?43 लाखबिना नंबर प्लेट की किआ कार, अनुमानित कीमत ?12 लाखतीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन ?680 नकद, कुल अनुमानित कीमत करीब ?55 लाखएनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जपुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज में मु0अ0सं0-705/2026 दर्ज किया है।

राकेश कुमार सिंह बने नये कुलपति

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के नए कुलपति के रूप में प्रो. राकेश कुमार सिंह की नियुक्ति की गई है। कुलाधिपति की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रो. राकेश कुमार सिंह वर्तमान में इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राकेश कुमार सिंह के कुलपति नियुक्त होने की खबर से विश्वविद्यालय परिवार में नई उम्मीद जगी है। अब उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के गंधौना गांव में लेगुरापर मस्जिद के पास जोगीबीर तालाब में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। तालाब में युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया गया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर सर्विस के दीवान रामश्रय राव के प्रयास से युवक का शव तालाब से बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बाइक मीरजापुर में चालान कटता रहा वाराणसी में

मीरजापुर। डिजिटल व्यवस्था के दौर में भी एक मजदूर के लिए सिस्टम की खामी बड़ी मुसीबत बन गई है। जिले के लालगंज कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत रेही गांव निवासी गंगासागर की बाइक घर पर खड़ी रहती है, लेकिन उसके नाम पर वाराणसी में बार-बार चालान कट रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वह लहंगपुर में कपड़ा सिलाई की दूसरे के यहां मजदूरी करता है। बाइक घर पर खड़ी रहती है बाइक का उपयोग भी नहीं होता, फिर भी चालान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। गंगासागर गुरुवार को अपनी फरियाद लेकर लहंगपुर पुलिस चौकी पहुंचे। बताया कि वाराणसी से यातायात पुलिस का फोन आया था की तुम्हारी बाइक कहा पर है, गंगासागर ने बाइक का हुलिया बताने के साथ बताया की हमारी बाइक लालगंज थाना क्षेत्र के रेही गांव में घर पर हैं। भुक्तभोगी को बताया गया की उसकी बाइक पर दो हजार से अधिक का चालान काटा गया है। वाराणसी पुलिस को चालान का स्टेटस चेक करने पर पता चलता है कि किसी दूसरी बाइक पर उनके नंबर की फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इस्तेमाल किया जा रहा है। गंगासागर की वास्तविक बाइक एचएफ डिलक्स है, ग्लैम्बर नहीं है, फिर भी उसी मॉडल की गाड़ी पर नंबर प्लेट दिखाकर चालान काटे जा रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। इसके पहले भी हमारी बाइक नंबर लगाकर चालान हुआ है। इसके समाधान के लिए वाराणसी पुलिस को अपनी बाइक का पेपर और फोटो भेज दिया हूं लेकिन अभी समाधान नहीं निकल पाया। लहंगपुर पुलिस चौकी में शिकायत की तो 1076 पर कॉल करने की सलाह मिली। मुख्यमंत्री कार्यालय में ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन नतीजा सिफर रहा। गंगासागर कहते हैंजहां-जहां चालान कटेगा, वहां-वहां कैसे जाऊं? मजदूरी कर परिवार पालते हैं, मीरजापुर और वाराणसी में भटकना संभव मेरे लिए नहीं है। गंगासागर का कहना है कि जब हमारा वाहन मीरजापुर में ही पंजीकृत हैं। तो नोटिस भेजकर जांच कराई जा सकती है। उनका सवाल है कि आखिर आम आदमी कब तक सिस्टम की खामियों का बोझ उठाता रहेगा। अधिवक्ता संभ्रांत नागरिक प्रभाशंकर दुबे का कहना है कि यह मामला न केवल फर्जी नंबर प्लेट के खतरे की ओर इशारा करता है, बल्कि डिजिटल चालान व्यवस्था की सटीकता पर भी सवाल खड़े करता है। अब देखने वाली बात होगी कि जिम्मेदार विभाग इस पीड़ित को कब राहत दिला पाते हैं।

मीरजापुर की लक्ष्मी व शुभम प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में करेंगे प्रतिभाग

मीरजापुर। मीरजापुर जनपद की रहने वाली लक्ष्मी और शुभम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह नगर जाएंगे। गुजरात के वड़नगर जिले में 23 से 29 अगस्त के बीच आयोजित होने वाले प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे. बताते चलें कि मिजार्पुर जिले के पीएम श्री. स्कूल ककरद मड़िहान की छात्रा कुमारी लक्ष्मी व लालगंज तहसील के राजकीय हाईस्कूल दुबारकलां के छात्र शुभम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह नगर जाएंग। गुजरात के वड़नगर जिले में 23 से 29 अगस्त के बीच आयोजित होने वाले प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। 21 अगस्त को प्रयागराज रेलवे स्टेशन से अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे.भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित उत्सव में शामिल होकर जनपद का नाम रोशन करेंगे. मड़िहान तहसील के पीएम श्री. स्कूल ककरद के प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पटेहरा कला की ओर से जारी की गई चयन सूची में मेरे विद्यालय की छात्रा कुमारी लक्ष्मी का चयन हुआ है. गरीब परिवार में जन्मी लक्ष्मी बहुत ही प्रतिभावान छात्रा है.दो भाई एक बहन में वह सबसे बड़ी है.अति पिछड़ा क्षेत्र ककरद गांव के रहने वाले पिता मुखलाल मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं.जब उन्हें यह पता हुआ कि उनकी बेटी का चयन प्रेरणा उत्सव के लिए प्रधानमंत्री के गृह जनपद गुजरात के लिए हुआ है तो चूल्हे पर रोटी सेंककर अपनी बेटी को मुकाम देने वाली मां बबीता सरोज की आँखों में खुशी के आंसू छलक पड़े. वही लालगंज तहसील के राजकीय हाईस्कूल दुबारकलां का छात्र शुभम कभी चयन हुआ है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विमल चंद यादव ने बताया कि दुबारकलां गांव के किसान सुरेंद्र कुमार का बेटा है. रंजना मौर्या सहायक अध्यापिका, पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय, ककरद, जवाहर नवोदय विद्यालय, पटेहराकलां को महिला मार्ग अनुरक्षक बनाया गया है. इस कामयाबी पर मड़िहान तहसील के पीएम श्री. स्कूल ककरद के प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार सिंह व राजकीय हाईस्कूल दुबारकलां प्रधानाध्यापक विमल चंद यादव ने बधाई दी साथ ही शिक्षक शुभांशु सिंह, खेल शिक्षक योगेश कुमार सिंह, खेल शिक्षक गौरी शंकर ने बधाई दी है।

संक्षेप

साइबर ठगी का रुपया पुलिस ने लौटाया

आजमगढ़। नगर कोतवाली की पुलिस ने साइबर ठगी का 38 हजार रुपये वापस कराए है। कोतवाली निकी अजीत कुमार सिंह के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति ने बैंक अधिकारी बन कर फोन किया। खाता में दो सौ रुपये जमा करने के नाम पर जानकारी मांगी। इसके बाद पीड़ित के बैंक खाता से 42999 रुपये कट गए। पीड़ित के तत्काल शिकायत करने पर पुलिस ने 39592 रुपये को होल्ड करा दिया था। 38000 रुपये पुलिस ने पीड़ित के बैंक खाता में वापस कराए है।

एसएसपी ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान दिये। साथ ही निर्देशित किया गया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखते हुए पीड़ित पक्ष को प्रभावी न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान एवं जनविश्वास को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक यातायात पंकज श्रीवास्तव भी उपस्थित रहें।

मार्ग दुर्घटना में शिक्षक की मौत

आजमगढ़। बरदह थाना क्षेत्र के भैसकुर मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह बाइक अनियंत्रित होकर पलटने से शिक्षक की मौत हो गई। विद्यालय जाते समय बाइक के सामने जानवर आ गया था। पीछे से आर ही दो बाइक टकरा गई थी। बरदह थाना क्षेत्र के मुड़हर गांव निवासी 47 वर्षीय चंदन कुमार ठेकमा ब्लाक के प्रथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। शुक्रवार की सुबह बाइक से विद्यालय जा रहे थे। भैंकुर मोड़ के पास पहुंचने पर सामने बकरी आने से बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे शिक्षक सड़क पर गिर गए। पीछे से आ रही दो अन्य बाइक भी टकरा गई। गंभीर रूप से घायल शिक्षक को बरदह सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने हालत गंभीर देख रेफर कर दिया। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

दवा जलाये जाने का वीडियो वायरल

जौनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेहरू नगर सिरकोनी के परिसर में दवा जलाये जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उसे लेकर काफी चर्चा है। मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आ गया है। अब जांच की जा रही है। वीडियो में उक्त स्वास्थ्य केंद्र के बाउंड्रीवाल के पास कुछ दवाएं व कार्टून आदि जलता दिखाई दे रहा है। इसका वीडियो डीएम के संज्ञान में पहुंच गया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी गंगाराम को मामले की जांच करने का आदेश दिया। जिसके बाद सीएमओ ने नेहरूनगर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजीव कुमार से मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि मैंने मामले की जांच किया। मुझे कुछ कार्टून व दवा के रैपर जले हुए दिखाई पड़े। उसके बाद मैंने दवा का स्टॉक चेक किया। वह सही मिला है।

हजरत हम्जा चिश्ती का उर्स मनाया

जौनपुर। नगर के पचहटियां स्थित विशेषरपुर दरगाह पर हजरत हम्जा चिश्ती का 551वां सालाना उर्स ए मुबारक बड़ी अकीदत के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6 बजे गुस्ल-ए-मजार से हुई। दरगाह कमेटी के अध्यक्ष शमशेर कुरैशी और कन्वीनर अरशद कुरैशी ने मजार पर चादर चढ़ाई। सुबह 9 बजे कुरआन ख्वानी हुई। इसके बाद जलसए सिरातुन्नबी स.अ.व में मौलाना कयामुद्दीन ने सीरत को अपनाने की बात कही। मौलाना नसीम रज़ा ने नात पेश की। जोहर की नमाज के बाद भव्य लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी जायरीन को मुफ्त भोजन कराया गया। शाम 4 बजे सेंट पैट्रिक स्कूल के सामने से जुलूस-ए-चादर निकाला गया। जिसमें फन ए सिपहगरी के अखाड़ों भी शामिल हुए। सायं 7 बजे कौमी यकजहती कॉन्फ्रेंस का आयोजन दरगाह प्रांगण में किया गया। औबेद शिराजी अध्यक्ष मरकजी सीरत कमेटी की अध्यक्षता में किया गया।

संक्षेप

कृष्णा कुटीर में 84 माताओं की हुई टीबी स्क्रीनिंग

मथुरा। क्षय रोग की समय पर पहचान और संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद में विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी मथुरा के निर्देश पर ओल्ड एज होम कृष्णा कुटीर, वृंदावन में रहने वाली माताओं की क्षय रोग के लिए स्क्रीनिंग की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कृष्णा कुटीर पहुंचकर वहां रह रही माताओं की टीबी संबंधी स्क्रीनिंग की। जिला कार्यक्रम समन्वयक शिव कुमार ने बताया कि कुल 84 माताओं की स्क्रीनिंग की गई

और सभी का चेस्ट एक्स-रे कराया गया। इसका उद्देश्य संभावित क्षय रोगियों की समय रहते पहचान करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आगे की जांच एवं उपचार से जोड़ना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि जनपद में ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग एक साथ रहते हैं। इन स्थानों पर स्क्रीनिंग के माध्यम से ऐसे क्षय रोगियों की पहचान की जा रही है, जो किसी कारण से अब तक जांच और उपचार से वंचित रहे गए हैं। समय पर रोग की पहचान कर उपचार शुरू कराने से मरीज को स्वस्थ होने में मदद मिलती है और संक्रमण के प्रसार को रोकने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिलती है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए बीमारी की जल्दी पहचान और समय पर उपचार बेहद जरूरी है।

चोरी के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 4,220 रुपये की नगदी और एक अवैध चाकू बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ चोरी एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को स्वामी नगर निवासी राजप्रकाश ने थाने में तहरीर दी थी कि उसकी परचूनी की दुकान की टीन काटकर अज्ञात चोर दुकान से सामान और नगदी चोरी कर ले गया। तहरीर के आधार पर थाना शिकोहाबाद में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी के मामले से संबंधित संदिग्ध भूड़ा नहर किनारे वंशीपुरम के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर रेलवे स्टेशन रोड से वंशीपुरम जाने वाले रास्ते के तिराहे से एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहित पुत्र महेन्द्र निवासी गिहार कॉलोनी, तहसील तिराहा, थाना शिकोहाबाद बताया। जामा तलाशी में आरोपी के कब्जे से 4,220 रुपये बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उक्त रकम उसने करीब 20-25 दिन पूर्व शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन रोड पर नहर किनारे स्थित परचूनी की दुकान से चोरी की थी। थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की है।

चौथी मंजिल से शटरिंग गिरी नीचे तीन मजदूरों की मौत, एक गंभीर

मथुरा। तीर्थनगरी के रुक्मणि बिहार स्थित निमाणार्धीन ओमेक्स वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल में आज तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। चैथी मंजिल पर छत व छज्जे की ढलाई के दौरान अचानक लोहे व लकड़ी की शटरिंग ताश के पत्तों की तरह भरभराकर नीचे आ गिरी। इस भीषण हादसे में मलबे में दबकर तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, मॉल में सुबह करीब 7 बजे छज्जा ढलाई कंक्रीट का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक पूरी शटरिंग नीचे आ गिरी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, मुख्य अग्निशमन अधिकारी सीएफओ और क्षेत्राधिकारी सीओ फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मलबे से निकाले जाने तक 42 वर्षीय शिवराम पुत्र भाईलाल निवासी सिमरी जोशीपुर जिला कैलाली नेपाल की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मलबे में दबे तीन अन्य घायल मजदूरों को तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान 28 वर्षीय रफ्यूल पुत्र मजिदुल निवासी सीताही कूचबिहार पश्चिम बंगाल, 30 वर्षीय आलम पुत्र सोहले मियां निवासी कूच बिहार पश्चिम बंगाल ने भी दम तोड़ दिया। हादसे में घायल पश्चिम बंगाल कूचबिहार निवासी 45 वर्षीय दिलदार के सिर में गंभीर चोट आई है और उनका इलाज जारी है। हादसे की जानकारी मिलते ही मजदूरों के परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक शिवराम के परिजनों का कहना है कि वे हाल ही में काम पर आए थे और इस हादसे ने उनका परिवार उजाड़ दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी ठीक से सुनवाई नहीं हो रही है और उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और हरसंभव कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि हादसे की गंभीरता को देखते हुए लोक निर्माण विभाग मामले की जांच करेगा। जांच में शटरिंग गिरने के कारणों के साथ निर्माण कार्य में अपनाए जा रहे सुरक्षा मानकों की भी पड़ताल की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि निर्माण स्थल पर तकनीकी मानकों के अनुरूप शटरिंग लगाई गई थी या नहीं और मजदूरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे अथवा नहीं। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद हादसे के लिए जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि रुक्मिणी विहार में पिछले 3 साल से ओमेक्स मॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। सुबह छज्जा निकालते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

संस्कृति विवि के छात्रों ने चलाया स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के स्कूल ऑफ नर्सिंग के बी.एससी. नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने जयगुरुदेव अस्पताल तथा दादी गढ़ी गांव में स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का संचालन क्लिनिकल इंस्ट्रक्टर अजय चैधरी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माताओं एवं उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। नर्सिंग छात्रों ने पोस्टर, बैनर एवं व्यक्तिगत परामर्श के माध्यम से माताओं को बताया कि नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराना तथा जन्म के बाद पहले छह माह तक केवल स्तनपान कराना उसके शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

छात्रों ने माताओं को स्तनपान कराने की सही स्थिति एवं तकनीक, मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर इसके लाभ, मां-बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव तथा स्तनपान से जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी। अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा गया और आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने नर्सिंग छात्रों के प्रयासों की सराहना की। स्कूल ऑफ नर्सिंग के विभागाध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से नर्सिंग विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। साथ ही, ऐसे प्रयासों के माध्यम से समाज में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों से ग्राहकों की ऋण धनराशि हड़पने के मामले में वांछित गिरफ्तार

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद पुलिस ने फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से 73 ग्राहकों के ऋण की धनराशि हड़पने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को मथुरा जनपद के राया थाना क्षेत्र स्थित उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के पर्यवेक्षण में थाना शिकोहाबाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्रम सिंह पुत्र खुशीराम निवासी जगतिया, थाना राया, जनपद मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड की शिकोहाबाद शाखा के जोनल मैनेजर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभियुक्तों ने ग्राहकों के केवाईसी, बैंक पासबुक एवं अन्य दस्तावेजों में छेड़छाड़ व कूटरचना कर फर्जी ऋण खाते तैयार किए और ऋण की धनराशि अपने परिचितों एवं संबंधित खातों में स्थानांतरित कर हड़प ली। विभागीय जांच में कुल 73 ग्राहकों से 32 लाख 56 हजार 529 रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की बात सामने आई। पुलिस के मुताबिक विक्रम सिंह पर 28 ग्राहकों के नाम पर करीब 14 लाख रुपये, अर्जुन सिंह पर 23 ग्राहकों के नाम पर करीब 11.40 लाख रुपये तथा प्रदीप कुमार पर 14 ग्राहकों के नाम पर करीब सात लाख रुपये की ऋण धनराशि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर स्थानांतरित करने का आरोप है। इसके अलावा आठ अन्य ग्राहकों की ईएमआई से संबंधित 16,529 रुपये की धोखाधड़ी भी सामने आई। पुलिस ने बताया कि प्रकरण की विवेचना के दौरान नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने विक्रम सिंह को राया थाना क्षेत्र में उसके घर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। उसे मुकदमे में गिरफ्तारी के कारण से अवगत कराते हुए कार्रवाई की गई। मामले में नामजद अन्य आरोपी आकाश अली, राहुल भारद्वाज एवं अर्जुन सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

डीएम ने सीएम अभ्युदय योजना के तहत संचालित निःशुल्क कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने शिकोहाबाद स्थित नारायण डिग्री कॉलेज में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित निःशुल्क कोचिंग सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोचिंग सेंटर की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, बुनियादी सुविधाओं और अध्ययन के वातावरण का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्यों और कैरियर विकल्पों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को सही दिशा का चयन करने तथा किसी भी प्रकार के भटकाव से बचते हुए पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की जा सकती है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कोचिंग सेंटर में उपलब्ध डिजिटल बोर्ड, अध्ययन सामग्री तथा विषयवार पाठ्यक्रम की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं बेहतर अध्ययन का माहौल उपलब्ध कराया जाए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे अपने कैरियर के लक्ष्यों को हासिल कर सकें। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आकाश सिम्स हॉस्पिटल ने 9 मिनट में बचायी एक अनमोल जिंदगी

मथुरा। रात के समय एक मरीज को अचानक गंभीर हार्ट अटैक के लक्षणों के साथ आकाश सिम्स हॉस्पिटल के इमरजेंसी विभाग में लाया गया। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए इमरजेंसी एवं कार्डियोलॉजी विभाग की टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल जांच और उपचार की प्रक्रिया शुरू की। कार्डियक इमरजेंसी में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हॉस्पिटल की अनुभवी टीम ने तुरंत से निर्णय लेते हुए आवश्यक जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराया। महज 9 मिनट के भीतर मरीज को आवश्यक चिकित्सा सहायता मिलना टीम की तत्परता, विशेषज्ञता और बेहतरीन टीम के मैनेजमेंट को दशार्ता है। इस पूरे उपचार में इमरजेंसी, कार्डियोलॉजी, नर्सिंग और कैथलेब विशेष सपोर्ट टीम के बीच प्रभावी समन्वय रहा, जिससे मरीज को समय पर उपचार मिल सका और उसकी स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली।

पाच्चजन्य प्रेक्षागृह में जिला स्तरीय पंच सम्मेलन आयोजित

मथुरा। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं ग्राम्य विकास आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार तथा जिलाधिकारी श्री चंद्र प्रकाश सिंह जी के मार्गदर्शन में डैंपियर नगर स्थित पाच्चजन्य प्रेक्षागृह में विकसित भारत रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय पंच सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वतीजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित तथा माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा जिला पंअ किशन चौधरी, विधायक बलदेव पूरन प्रकाश एवं अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ व पटुका भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत सीडीओ डॉ0 पूजा गुप्ता द्वारा डीएम तथा उपायुक्त श्रम एवं रोजगार विजय कुमार पाण्डेय ने सीडीओ का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान ग्राम पंचायतों की विकसित एवं समग्र कार्ययोजनाओं के निर्माण, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड के सुचारु व पारदर्शी प्रबंधन, ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ एवं उपयोगी सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण, स्वतः रोजगार के माध्यम से ग्रामीण आजीविका के संवर्धन तथा विकास कार्यों में जवाबदेही व समयबद्ध मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार एवं विकास से संबंधित एक नया कानून है। इस कानून का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करके और उत्पादक ग्रामीण परिसंपत्तियों के निर्माण को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को विकसित भारत /2047 की परिकल्पना के अनुरूप ढालना है। डीएम ने कहा कि इस अधिनियम के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के वैतनिक रोजगार की गारंटी दी गई है, जो पूर्व में मनरेगा में 100 दिन थी। यह अधिनियम केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किए जाने के बाद 01/07/2026 से देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में लागू हो गया है। डीएम ने कहा कि सभी कार्यों में बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो-टैगिंग, रियल-टाइम मोबाइल ऐप मॉनिटरिंग एवं डीबीटी के माध्यम से भुगतान अनिवार्य किया गया है। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिन में किया जाएगा, विलंब पर मुआवजा देय होगा। ग्राम पंचायतों को निर्देश दिया गया कि कार्य चार प्रमुख क्षेत्रों से जुड़े होंगे - जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका अवसंरचना और मौसम प्रतिकूलता से निपटने के उपाय। जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने का मिशन है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में प्रशासक जिला पंचायत/ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, क्षेत्र पंचायत प्रशासक प्रतिनिधि फरह अनिल सिंह, क्षेत्र पंचायत प्रशासक गोवर्धन विपिन सिंह, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह आदि उपस्थित रहे।

दूध टैंकर पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

मथुरा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) तथा जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के आदेश के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन एवं नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने राया रेलवे फाटक के समीप एक दूध टैंकर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दूध टैंकर (संख्या यूपी 86 एटी 0875) के चालक हेमनेस कुमार ने बताया कि टैंकर में 2000 लीटर दूध गोपाल डेयरी, सिकंदराराऊ (हाथरस) से लाया गया था। हालांकि, चालक मौके पर भंडारित दूध के क्रय एवं विक्रय से संबंधित कोई भी वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। दूध की गुणवत्ता में संदेह होने पर राया स्थित डेयरी पर टैंकर में रखे दूध की त्वरित जांच की गई। जांच के दौरान दूध में स्टार्च की मिलावट और फैट कम होने के स्पष्ट प्रमाण मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सचल दल ने टैंकर से भंडारित दूध का नमूना संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित कर दिया है।

डीएम ने उ.प्रा.विद्यालय दखिनारा व बिदरखा का किया निरीक्षण

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को शिकोहाबाद क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा एवं प्राथमिक विद्यालय बिदरखा का औचक निरीक्षण कर पठन-पाठन, विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर, मिड-डे मील, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जहां दखिनारा विद्यालय में बच्चों का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक मिला, वहीं बिदरखा विद्यालय में शिक्षण एवं सफाई व्यवस्था में कमियां मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा में जिलाधिकारी ने कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके बौद्धिक एवं शैक्षणिक स्तर को परखा। उन्होंने छोटे बच्चों से रंगों और जानवरों के नाम पूछे, जबकि कक्षा सात व आठ के विद्यार्थियों से विद्यालय की दीवारों पर लगे महापुरुषों के चित्रों के संबंध में प्रश्न किए। बच्चों की सीखने की उत्सुकता और जागरूकता पर डीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का प्रयोग पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए इसे पूर्णतः प्रतिबंधित करने तथा कपड़े के थैलों का प्रयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया। रसोईघर और मिड-डे मील के लिए रखे चावल एवं अन्य राशन सामग्री की गुणवत्ता सही मिली। डीएम ने प्रधानाध्यापक को बच्चों की प्रतिभा निखारने और शिक्षण के नए तरीके अपनाने के निर्देश दिए। सफाई कर्मी को नियमित रूप से विद्यालय की सफाई सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालय में 249 नामांकित विद्यार्थियों के सापेक्ष 224 उपस्थित मिले, जबकि 16 शिक्षक कार्यरत हैं। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बिदरखा का निरीक्षण किया। यहां व्यवस्थाओं में कई कमियां मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। कक्षा पांच में शिक्षण कार्य कर रहीं प्रशिक्षु शिक्षिका दीप्ति का शिक्षण स्तर असंतोषजनक पाए जाने पर डीएम ने कहा कि खराब शिक्षण गुणवत्ता से बच्चों के भविष्य के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। विद्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। किचन में अग्निशमन यंत्र लगा मिला, लेकिन विद्यालय के किसी भी कर्मचारी को उसके संचालन की जानकारी नहीं थी। इस पर डीएम ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सुरक्षा उपकरण की जानकारी न होने से उसका उद्देश्य ही निष्फल हो जाता है। उन्होंने सभी स्टाफ को अग्निशमन यंत्र के संचालन की जानकारी देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बच्चों से पुस्तकें पढ़वाईं और गणित व सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। उन्होंने शौचालय समेत विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। विद्यालय में 78 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 62 विद्यार्थी उपस्थित मिले।

रालोद के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह का निधन

मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता एवं आरएसएस मेडिकल कॉलेज के संस्थापक राजेन्द्र सिंह सिकरवार का लंबी बीमारी के पश्चात निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राज्यसभा सांसद चैधरी तेजवीर सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राजेन्द्र सिंह सिकरवार का समाज शिक्षा एवं जनसेवा के क्षेत्र में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि सिकरवार ने अपने जीवनकाल में जनहित के कई कार्य किए जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करने लगे। बलदेव क्षेत्र के निवासी सिकरवार स्थानीय स्तर पर एक मजबूत एवं सम्मानित नेता के रूप में जाने जाते थे और क्षेत्रीय राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका रही। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में छात्राओं को मिलेगा रोजगारपरक प्रशिक्षण

फिरोजाबाद। जनपद के दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश के मध्य शैक्षणिक, खाद्य प्रसंस्करण तकनीक और अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण व प्रथम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता महाविद्यालय की छात्राओं को खाद्य संरक्षण व स्वरोजगार के क्षेत्र में दक्ष बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.रेनू वर्मा एवं खाद्य प्रसंस्करण संस्था के अध्यक्ष शैलेंद्र ने आगामी 5 वर्षों के लिए इस समझौता ज्ञापन पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। जिसका मुख्य उद्देश्य गृह विज्ञान एवं खाद्य प्रसंस्करण की छात्राओं को समय-समय पर खाद्य संरक्षण, प्रोसेसिंग तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य उद्योग से जुड़े आधुनिक अनुसंधानों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण से छात्राएं न केवल शैक्षणिक रूप से समृद्ध होंगी, बल्कि भविष्य में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में खुद का उद्योग या स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. नूतन राजपाल एवं डॉ.नीतू सिंह तथा शिखा यादव सहित दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की वरिष्ठ शिक्षकाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने इस पहल को छात्राओं के उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

ईद-ए-मिलाद को लेकर हुई समीक्षा बैठक

मथुरा। डीएमचंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आगामी ईद-ए-मिलाद (बारावफात) के त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के दौरान सुरक्षा, सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से पीस कमेटी (शांति समिति) की बैठकें सुनिश्चित करें। इसके साथ ही त्यौहार रजिस्टर का अवलोकन कर पूर्व में आई समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सुरक्षा व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वाले शरारती तत्वों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक नियमित और विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। विशेषकर मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई, नालों की डी-सिल्टिंग, जगह-जगह पेयजल एवं अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। पर्व के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। खुले ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर बैरिकेडिंग, खुले व लटके तारों को दुरुस्त करने तथा विद्युत पोल की रैपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ को सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर मेडिकल टीमें और एम्बुलेंस तैनात करने तथा अग्निशमन विभाग को प्रमुख स्थलों पर दमकल गाड़ियां मुस्तैद रखने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग को लगातार खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग करने और दुकानदारों को जागरूक करने तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवारा व निराश्रित गौवंशों को सुरक्षित गौशालाओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

डीएम-एसएसपी की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

फिरोजाबाद। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे की मौजूदगी में शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, पीस कमेटी के सदस्य, जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आगामी बारावफात, जुलूस, जलसे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैन समाज के पर्युषण पर्व, रक्षाबंधन एवं सावन के अंतिम सोमवार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों को आगामी पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे उत्साह एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की

प्राथमिकता है। इसके लिए सभी समुदायों का सहयोग आवश्यक है। बैठक में जुलूसों को लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए। जुलूस में ले जाए जाने वाले झंडों की ऊंचाई निर्धारित सीमा में रखने तथा लोहे या मेटल के पाइप व रॉड का प्रयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए। साथ ही डीजे की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया, ताकि आवागमन एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। 25-26 अगस्त के आसपास प्रस्तावित जलसों के आयोजकों से प्रशासन से पूर्व अनुमति लेने की अपील की गई, ताकि पुलिस एवं प्रशासनिक टीम द्वारा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जा सके। बड़े जुलूसों विशेषकर टूंडला एवं थाना रसूलपुर शहर क्षेत्र के आयोजकों को अपने वालंटियर्स की सूची नाम तथा पहचान पत्र आईडी कार्ड के सीरियल नंबर संबंधित थानों में जमा कराने के निर्देश दिए गए, जिससे जुलूस के दौरान असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रात में मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, विद्युत एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने आयोजकों से भी व्यवस्थाओं में सहयोग करने की अपील की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि बैठक में सदस्यों द्वारा सामने रखी गई समस्याओं एवं सुझावों का पुलिस प्रशासन शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि आगामी पर्वों एवं जुलूसों के पारंपरिक मार्गों का पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पहले ही स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा, ताकि सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की समस्या न हो। एसएसपी ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों एवं जुलूस मार्गों पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से जीएलए छात्रा की मौत

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र के जैंत कट के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार जीएलए विश्वविद्यालय की बीबीए छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने छात्रा को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कुदी निवासी अंशुमान पुत्र पधुमननाथ तिवारी ने डायल 112 पर सूचना दी कि जैत कट के पास हादसा हो गया है। अंशुमान मृतका के भाई हैं। सूचना मिलते ही थाना जैत पुलिस मौके पर पहुंची। बताया गया कि अंशुमान की बहन जीएलए विश्वविद्यालय में बीबीए की छात्रा थी। शुक्रवार को वह स्कूटी से ओमेक्स सिटी की ओर से जीएलए विश्वविद्यालय में कक्षा लेने जा रही थी। जैत कट के पास पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने तत्काल घायल छात्रा को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। थाना पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त होने के बाद मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस जांच कर रही है। परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त होने के बाद मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दिमागी नक्सल

प्रधानमंत्री मोदी ने जब से लाल किले से दिमागी नक्सल शब्द का प्रयोग किया तब से इस पर देश में बहस हो रही है। दरअसल दिमागी नक्सल वे हैं, जो भारत के संविधान को नहीं मानते। देश में संसदीय प्रणाली के विरोधी हैं, लिहाजा संसद को खारिज करते हैं। वे भारत में न्यायपालिका को बुर्जुआ और बेईमान मानते हैं, लिहाजा न्याय की इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। उनका लक्ष्य था भारत की सत्ता पर काबिज होना था, लेकिन यह स्वप्न भंग हो चुका है। बेशक उनके हाथों में हथियार नहीं हैं, लेकिन वे 'बैक डोर' से हिंसा-समर्थक हैं। वे अफजल गुरु, याकूब मेमन सरीखों को 'आतंकवादी' नहीं मानते, बल्कि उनकी मौत को 'न्यायिक हत्या' करार देते हैं। वे भारत में सत्ता और व्यवस्था बदलने के लिए विदेशी पैसा पाने के हिमायती हैं। वे उन हथियारबंद, वामपंथी-माओवादी आतंकियों के कट्टर समर्थक हैं, जिन्होंने 500 से अधिक स्कूल और 300 से अधिक अस्पताल बारूद से उड़ा दिया। वे उन हत्यारों के मानवाधिकारों के भी पैरोकार हैं, जिन्होंने 2004-25 के दौरान 8956 मासूम लोगों की हत्याएं कीं। मोदी सरकार के कालखंड में ही 2024 तक 516 सुरक्षाकर्मियों को शहीद किया। वे उस मॉडल के समर्थक हैं, जिसमें 25,000 करोड़ रुपये की उगाही का बंदोबस्त था। वे अफीम की खेती भी करते थे, यह खुलासा नीति आयोग (पूर्व में योजना आयोग) की रिपोर्ट में हुआ है। दिमागी नक्सल अच्छी सडकें, लंबे-चौड़े राजमार्ग और विकसित गांव बनाये जाने के प्रयासों के धुर विरोधी रहे हैं। क्या भारत सरकार में वित्त और गृह मंत्री रहे पी. चिदंबरम, दिल्ली के 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती खुद को इस जमात के प्रतिनिधि मानते हैं?

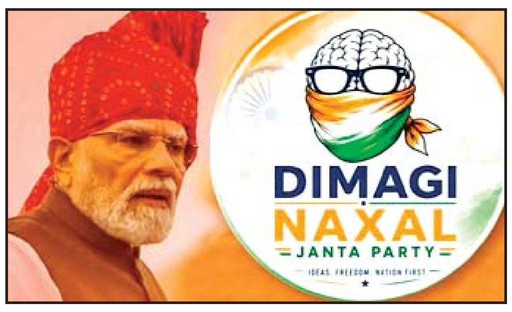

चिदंबरम आज भी राज्यसभा सांसद हैं, क्या फिर भी वह संसदीय प्रणाली के विरोधी हैं? यदि ऐसा है, तो ऐसे नेताओं को खारिज किया जाना चाहिए। करीब छह दशक तक नक्सलवाद का 'हथियारबंद आतंकवाद' जारी रहा। कभी देश के 10 राज्यों के 136 जिलों में 'रेड कॉरिडोर' था, लेकिन इस सशस्त्र क्रांति के बावजूद औसत किसान आज भी गरीब, कर्जदार है। आदिवासी आज भी जल, जंगल, जमीन के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन जमींदार वर्ग आज भू-माफिया बन चुका है। दिमागी नक्सली किस क्रांति और सामाजिक बदलाव, समानता की बात करते रहते हैं? यकीनन नक्सलवाद का लगभग सफाया मोदी सरकार और देश की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन उसके दिमागी, वैचारिक, सोच के अवशेष आज भी जिंदा और सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त के संबोधन में दिमागी नक्सल का जो उल्लेख किया था, वह बेमानी नहीं है। दिमागी नक्सल जानते हैं कि प्रधानमंत्री ने किन्हें चिह्नित किया था! ऐतिहासिक लालकिले से प्रधानमंत्री का संबोधन किसी राजनेता का नहीं, संपूर्ण भारत की प्रतिनिधि आवाज का संबोधन होता है। प्रधानमंत्री के तौर पर डा. मनमोहन सिंह ने भी 13 अप्रैल, 2006 को 'अर्बन नक्सली' को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना था। तत्कालीन गृहमंत्री शिवराज पाटिल ने भी 'अर्बन नक्सलियों' को 'लाल आतंकवाद' करार देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती माना था। खुद चिदंबरम 30 नवंबर, 2008 से 31 जुलाई, 2012 तक भारत सरकार के गृहमंत्री रहे और 'लाल आतंकवाद' के खात्मे के लिए उन्होंने कुछ रणनीतिक अभियान भी शुरू कराये थे। कांग्रेस को तो दिमागी नक्सल का कड़ा विरोध करना चाहिए, क्योंकि छत्तीसगढ़ में हथियारबंद नक्सलियों ने एक ही बारूदी हमले में राज्य के पूरे कांग्रेस नेतृत्व को मौत के घाट उतार दिया था। आज कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों का विरोध कर रही है, अलग-अलग व्याख्याएं की जा रही हैं, जो सीधे-सीधे राजनीतिक अवसरवाद को दर्शाता है। राष्ट्रहित, आंतरिक सुरक्षा और देश की संप्रभुता के मुद्दे पर पूरे देश को एक सुर में बोलना चाहिए।

विचार

ऐसी पुस्तक का प्रतिदिन अवश्य अध्ययन करें जो आपके आत्मिक, शारीरिक, सामाजिक अथवा आर्थिक उन्नति में सहायक हो।

–जैन धर्मग्रंथ.

बाद में उत्पन्न होने वाली इच्छाओं की पूर्ति करने की अपेक्षा अपनी पहली इच्छा का दमन कर देना ही सरल और श्रेयस्कर है।

–फ्रेंकलिन.

काम और क्रोध का मूल स्थान इन्द्रियां हैं। इन्हीं इन्द्रियों से कर्म प्रवृत्ति पैदा होती है। इसलिए सबसे पहले इन इन्द्रियों को ही वश में करना चाहिए।

–ज्ञानेश्वरी.

मनुष्य का अज्ञानता जैसा दूसरा कोई शत्रु नहीं होता।

–चाणक्य.

जब तक मनुष्य के मन में काम, क्रोध, अहंकार और लोभ की अल्प मात्रा भी शेष रहती है, तब तक पंडित और मूर्ख दोनों एक समान होते हैं।

–संत कबीर.

महाराष्ट्र धार्मिक स्वतंत्रता कानून लागू होगा

शाहिद ए चौधरी

> इस कानून के संबंध में राज्य सरकार का कहना है कि इससे सामाजिक सौहार्द सुरक्षित रहेगा और अवैध व जबरन धर्मांतरण पर रोक लगेगी, जिससे जन व्यवस्था प्रभावित होती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक, 2026 को 31 जुलाई 2026 को मंजूरी दे दी थी, जिसे राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार को नोटिफिकेशन जारी करने हेतु फॉरवर्ड करने के बाद अब यह कानून बन गया है। आगामी 28 अगस्त 2026 से लागू भी हो जायेगा। इस किस्म का कानून गठित करने वाला महाराष्ट्र देश में 13वां राज्य है, जोकि सभी बीजेपी शासित राज्य हैं (या कानून गठित करते समय बीजेपी शासित थे, जैसे कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश)। इस विधेयक को जिस तेजी से पारित किया गया, वह अपने आपमें आलोचना का कारण बना। विधेयक को 13 मार्च 2026 में महाराष्ट्र विधान सभा में पेश करके 16 मार्च 2026 को पारित कर दिया गया। इसके अगले दिन यानी 17 मार्च 2026 को विधान परिषद ने भी इसे पारित कर दिया। इसके बाद तत्कालीन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने इसे राष्ट्रपति के पास विचार हेतु भेज दिया था।

सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) ने इस पर अपनी असहमति नोट में लिखा कि विधेयक को चंद ही दिन में पारित कर दिया गया जिससे जनता को इस पर विचार करने या लेजिस्लेटिव स्क्रूटिनी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। इस तथ्य के बावजूद कि अन्य राज्यों के समान कानून (विशेषकर उनके विवादित प्रावधान) वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन हैं। महाराष्ट्र का धार्मिक स्वतंत्रता कानून- जबरन, फ्रॉड, धोखाधड़ी, लालच या विवाह से कराये गये अवैध धर्मांतरण को प्रतिबंधित करता है और इसे गैर-जमानती अपराध बनाता है। उल्लंघन करने वाले के लिए 3 से 10 वर्ष तक की सजा और 7 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। जो लोग अपनी इच्छा से अपना धर्म परिवर्तन करना चाहते हैं, उन्हें 60-दिन पहले जिलाधिकारी को नोटिस देना होगा और धर्म परिवर्तन के 21-दिन के भीतर उसे रिपोर्ट करना होगा। धर्मांतरण करने वाले व्यक्ति या इसमें सहयोग करने वाले व्यक्ति को ही साबित करना होगा कि धर्मांतरण स्वतंत्र इच्छा से किया गया है। अगर विवाह केवल अवैध धर्मांतरण के लिए किया गया है, तो अदालतें ऐसी शादी को अवैध व शून्य घोषित कर सकती हैं।

ऐसी शादी से उत्पन्न संतान का धर्म वही माना जायेगा जो शादी से पहले मां का धर्म था। सामान्य अपराध में 7 वर्ष तक की कैद और 1 लाख रुपये का जुर्माना है। अगर अपराध में नाबालिग, महिलाएं, कमजोर दिमाग के व्यक्ति या अनुसूचित जाति (एससी) व अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सदस्य शामिल हैं, तो 7 वर्ष तक की कैद व 5 लाख रुपए तक के जुमार्ने का प्रावधान है। सामूहिक धर्मांतरण में भी यही सजा व जुर्माना है। लेकिन जो व्यक्ति बार बार यह अपराध करता है तो उसे 10 साल तक की कैद व 7 लाख रुपए का जुर्माना अदा करना पड़ सकता है।

सामयिक

इस कानून के संबंध में राज्य सरकार का कहना है कि इससे सामाजिक सौहार्द सुरक्षित रहेगा और अवैध व जबरन धर्मांतरण पर रोक लगेगी, जिससे जन व्यवस्था प्रभावित होती है। दूसरी ओर सिविल राइट्स ग्रुप्स का तर्क है कि यह कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करता है। उनके अनुसार, कानून की गैर-जमानती प्रवृत्ति और नोटिफिकेशन नियम अंतर-धार्मिक जोड़ों को निशाना बनायेंगे और चयन की आजादी को सीमित करेंगे। इन ग्रुप्स का यह भी कहना है कि बच्चे पर मां का धर्म थोपना दुरुस्त नहीं है, उसे बालिग होने पर सम्पूर्ण आजादी होनी चाहिए कि वह अपनी पसंद के धर्म का पालन करे या नास्तिक होकर किसी भी धर्म का पालन न करे। बहरहाल, अगर गौर से देखा जाये तो महाराष्ट्र का यह धर्म की स्वतंत्रता कानून वास्तव में चयन की आजादी को ही सीमित करता है। कागज पर जबरन या लालच से किये गये धर्मांतरण को रोकना संवैधानिक गारंटी के अनुरूप प्रतीत होता है, लेकिन समस्या कानून के विस्तार और उससे जो स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं उसमें है। कानून कहता है कि पैसा, उपहार, रोजगार, शिक्षा, शादी का वायदा, जीने की बेहतर स्थितियां उपलब्ध कराने का आश्वासन या दैविक उपचार के दावे अवैध लालच होंगे, अगर उनका संबंध धर्मांतरण से है। इसमें समस्या यह है कि कानून वास्तविक लालच और सामान्य हालात, जिनमें व्यक्ति धार्मिक चयन करता है, अपने जीये गये अनुभव के तहत, में पर्याप्त अंतर नहीं करता है। प्रतिबंधित प्रभाव की विशाल श्रेणियां बनाकर, कानून स्वतंत्र मन से किये गये वैध चयन को अपराध की श्रेणी में खड़ा कर देता है। एक व्यक्ति द्वारा अपनी पसंद का धर्म चुनने का फैसला इसलिए सुरक्षित नहीं किया गया है कि राज्य उसके चयन को मंजूरी देता है बल्कि इसलिए कि संविधान व्यक्ति की चयन स्वायत्तता को सुरक्षित रखता है।

महाराष्ट्र के कानून में व्यक्तिगत स्वतंत्रता में सबसे चिंताजनक हस्तक्षेप यह है कि धर्मांतरण से 60-दिन पहले जिलाधिकारी को नोटिस आवश्यक रूप से देना है। इससे अति व्यक्तिगत निर्णय प्रशासनिक प्रक्रिया में बदल जाता है यानी एक ऐसी व्यवस्था बन जायेगी, जिसमें सरकारी अधिकारी यह जांच करेंगे कि व्यक्ति ने यह फैसला क्यों लिया? संविधान द्वारा दी गई आजादी की गारंटी सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर नहीं हो सकती। किसी धर्म में आस्था रखना, उसे ठुकराना, उसे अपनाना या बदलने का अधिकार संविधान ने इस शर्त के साथ नहीं दिया है कि इसके लिए सरकारी मंजूरी ली जाये। महाराष्ट्र के कानून को जबरन धर्मांतरण रोकने के तौर पर पेश किया गया है। जबरन या लालच या धोखाधड़ी से धर्मांतरण नहीं होना चाहिए, इसे कानूनन रोका भी जाना चाहिए। इस बात को लेकर कहीं कोई असहमति नहीं है। लेकिन इसकी आड़ में जो अंतर-धार्मिक संबंधों वाले मामलों में परेशानियां खड़ी की जाती हैं, समस्या उससे उत्पन्न होती है। कानून में यह अनुमति दी गई है कि अंतर-धार्मिक संबंध में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ उनके रिश्तेदार, जिनमें पैरेंट्स व भाई बहन भी शामिल हैं, शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है कि जो वयस्क अपनी मर्जी से साथ हैं, उनका व्यक्तिगत संबंध केवल इसलिए पुलिस जांच के दायरे में आ जाता है कि परिवार के किसी सदस्य ने उनकी पसंद पर आपत्ति की है। इससे पारिवारिक असहमति व सामाजिक विरोध आपराधिक प्रक्रियाओं में बदल जाता है।

यह चिंता अनुमानित नहीं है। जिन राज्यों में ऐसे कानून लागू हैं, उनसे निरंतर ऐसी खबरें आ रही हैं कि पारिवारिक विरोध के कारण अंतर-धार्मिक जोड़ों को हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ रही है। कानून का उद्देश्य व्यक्तिगत चयन को सुरक्षित रखना है और इस चयन को चुनौती देने का अधिकार थर्ड पार्टी को नहीं दिया जा सकता। बिना अर्थपूर्ण बहस के गठित किये गये महाराष्ट्र के इस कानून की गाज सबसे अधिक वयस्क महिलाओं की आस्था व संबंध से संबंधित स्वतंत्र निर्णयों पर गिरने वाली है। उनका व्यक्तिगत फैसला परिवार व राज्य द्वारा नियंत्रित होने लगेगा, क्योंकि इस कानून से पितृसत्तात्मक धारणाएं ही मजबूत होती हैं कि महिला इतनी कमजोर होती है कि वह उचित निर्णय अपने बारे में नहीं ले सकती, उसे आसानी से बहकाया व गुमराह किया जा सकता है, इसलिए उसे राज्य व परिवार की निगरानी की जरूरत है। जाहिर है इससे महिला को संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 व 25 के तहत जो सम्मान, निजता, समानता व निर्णय स्वायत्तता की गारंटी मिली हुई है वह कागजी बनकर रह जाती है।

सोशल मीडिया

विरासत हमारी पहचान है। संस्कृति हमारी आत्मा है। कार्य संस्कृति हमारी शक्ति है और विकास हमारा संकल्प है। जापान का सहयोग हमारी इस गति को और तेज करेगा। सीएम योगी.

भोग प्रधान संस्कृति

भोग प्रधान संस्कृति के जो दास बन चुके हैं और वासनाओं ने मनोमस्तिष्क पर कब्जा कर लिया है, उनका चरित्र और व्यक्तित्व इससे बहुत प्रभावित होता है। वासनाएं व्यक्तित्व, चरित्र का क्षय करती हैं। जिन लोगों के मन पर वासनाओं ने अधिकार जमा लिया है और जो इसके फल स्वरूप इंद्रियों के दास बन चुके हैं, उनका छुटकारा सहज में नहीं होता। वे विषयों की बुराइयां जानकर भी निर्बलता अथवा मोह वश उनके फंदे से नहीं निकल पाते। ऐसे लोगों को निरन्तर सत्संगति और आध्यात्मिक चिंतन की आवश्यकता पड़ती है। इन वासनाओं में प्रायः काम वासना ही सर्व प्रधान होती है और सबसे पहले उसी के निग्रह की चेष्टा की जानीचाहिए। स्त्री की प्रतिमूर्ति अथवा स्मरण मन को क्षुब्ध करता है। काम वासना शक्तिशाली होती है। यह एक कुसुम धानुष साथ लेकर चलती है, जिसमें मोहन, स्तम्भन, उन्मादन, शोषण और तपन रूपी पांच वाण सजे होते हैं। विवेक, विचार, भक्ति और ध्यान इस घोर राग का मूलोच्छेद करते हैं। यदि काम पर विजय प्राप्त हुई तो क्रोध, लोभ, आदि जो उसके शस्त्र हैं, आप ही कुण्डित हो जायेंगे। राग का प्रथम अस्त्र रमणी है। यदि इसे मन से नष्ट किया गया तो इसके अनुवर्ती और परिजन बड़ी आसानी से जीते जायेंगे। यदि सेनापति मारा गया तो सैनिकों को मार डालना आसान हो जायेगा। वासना पर विजय प्राप्त करो। फिर क्रोध को जीत लेना आसन हो जायेगा। केवल क्रोध ही वासना का अनुवर्ती है। सैनिक जैसे ही दुर्ग से बाहर निकलें, उन्हें एक-एक करके मार डालो, अंत में तुम्हारा दुर्ग पर आधिपत्य हो जायेगा। इसी प्रकार प्रत्येक संकल्प को जो मन में उठे एक-एक करके नष्ट कर दो। अंत में तुम्हारा मन पर अधिकार हो जायेगा। विचार, शांति, ध्यान और क्षमता के द्वारा क्रोध पर विजय प्राप्त करो। जो मनुष्य तुम्हारी हानि करता हो, उसके ऊपर दया करो और उसे क्षमा कर दो। उलाहने को प्रसाद समझो, उसे आभूषण जानों तथा अमृत तुल्य मानो। भर्त्सना को सह लो। सेवा, दया और ब्रह्मभावना के द्वारा विश्वप्रेम का विकास करो। जब क्रोध पर विजय प्राप्त हो जायेगी तो धृष्टता, अहंकार और द्वेष नष्ट हो जायेंगे। प्रार्थना और भजन से भी क्रोध दूर हो जाता है। संतोष, अभेद, विराग, तथा दान के द्वारा लोभ का शमन करो। अभिलाषाओं को मत बढ़ाओ, तुम्हें कभी निराश नहीं होना पड़ेगा। संतोष के राज्य के चार संतरियों की सहायता से तुम ब्रह्म ज्ञान, जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हो। अनुराग के पीछे-पीछे शोक और दुख भी लगे रहते हैं। अनुराग शोक से मिश्रित होता है। सुख के पीछे दुख चलता है। जहां सुख है वहां दुख है। अनुराग के नाम पर मनुष्य दुख का विषमय बीज वपन करता है जिससे शीघ्र की स्नेह के अंकुर निकल आते हैं। जिसमें बिजली के समान भयानक दाहकता होती है। इन अंकुरों से अनेक शाखाओं से युक्त दुख का वृक्ष उत्पन्न होता है।

अंतर्दृष्टि

जब भारत ने चांद को छुआ...!

वास्तव में भारत की अंतरिक्ष यात्रा चंद्रयान-3 से शुरू नहीं हुई थी यानी इस सफलता के पीछे दशकों की वैज्ञानिक तपस्या थी, जिसमें संसाधन सीमित थे, लेकिन सपने हमेशा बड़े रहे। विक्रम साराभाई जैसे वैज्ञानिकों ने उस समय भारत के लिए अंतरिक्ष मिशन की कल्पना कर ली थी, जब देश की प्राथमिकताएं, रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की बुनियादी जरूरतें थीं।

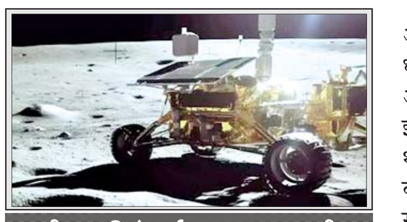
राष्ट्रीय स्मृति में दर्ज (23 अगस्त) तारीख

कुछ तारीखें महज कैलेंडर में दर्ज नहीं होतीं, वो हमारी स्मृति में भी चमकती हैं। 23 अगस्त ऐसी ही तारीख है, जब इस दिन साल 2023 में भारत ने चांद को छुआ। वह शाम जैसे कुछ देर के लिए पूरे देश की धड़कन एक हो गई थी, लोग घरों में टेलिविजन के सामने बैठे थे, मोबाइल स्क्रीन में टकटकी लगाये हुए थे, स्कूली बच्चे और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के वैज्ञानिक सांस रोके उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जब भारत चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरने वाला दुनिया का पहला और चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला देश बनने जा रहा था। लेकिन हर एक गुजरता पल सभी भारतीयों में दहशत बढ़ाता जा रहा था। अंततः 6 बजकर 4 मिनट में वह क्षण आया, जब विक्रम लैंडर ने चांद की सतह को छुआ और इस तरह 23 अगस्त 2023 को भारत की अंतरिक्ष यात्रा इतिहास के एक नये अध्याय में प्रवेश कर गई। ऐसा क्षण और ऐसी तारीखें बहुत कम आती हैं, जब विज्ञान के क्षेत्र में भारत कुछ ऐसा करे, जो दुनिया में पहली बार हो। लेकिन 23 अगस्त 2023 को यही हुआ। उस समय तक दुनिया के किसी देश ने चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह को स्पर्श नहीं किया था। चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला भारत दुनिया का पहला देश था और आजतक भारत के अलावा सिर्फ अमरीका ही इस सतह तक पहुंच सका है, वह भी भारत के बाद।

अमरीका का आईएम-2 लैंडर साल 2025 में चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास मोस माउंटन क्षेत्र में उतरने वाला दूसरा लैंडर था। हालांकि यह लैंडर अपनी तरफ झुक गया था, जिस कारण वैज्ञानिक संचालन सीमित रहा, मगर नासा इसे साउथ पोल के पास की मिशन लैंडिंग के रूप में दर्ज करता है। जहां तक चंद्रमा पर सफल लैंडिंग का सवाल है तो अब तक दुनिया के कुल पांच देश यह कारनामा कर चुके हैं। साल 1966 में पहले तत्कालीन सोवियत संघ ने लूना-9 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करायी थी। इसके बाद 1966 में ही अमेरिका का सर्वेयर-1 लैंडर चांद की सतह पर उतरा था और फिर इसके बाद 1969 में अपोल-11 के जरिये पहली मानव सहित सफल लैंडिंग अमरीका के खाते में गयी। यही नहीं अमरीका के अलावा आजतक किसी और देश का कोई अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर नहीं उतरा। चांद पर अब तक कुल 12 अंतरिक्ष यात्रियों ने कदम रखें हैं और ये सभी अमरीकी थे, जिन्होंने 1969 से 1972 के बीच कुल 6 अपोलो मिशनों-11, 12, 14, 15, 16 और 17 के जरिये चांद पर उतरे। दुनिया का तीसरा देश जिसने चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करायी, वह चीन था, जिसका लैंडर चेंग-3 साल 2013 में चांद की सतह पर उतरा और चैथा देश भारत था, जो चंद्रयान-3 मिशन के जरिये 23 अगस्त 2023 को अपने विक्रम लैंडर को चांद के दक्षिणी उच्च आक्षांश वाले क्षेत्र में सफल लैंडिंग करायी। इस तरह भारत इस दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफल लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना, जबकि जापान 20 जनवरी 2024 को अपने स्लिम मिशन की सॉफ्ट लैंडिंग चांद की सरजमीं पर कराया है। इस तरह आजतक दुनिया के कुल पांच देश यह कारनामा करने में सफल रहे हैं। लेकिन भारत की उपलब्धि इस मायने में सबसे खास है कि न केवल भारत सबसे पहले चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह तक पहुंचा बल्कि वह अपनी देसी वैज्ञानिक मेधा की बदौलत सबसे कम लागत पर भी चांद की सतह पर उतरने में सफल रहा। जिस क्षण भारत ने यह महान सफलता हासिल की, उस क्षण सारा भारत भावनात्मक रूप से इस महान वैज्ञानिक उपलब्धि पर निहाल हो गया था। इसलिए यह हमारे लिए सिर्फ चांद पर उतरने की उपलब्धि भर नहीं थी बल्कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक राष्ट्रीय स्मृति का जन्म था। इसी कारण इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया गया है। यह निर्णय इस उपलब्धि को हासिल करने के महज छठवें दिन यानी 29 अगस्त 2023 को केंद्रीय मंत्री मंडल की बैठक में ले लिया गया था, जबकि इसकी मौखिक घोषणा उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कर दी गई थी, जिस दिन चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी और पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2024 को देशभर में आधिकारिक रूप से धूमधाम के साथ मनाया गया। वास्तव में भारत की अंतरिक्ष यात्रा चंद्रयान-3 से शुरू नहीं हुई थी यानी इस सफलता के पीछे दशकों की वैज्ञानिक तपस्या थी, जिसमें संसाधन सीमित थे, लेकिन सपने हमेशा बड़े रहे थे। विक्रम साराभाई जैसे वैज्ञानिकों ने उस समय भारत के लिए अंतरिक्ष मिशन की कल्पना कर ली थी, जब देश की प्राथमिकताएं, रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की बुनियादी जरूरतें थीं। इस तरह देखें तो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की सबसे खूबसूरत विशेषता यह रही है कि उसने अंतरिक्ष को केवल रोमांच या प्रतिष्ठा का विषय नहीं माना। हमारे उपग्रहों से मौसम की जानकारी मिली, हमारा संचार मजबूत हुआ, दूरदराज के इलाकों तक संचार सेवाएं पहुंची, आपदा प्रबंधन में भारी मदद मिली और कृषि से लेकर मछली पालन तक में अंतरिक्ष तकनीक के इस्तेमाल से रास्ते खुले। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुरूआती थीम भी शायद इसी को ध्यान में रखकर इसी विचार पर केंद्रित की गई थी- चांद को छूते हुए जिंदगी को छूना। कहने का मतलब साफ है कि भारत का अंतरिक्ष सपना, जमीन से कटा हुआ सपना नहीं था। उसकी जड़ें धरती में थीं और नजरें हमेशा आसमान में रहीं।

इसलिए भारत का अंतरिक्ष सपना हमेशा भारत के भविष्य को खूबसूरत बनाने वाला सपना रहा है। चंद्रयान-3 की सफलता को याद करते हुए चंद्रयान-2 को भूल जाना आसान नहीं है। लेकिन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में शायद सबसे बड़ी ताकत यही है कि उसने अपनी असफलता को कभी अंत नहीं माना। चंद्रयान-2 तब असफल हो गया था, जब वह चांद की सतह से महज कुछ मीटर दूर था। इस असफलता से निश्चित रूप से भारत के अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में निराशा की लहर दौड़ गई थी। पूरे देश के सामने इसरो के तत्कालीन चेयरमैन फूट-फूटकर रो पड़े थे। लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने अपनी उस असफलता को अपना अंत नहीं माना बल्कि कुछ ही घंटे बाद चंद्रयान-3 के अभियान में जुट गये और 23 अगस्त 2023 को इतिहास रच दिया।

चंद्रयान-3 की सफलता इसलिए बड़ी थी, क्योंकि इसने दुनिया को याद दिलाया था कि हार के बाद उठना भी विज्ञान का हिस्सा है। चंद्रमा पर आज उस स्थान का नाम शिवशक्ति प्वाइंट है, जहां पर विक्रम लैंडर उतरा था। यह नाम सिर्फ एक भौगोलिक निशान तक सीमित नहीं है बल्कि यह नाम भी उस क्षण की राष्ट्रीय स्मृति का प्रतीक है। जब भारतीय विज्ञान, तकनीक और कल्पना ने एक साथ मिलकर इतिहास रचा था। चंद्रयान-3 की सफलता में भारत की महिला वैज्ञानिकों की भी अत्यंत महत्पूर्ण भूमिका थी। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत ने अपने अंतरिक्ष भविष्य के लिए कई बड़े लक्ष्य साधने शुरू किये हैं। साल 2024 में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर सरकार ने 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा की सतह पर उतारने और अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने का संकल्प किया है और इस दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में जब भी कोई नई सफलता मिलेगी या हम कोई ऐतिहासिक सफलता हासिल करेंगे, तो बार-बार हमें चांद फतह की अपनी यह सफलता याद रहेगी और हम इस पर गर्व करेंगे।

लोकमित्र.

आप की बात

श्रमिकों की पेंशन बढ़ायें

केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक स्तर पर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए बीमा योजना, पेंशन योजना और आयुष्मान भारत योजना जैसे अनेक कार्यक्रम लांच किये हैं। इस योजना के तहत एक श्रमिक जो दिहाड़ी मजदूर है या ऐसे रोजी-रोजगार से जुड़ा है जिसमें उसकी उसको किसी तरह से सामाजिक सुरक्षा का कवर उपलब्ध नहीं है, ऐसे लोग नयी पेंशन योजना में शामिल हो सकते हैं जिसमें उनको साठ साल पूरे होने पर प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये पेंशन मिलेगी। श्रमिकों को सुरक्षा कवर उपलब्ध कराने का यह फैसला न सिर्फ सराहनीय है बल्कि उन करोड़ों श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा जिनको वृद्धावस्था में कोई मदद नहीं मिलती थी। लेकिन इस योजना में कुछ खामियां हैं। अगर सरकार इनमें सुधार करती है तो यह और अधिक प्रभावी एवं कल्याणकारी बन जायेगी। दरअसल हर साल चार-पांच फीसद की महंगाई रहती है। उसी हिसाब से रुपये का वैल्यू कम होता जाता है। ऐसे में जो लोग आज इस योजना के सदस्य बनेंगे उनको साठ साल पूरा होने पर जो पेंशन मिलेगी उसकी वैल्यू बहुत कम होगी।

प्रमोद कुमार शर्मा, लखनऊ.

चीन से आयात घटायें

सभ्यता के प्रारम्भ से आधुनिक और स्मार्ट दौर तक हर चीज में बदलाव आया है। परिवर्तन समाज का नियम है। जो इसे समझने में देर करता है वह पिछड़ जाता है। आयात पर अत्यधिक निर्भरता को घटाने, प्रदूषण फैलाने वाले जीवाश्म ईंधन के स्थान पर स्वच्छ ईंधन की तरफ बढ़ने और ऊर्जा आत्म निर्भरता को मजबूत करने के लिए पिछले कुछ सालों में सरकार ने कई पहल की है।

दस हजार सीएनजी स्टेशन खोलने और 400 जिलों में खाना बनाने के लिए पाइप से गैस की आपूर्ति की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की गयी है। ऊर्जा आज समाज की एक ऐसी जरूरत है जिसके बिना किसी भी व्यक्ति का एक मिनट भी गुजारा संभव नहीं है। ऊर्जा की इस अपरिहार्यता के मद्देनजर ही आज पूरी दुनिया ऊर्जा के नये-नये विकल्पों की तलाश में है। राष्ट्रों की डिप्लोमेसी ऊर्जा हितों के संरक्षण के आसपास घूमती है। ऑयल मोनोपोली को खत्म करने के लिए अमरीका ने शेल गैस का प्रभावी एवं स्वच्छ विकल्प विकसित किया है तो जापान सोलर एनर्जी में बहुत आगे बढ़ चुका है। भारत को भी इसी दिशा में बढना चाहिए।

राहुल विश्वकर्मा, लखनऊ.

संक्षेप

आज ललितपुर आएंगे प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी

ललितपुर। प्रभारी मंत्री एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी शनिवार 22 अगस्त को ललितपुर के दौरे पर आएंगे। अपने भ्रमण के दौरान प्रभारी मंत्री जिले में चल रही विकास परियोजनाओं एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। प्रभारी मंत्री सुबह 9.55 बजे ललितपुर पहुंचेंगे। सुबह 9.55 से 10.25 बजे तक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद 10.25 से 10.55 बजे तक प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की बैठक आयोजित होगी। बैठक में जिले से संबंधित प्रशासनिक एवं विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी। प्रभारी मंत्री सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान जिले में संचालित विकास सरकारी योजनाओं तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

अपहरण कर बंधक बनाने और जबरन जमीन का बैनामा कराने का आरोप

जिला संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करगन निवासी एक युवक ने कुछ लोगों पर अपहरण कर बंधक बनाने, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देकर उसकी जमीन का जबरन बैनामा

- अनाथ दलित युवक ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार
- बैंक सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग

कराने तथा बैंक लेनदेन में फजीवाड़ा करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घटना से संबंधित बैंक के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की गुहार लगाई है। ग्राम करगन निवासी ऋषी पुत्र स्व.रामकिशन ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके माता-पिता की बचपन में ही मृत्यु हो चुकी है। वर्ष 2022 में उसके पितामह की मृत्यु के बाद वह करीब 14 वर्ष की उम्र में संपत्ति का वारिस बना था। वर्तमान में वह डबराकलां में रह रहा है। बताया कि 24 जून 2026 को दोपहर करीब तीन बजे वह गांव में मौजूद था। इसी दौरान रवीन्द्र यादव और बल्लू यादव उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर राखनचंपुर ले गए। आरोप है कि वहां से उसे दैलवारा के पास ले जाया गया और बाद में स्कार्पियो गाड़ी में बैठाकर एक कमरे में बंधक बना दिया गया।

पीड़ित का आरोप है कि वाहन पर प्रधान लिखा था और उसे रामसेवक का पुत्र तिलकराम चला रहा था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने युवक को शराब पिलाई तथा उसके सिर पर कट्टा रखकर जान से मारने की धमकी दी। उसका पैन कार्ड भी अपने कब्जे में ले लिया गया। पीड़ित के मुताबिक उसे डबराकलां, बिना स्थित निर्मा फैक्ट्री के पास सहित अलग-अलग स्थानों पर करीब चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि बंधक बनाए जाने के दौरान उसकी जमीन का उसकी वास्तविक सहमति के बिना बैनामा करा लिया गया। शिकायत के मुताबिक 30 जून 2026 को जमीन का बैनामा जीतू एवं उदल सिंह पुत्रगण तिलकराम, निवासी अमरपुर के नाम कराया गया। पीड़ित ने बैनामे में भुगतान के तौर पर दर्शाए गए यूनियन बैंक के चेक संख्या 011925 को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि संबंधित चेक को लेकर बैंक खाते और चेकबुक संबंधी स्थिति संदिग्ध है तथा बाद में बैंक लेनदेन के माध्यम से चेक की राशि रामसेवक के खाते में पहुंचाई गई और भुगतान प्राप्त कर लिया गया। शिकायती पत्र में पीड़ित ने बैनामे में सुबेन्द्र पुत्र नाथूराम निवासी नकवानी तथा राकेश पुत्र नंदराम को गवाह बनाए जाने का भी उल्लेख किया है। उसका दावा है कि वह इन कथित गवाहों को जानता तक नहीं है। ऐसे में उसने बैनामे की पूरी प्रक्रिया की जांच कराए जाने की मांग की है। पीड़ित ऋषी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही यूनियन बैंक में संबंधित तिथि के लेनदेन, पहचान और भुगतान से जुड़े सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य अभिलेख सुरक्षित कराए जाएं, ताकि मामले की वास्तविकता सामने आ सके।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से पैदल घर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा नारायनपुरा मुर्गी फार्म के पास हुआ। टक्कर के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और युवक उसके नीचे दब गया। सूचना पर पहुंचे परिजन और ग्रामीण घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पिपरई मजरा जामुनवारी निवासी नीरज का छोटा भाई गिरवर पुत्र स्व. अवतार सिंह यादव पांच अगस्त की दोपहर अपनी रिश्तेदारी दौलता से पैदल घर लौट रहा था। करीब दो बजे वह नारायनपुरा मुर्गी फार्म के पास पहुंचा। इसी दौरान पीछे से आ रहे पावर ट्रैक ट्रैक्टर संख्या यू.पी. 94 ए.एल. 8159 के चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए गिरवर को पीछे स। प्रत्यक्षदर्शी के रूप में बताए गए संजू पुत्र बृजभान ने हादसा देखकर परिजनों को सूचना दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर पलट गया और गिरवर उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

44 स्कूली वाहनो की जांच, मानको के उल्लंघन पर 15 सीज व 15 के चालान

बाराबंकी। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग द्वारा शुरू हुए मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 अभियान के तहत प्रवर्तन टीमो की ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी है। अभियान के दौरान अनफिट वाहनों, बिना परमिट और बीमा के चल रहे स्कूली वाहनों के खिलाफ चालान, सीज और नोटिस देने की सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। अभियान की जानकारी देते हुये सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अमिताभ राय ने बताया कि एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम मोहक दूबे व यात्री मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी की अलग अलग टीमो ने लखनऊ-अयोध्या, हैदरगढ़-बाराबंकी सहित अन्य मार्गो मे चेकिंग के दौरान लगभग 44 स्कूली वाहनो के फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, स्पीड गवर्नर, फायर उपकरण, फर्स्ट एड किट की बारिकी से जाँच कर 15 वाहनो को सीज व 15 वाहनो के चालान किये।

एसडीएम ने संभाली कमान, गांव-गांव पहुंच बांट रहे तैयार भोजन

टिकैतनगर,बाराबंकी। सरयू नदी की कछार में बसे गांवों में बाढ़ से घिरे परिवारों के लिए एसडीएम बृजेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व मे राजस्वकर्मी जरूरतमंदों को नाव और अन्य उपलब्ध साधनों से बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंच भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। सरयू नदी की कछार में बसे परिवारों के लिए प्रशासन की यह पहल बड़ी राहत साबित हो रही है। एसडीएम की निगरानी में राजस्व टीम लगातार प्रभावित गांवों का जायजा भी ले रही है। जिन परिवारों को भोजन की जरूरत है, उनकी जानकारी जुटाकर उसी के अनुसार वितरण कराया जा रहा है।

महिला पेंशन योजना के लिए आवश्यक अभिलेखों के साथ करें आवेदन

बाराबंकी। जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि पति की मृत्युपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ अधिकाधिक पात्र महिलाओं तक पहुँचाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित दर से प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है। योजना मे आवेदन प्रक्रिया के लिये पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आय प्रमाण-पत्र, पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र आवश्यक अभिलेखो को अपने निकटतम जन सेवा केंद्र, विकास खंड कार्यालय, नगर निकाय कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय तथा हेल्पलाइन नम्बर 9519504858 पर प्रातः 10 से अपरान्ह 2 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। उन्होने सभी लाभार्थियों से अपनी बैंक पास बुक अपडेट, आधार लिंक बैंक खाते में डीबीटी करवा करवाने की अपील की।

भाकियू की मासिक बैठक मे सामूहिक विवाह समारोह को लेकर चर्चा

बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष हौसिला प्रसाद वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक मे आगामी 16 अक्टुबर 2026 को आयोजित होने वाले 15वें सामूहिक विवाह निकाह संस्कार समारोह हेतु वर कन्याओं के पंजीकरण की शुरूवात 1 से 30 सितम्बर तक जारी रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही 25 अगस्त को मसौली पावर स्टेशन का घेराव, बीडीओ कार्यालय हरख का घेराव, 26 अगस्त देवां थाना परिसर में हरित श्रद्धांजलि अभियान के तहत वृक्षारोपण किये जाने व लोनी कटरा पुलिस द्वारा कार्यकर्ता पर फर्जी मुकद्दमा दर्ज किए जाने के विरोध में पंचायत लगाने पर चर्चा की गई।

विज्ञान बस बनी उत्सुकता का केंद्र दूरस्थ क्षेत्रों में कर रही है वैज्ञानिक सोच का प्रसार प्रचार

ललितपुर। आईआईटी कानपुर एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान बस जनपद में उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है। इसी क्रम में विज्ञान बस श्री शांति निकेतन इंटर कॉलेज एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को विज्ञान को करीब से समझने और उसके रहस्यों को जानने का अनूठा अवसर मिला। विज्ञान बस, भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का अवलोकन अवधारणाओं को प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से सरल एवं रोचक ढंग से समझाया। विज्ञान बस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रयोगों में सहभागिता की और विज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कस्तूरबा गांधी की प्रधानाचार्या आरती ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से छात्राओं के जिज्ञासु मन में उठ रहे प्रश्नों को प्रयोगात्मक तरीके से समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान जिला विज्ञान क्लब समन्वयक राहुल जैन, प्रधानाचार्य लवकुश यादव,शिक्षक सूर्यबली,सूर्यभान, प्रगति पाण्डेय, अफरीन सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने कसा शिकंजा

जिला संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की। बैठक में उन्होंने जनपद में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी चिकित्सा अधिकारियों को जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करते हुए दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव,

- जननी सुरक्षा, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान भारत और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा
- खराब प्रगति पर चिकित्साधिकारियों को फटकार

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया।

उन्होंने पीपीटी के माध्यम से योजनावार प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कम प्रगति के कारणों की जानकारी ली। जननी सुरक्षा योजना के तहत एनसी पंजीकरण कम पाए जाने पर महरौनी के एमओआईसी एवं बीपीएम को कड़ी चेतावनी दी गई। वहीं एनसीडी स्क्रीनिंग की कम प्रगति पर बिरधा एवं तालबेहट के एमओआईसी को कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। विभिन्न स्वास्थ्य मानकों पर लगातार खराब प्रदर्शन पाए जाने पर जखौरा के एमओआईसी को आगामी दो माह में प्रगति सुधारने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें प्रशासनिक कार्य से हटाया जा सकता है।

साथ ही जखौरा के बीपीएम को पूर्व तैनाती स्थल पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। आशा कार्यकताओं के भुगतान की कम प्रगति पर संबंधित एमओआईसी एवं बीपीएम को भी कार्य में सुधार की कड़ी चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की ब्लॉकवार प्रगति की भी समीक्षा की। विकासखंड बिरधा, महरौनी, बार एवं जखौरा में अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अभियान में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने की चेतावनी दी।

इसी प्रकार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मचारियों का मानदेय प्रगति में सुधार होने तक आहरित न करने के निर्देश दिए।

बैठक में सीएमओ डा.वीरेंद्र सिंह, डीपीओ नीरज सिंह, बीएसए रत्नेश कुमार, डीआईओ, डीपीएम डा. रजिया फिरोज, सभी एमओआईसी, डीएमओ सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने की कर एवं करेत्तर, राजस्व वादों, प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कर एवं करेत्तर राजस्व प्राप्तियों, सीएम डैशबोर्ड के राजस्व संबंधी बिंदुओं, राजस्व वादों के निस्तारण, भूमि विवादों तथा विभिन्न विभागों की प्रवर्तन कार्यवाही की समीक्षा बैठक की।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत वरासत, नामांतरण, खतौनी संशोधन, राजस्व वादों के निस्तारण एवं अन्य प्रमुख

- नकली दवाओं, मिलावटी खाद्य पदार्थों पर सख्ती से अभियान चलाकर सीलिंग व विधिक कार्रवाई के निर्देश

संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने धारा-34 एवं धारा-38(2) के वादों तथा अंश सुधार के प्रकरणों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को लक्ष्य के अनुरूप वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़े बकायेदारों से प्रभावी वसूली के लिए अभियान चलाने तथा लंबित देयों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने नियमित रूप से खाद्य प्रतिष्ठानों एवं अन्य संबंधित स्थलों की चेकिंग सुनिश्चित करने, परिषदीय विद्यालयों एवं आवासीय सरकारी विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था की नियमित जांच, ऑनलाइन होम डिलीवरी सर्विस से जुड़ी एजेंसियों के भंडार गृहों की नियमित अंतराल पर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नकली दवाओं की बिक्री एवं झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध सघन अभियान चलाते हुये केवल औपचारिक कार्रवाई न करते हुए नियमानुसार सीलिंग एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजकुमार सिंह, जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार,एआरटीओ, संबंधित विभागों के अधिकारी, अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि यंत्रों के लिए ई-लॉटरी से हुआ लाभार्थियों का चयन

ललितपुर। कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर कृषि यंत्र प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले किसानों के चयन की ई-लॉटरी प्रक्रिया विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। ई-लॉटरी जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की ओर से सीडीओ की अध्यक्षता में कराई गई। ई-लॉटरी में 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए किसानों का चयन किया गया। यह प्रक्रिया सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजीड्यू सहित कृषि यंत्रीकरण की अन्य योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन टोकन बुक कराने वाले लाभार्थियों के लिए आयोजित की गई।

ई-लॉटरी की प्रक्रिया विकासखंडवार संपन्न कराई गई। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सबसे पहले प्रत्येक कृषि यंत्र के लिए मॉक ड्रिल कराई गई और इसके बाद ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले किसानों के चयन की ई-लॉटरी की गई। ई-लॉटरी के दौरान उप कृषि निदेशक अख्तर हुसैन, कृषि विज्ञान केंद्र खिरियामिश्र अध्यक्ष डा. मुकेश चन्द्र, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अर्पित जैन, जिला उद्यान अधिकारी राजेन्द्र, जिला कृषि अधिकारी रंजीत कुमार चैरसिया, नाबार्ड जिला प्रबंधक सलिल कुमार अर्कवंशी, लीड बैंक प्रतिनिधि संदीप कुमार, नामित प्रगतिशील कृषक सुरेश कुमार, रविन्द्र सिंह एवं रामस्वरूप निरंजन, सेल्फ हेल्प ग्रुप की प्रतिनिधि ममता चैबे एवं रानी राजपूत, अवर अभियंता प्रवेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक वर्ग-बी मनमोहन साह सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

ई-लॉटरी में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से कृषि यंत्रों के लिए टोकन बुक कराने वाले किसान भी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने की बैठक

बाराबंकी। ओबरी स्थित सांसद आवास पर संगठन सृजन अभियान के अन्तर्गत पूर्व केन्द्रीय मंत्री सी0पी0 जोशी ने कार्यकर्ताओ के साथ बैठक की। बैठक मे स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों से वर्तमान स्थितियों की विचारधारा व संगठन के प्रति सुझाव लिये। इसके उपरान्त भारतीय दलित पैंथर अध्यक्ष रामफल गौतम के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओ से पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी ने रुबरु होते हुये कहा कि यह दल मुख्य धारा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण शाखा थी। आज दलित समाज कांग्रेस जैसे संगठन से क्यों दूरियां बनाये हुये है जबकि भारत रत्न पूर्व कानून मंत्री बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की नीतियों को लेकर कांग्रेस संगठन ने दलित समाज के उत्थान के लिये बहुत कुछ किया है। बैठक मे सुभाष चन्द्र बोस फाउन्डेशन पासी समाज, भारतीय किसान यूनियन आदि से विचार विमर्श किया। बैठक में पीसीसी आरती बाजपेयी, जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, मोहम्मद इरफान कुरैशी, के0सी0 श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राशन कार्ड से वंचित परिवार फैमिली आईडी कैंप मे पहुंच उठाये लाभः ई0ओ

बंकी,बाराबंकी। नगर पंचायत बंकी अधिशासी अधिकारी मोहिनी केसरवानी ने जानकारी देते हुये बताया कि बंकी क्षेत्र मे ऐसे परिवार जिनके पास राशन कार्ड की व्यवस्था नहीं है उनको फैमिली आईडी के जरिये उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी फैमिली आईडी एक परिवार, एक पहचान योजना के तहत शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों को योजना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जिसको लेकर नगर पंचायत कार्यालय में फैमिली आईडी बनाने का कार्य निरंतर जारी है। अधिशासी अधिकारी ने राशन कार्ड से वंचित परिवारों से विशेष रूप से कैंप का लाभ उठाने की अपील की है।

गुम एवं खोये हुए 21 लाख के मोबाइल बरामद कर स्वामियों को सौंपे

ललितपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से ठीक पहले ललितपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से गुम या खोए हुए 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस की इस पहल से अपना खोया मोबाइल वापस पाने वाले लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने ललितपुर पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देश पर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त खोए व गिरे मोबाइल फोन से संबंधित प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए सर्विलांस टीम और थानों पर गठित पुलिस टीमों को मोबाइल बरामदगी के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। अभियान के तहत पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से देश के कई राज्यों तथा उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से विभिन्न कंपनियों के कुल 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए ललितपुर पुलिस का हृदय से धन्यवाद किया। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए 111 मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये है। पुलिस की इस कार्रवाई से उन नागरिकों को राहत मिली, जिनके मोबाइल फोन गुम होने के बाद वापस मिलने की उम्मीद कम हो गई थी। मोबाइल फोन की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम के प्रयासों की पुलिस अधीक्षक ने सराहना की और टीम को पुरस्कृत किया। इसमें सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण पंवार, स्वाट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अतुल तिवारी, हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रशान्त कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल मो. आमिर, कांस्टेबल मोहित सिंह आदि शामिल रहे।

20 वर्षों तक सपा जिलाध्यक्ष रहे मौलाना मेराज अहमद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बाराबंकी। सामान्य कार्यकर्ता से शीर्ष नेतृत्व तक सबको एक साथ लेकर चलने की अद्भुत कला के माहिर ईमानदार, संघर्षशील पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय मौलाना मेराज अहमद का अध्यक्षीय कार्यकाल सफल और स्वर्णिम कार्यकाल रहा हैं। उक्त उद्गार समाजवादी पार्टी कार्यालय पर 20 वर्षों तक लगातार पार्टी जिलाध्यक्ष रहे स्वर्गीय मौलाना मेराज अहमद की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धाजंलि सभा मे उनके चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद पूर्व कैबिनेट

- सामान्य कार्यकर्ता से शीर्ष नेतृत्व तक सबको साथ लेकर चलने मे माहिर थे मौलाना मेराजः गोप

मंत्री अरविन्द सिंह गोप ने कार्यकर्ताओ के बीच व्यक्त किये। श्रद्धांजलि सभा मे पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा ने कहा कि कार्यकताओं के मान सम्मान के लिए अपना सर्वस्व कर निछावर करने को तैयार रहने वाले मौलाना मेराज अहमद अपने कठोर निर्णय से पूरी पार्टी को अचंभित भी कर देते थे। वह दिल के जितने मुलायम थे। पार्टी संगठन के हित में निर्णय लेने में उतने ही कठोर थे।

जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने अपने मरहूम वालिद मौलाना मेराज को खिराजे अकीदत पेश करते हुए कहा कि हमने पिताजी को बचपन से पार्टी के विस्तार के लिए संघर्ष करते देखा हैं।

उनकी बताई हुई बातें सदैव मेरे जेहन में रहती है मैं उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर सदैव पार्टी को मजबूती प्रदान करने के साथ पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सदैव संघर्ष करता रहूंगा। श्रद्धाजंलि अर्पित करने वालो मे जिला महासचिव हिमांशु यादव, पूर्व विधायक राममगन रावत, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, नगर पालिका परिषद अध्यक्षशीला सिंह वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ0 कुलदीप सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता फराजुद्दीन किदवाई, हुमायूं नईम खान, सूरज यादव गामा, धर्मेंद्र यादव, ज्ञान सिंह यादव, वीरेंद्र प्रधान, प्रीतम सिंह वर्मा, अजय वर्मा बबलू, राजीव गुप्ता बब्बी, प्रदुमन यादव, धीरज गुलसिया, बृजेश यादव, मोहम्मद आसिफ, संतोष रावत, राजकुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने पर मंथन

ललितपुर। जनपद की वृहद विकास खण्ड जखौरा के गौ संरक्षण केंद्र भौंरसिल में गौशाला को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन 20 अगस्त 2026 को गौ संरक्षण सेवा समिति के तत्वावधान में गोष्ठी, प्रशिक्षण शिविर एवं गौकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौशाला संचालन से जुड़े लोगों, किसानों और पशुपालकों को गो आधारित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण शिविर में वर्षभर हरे चारे के उत्पादन, गौशाला में बायोगैस संयंत्र की स्थापना, के निर्माण एवं विपणन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

न्यायालय सूचना

नोटिस निस्वत दिखाने वजह के (आम तौर पर खास) व अदालत सिविल जज (जूनियर डिविजन) आगरा इजराय संख्या-33 / 2025

जय बजरंग सहकारी आवास समिति लि. द्वारा सेक्रेटरी श्री प्रदीप कुमार निवासी-1/115-ए-4, देहली गेट, आगरा। .....डिक्रीदार

बनाम

श्रीमती पुष्पा सिंह पत्नी श्री शिव सिंह निवासी - मोहसिनपुर, जिला-बिजनौर (उ0प्र0)

.....मदयून

बनाम डिक्रीदार ने दरख्वास्त इस अदालत में गुजरानी है कि लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से बखूबी वाकिफ हो व तारीख 08-09-26 व वक्त 10:00 बजे इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखावें। अगर ऐसा न करेंगे तो दरख्वास्त मजकूर को गैर हाजिरी में एक तरफा समाप्त होगी।

आज व तारीख 20 माह 08 सन 2026 को मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से जारी किया गया।

जज

voiceoflucknow@gmail.com

संक्षेप

पोवा 8 प्रो 5जी स्टोर्स में उपलब्ध

नई दिल्ली। पोवा 8 प्रो 5जी की बिक्री 21 अगस्त से पूरे भारत में शुरू हो रही है। यह स्मार्टफोन उन यूजर्स के लिए एक ऐसा अनुभव लेकर आया है, जो चाहते हैं कि उनका फोन थोड़ा कम... साधारण और कुछ ज्यादा खास महसूस हो। पीछे की तरफ दिया गया अलाइव मैट्रिक्स डिस्प्ले इसका सबसे बड़ा आकर्षण है। यह डॉट-मैट्रिक्स पैनल फोन के पिछले हिस्से को एक उपयोगी स्क्रीन में बदल देता है, जहां बैटरी स्टेटस, टाइमर और नोटिफिकेशन दिखाई देते हैं। वहीं, स्मार्ट कॉलर आईडी कॉल रिसीव करने से पहले संभावित स्पैम कॉल की पहचान करने में मदद करती है। फोन को स्क्रीन की तरफ से नीचे रख दें, तो यह एक डेस्क क्लॉक में बदल जाता है। अलग दिखना आसान है, लेकिन अलग दिखने के साथ वास्तव में उपयोगी होना मुश्किल–और पोवा इसी खासियत पर दांव लगा रहा है।

डीएसपी एसेट मैनेजर्स ने कोमल नारंग को वितरण प्रमुख बनाया

मुंबई। डीएसपी एसेट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड (डीएसपीएएम) ने आज कोमल नारंग को वितरण प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। वे उषा नायर का स्थान लेंगी। नायर डीएसपी से रिटायर हो रही हैं। नई भूमिका में कोमल डीएसपीएएम की वितरण रणनीति का नेतृत्व करेंगी। कंपनी का लक्ष्य वितरण भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना और देशभर के निवेशकों तक अपने निवेश सॉल्यूशन की पहुंच बढ़ाना है।कोमल को वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्हें वितरण, सेल्स नेतृत्व, कस्टमर एंगेजमेंट और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव है। वह जियोब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड से डीएसपीएएम में आईं हैं।जियोब्लैकरॉक में वह चीफ क्लाइंट ऑफिसर के रूप में कार्यरत थीं। वहां उन्होंने सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल पहलों का नेतृत्व किया। वितरण हमारे लिए केवल विकास का माध्यम नहीं है। यह भागीदारों के साथ दीर्घकालिक संबंधों के जरिए निवेशकों का भरोसा कायम रखने का तरीका है।

डब्लूयूडी ने विश्व फोटो ग्राफी दिवस मनाया

नई दिल्ली। डब्लूयूडी ने अपने कैंपस में एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन कर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया।इस प्रदर्शनी में युनिवर्सिटी के अलग अलग विभागों के छात्रों द्वारा खींची गई लगभग 250 तस्वीरों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया जिनमें इन छात्रों की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और किस्सागोई की कला की झलक दिखाई दी। इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों, फैकल्टी के सदस्यों और आरआईएम स्कूल, चंडीगढ़ से विशिष्ट अतिथियों और विद्यार्थियों सहित भारी संख्या में लोगों को आकर्षित किया।यहां आने वाले लोगों ने कई तरह की फोटोग्राफी तकनीकों का अनुभव किया जैसे कि बैक-लिट इमेज, सुपरइंपोज्ड डांस फॉर्म, एडिटोरियल पिक्टोरियल्स और दिलचस्प कहानियां बताने वाले फोटो एसेज। यहां प्रदर्शित चीजों में मुंबई की एक फोटो स्टोरी खास थी जिसमें फ्लावर चेन और डिलीवरी चेन को दिखाया गया था।इसे स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट के छात्रों ने तैयार किया था। वहीं, दूसरी ओर, स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन के छात्रों ने डांस के जरिए इसकी कहानी सुनाई। इस आयोजन में पहाड़ियों की तस्वीरें और वहां के जीवन की झलकियां भी प्रस्तुत की गईं जिन्हें स्कूल ऑफ फैशन कम्युनिकेशन के विद्यार्थियों ने कैमरे में कैद किया था।

हिंदी जी5 पर 28 अगस्त को रिलीज होगी बंदर

मुंबई। हिंदी जी5 पर अलग-अलग नजरिए से दमदार कहानियां देखने को मिलती हैं अब बंदर के साथ हिंदी जी5 हमारे समय की एक बेहद असहज और विवादित चर्चा को सामने ला रहा है। हमने सालों से ऐसी कहानियां सुनी हैं, जिनमें महिलाएं हिम्मत जुटाकर अपनी बात सामने रखती हैं। बंदर एक चौंकाने वाला सवाल पूछता हैः क्या पुरुष भी पीड़ित हो सकते हैं #मीटूफॉरमैन की चर्चा से जुड़ी बंदर एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक महिला के लगाए आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। सच्चाई सामने आने से पहले ही लोगों की राय, मीडिया की जांच-पड़ताल और समाज का फैसला उस पर हावी हो जाता है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी और बॉबी देओल के दमदार अभिनय से सजी बंदर इस बात को दिखाती है कि किसी व्यक्ति को दोषी मान लेने के कितने गंभीर और दुखद परिणाम हो सकते हैं। यह फिल्म एक क्राइम ड्रामा / साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो 28 अगस्त 2026 को प्रीमियर होगी। इसका निर्माण सैफ्रन मैजिकवर्क्स और जी स्टूडियोज ने किया है।

सेंसेक्स में 3.11 अंकों की उछाल

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगभग स्थिर बंद हुए।

विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल के दोबारा बढ़ने और कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतों ने निवेशकों को बाजार में आक्रामक रुख अपनाने से रोकने का काम किया। बीएसई का 30 शेयर पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 3.11 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,540.83 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 77,725.67 के उच्च और 77,445.86 के निचले स्तर तक गया। इस दौरान इसमें 279.81 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयर वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 20.15 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,252 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, ट्रेंट, मारुति, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और एचसीएल टेक में गिरावट रही। बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार सीमित दायरे में रहा। निवेशकों ने बृहस्पतिवार की तेजी को कायम रखने की कोशिश की, लेकिन बाजार को निर्णायक दिशा देने को लेकर उनमें भरोसे की कमी रही। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान गतिरोध ने ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिम बनाए रखा है और तेल की कीमतें भारत के लिए असहज स्तर पर बनी हुई हैं। अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल में हालिया बढ़ोतरी ने भी अनिश्चितता बढ़ाई है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत बढ़कर 93.84 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 0.81 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 0.39 प्रतिशत की बढ़त पर रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में बीमा खंड में 0.94 प्रतिशत की तेजी रही जबकि उपयोगिता खंड में 0.69 प्रतिशत, मिड-स्मालप्राइवेट बैंक खंड में 0.65 प्रतिशत और बिजली खंड में 0.64 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर ऊंचा बॉन्ड प्रतिफल बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई की आशंका के बीच अमेरिकी वित्त विभाग के बॉन्ड प्रतिफल कम करने के बावजूद बाजार को टिकाऊ राहत नहीं मिली है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 583.36 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर डॉलर और घरेलू बाजार में सकारात्मक रुख के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में बढ़त में रहा। हालांकि, वैश्विक तनाव जारी रहने के कारण रुपये ने शुरुआती बढ़त गंवा दी।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.69 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.65 प्रति डॉलर के उच्चतम और 95.75 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक गया। अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की गिरावट के साथ 95.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। हमें उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तथा अमेरिकी प्रशासन द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की चर्चा के बीच रुपया मामूली नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। कच्चे तेल की उंची कीमतें भी रुपये पर दबाव डाल सकती हैं। हालांकि, ब्याज दर में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट रुपये को निचले स्तर पर बल दे सकती है।

कारोबारियों की नजर अमेरिका के सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। डॉलर के मुकाबले रुपये की हाजिर दर 95.50 से 96 के दायरे में रहने का अनुमान है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.65 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 93.39 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान का समर्थन करने वाले देशों को लेकर नयी चेतावनी दी हैं। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 3.11 अंक बढ़कर 77,540.83 और निफ्टी 20.15 अंक की बढ़त के साथ 24,252 अंक पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 583.36 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

सेबी ने शुल्क नहीं चुकाने वाले 15 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण किया रद्द

नयी दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनिवार्य नवीनीकरण शुल्क का भुगतान नहीं करने वाले 15 निवेश सलाहकारों के पंजीकरण प्रमाणपत्र शुक्रवार को रद्द कर दिए।

सेबी (निवेश सलाहकार) विनियम, 2013 के तहत पंजीकृत निवेश सलाहकारों को अपना पंजीकरण वैध बनाए रखने के लिए हर पांच साल में नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करना होता है। नियामक ने पाया कि इन 15 सलाहकारों ने निर्धारित अवधि के भीतर नवीनीकरण शुल्क का भुगतान नहीं किया। सेबी ने जून में इन संस्थाओं को नोटिस जारी कर पूछा था कि उनके पंजीकरण को निलंबित या रद्द क्यों नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, निर्धारित समयसीमा के भीतर संस्थाओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। नियामक ने कहा कि नवीनीकरण शुल्क का भुगतान नहीं किए जाने के कारण इनका पंजीकरण प्रभावी नहीं रहा और इसलिए इनके पंजीकरण प्रमाणपत्र तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए। सेबी ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण रद्द होने से इन सलाहकारों की पूर्व में पंजीकृत निवेश सलाहकार के रूप में की गई गतिविधियों से उत्पन्न देनदारियां समाप्त नहीं होंगी। जिन 15 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द किया गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.9 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 9.90 अरब डॉलर बढ़कर 716.91 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह, सात अगस्त को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 14.14 अरब डॉलर बढ़कर 707.002 अरब डॉलर रहा था। इस साल 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से कई सप्ताह तक भंडार में गिरावट आई थी। रुपये पर दबाव बढ़ने के बीच आरबीआई को डॉलर की बिक्री के जरिये विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 14 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.22 अरब डॉलर बढ़कर 581.85 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में इन विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। आरबीआई और सरकार ने पिछले महीने देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने के लिए कई उपाय शुरू किए थे, जिनमें विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा से जुड़े उपाय भी शामिल है। देश को 13 अगस्त तक रियायती मुद्रा अदला-बदली के तहत 56.85 अरब डॉलर प्राप्त हो चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.68 अरब डॉलर बढ़कर 111.42 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) पांच करोड़ डॉलर घटकर 18.74 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में देश का आरक्षित भंडार पांच करोड़ डॉलर बढ़कर 4.89 अरब डॉलर रहा।

सोना-चांदी में तेजी बरकरार, तीन माह से अधिक के उच्च स्तर पर

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और दोनों धातुओं के भाव तीन महीने से अधिक के उच्च स्तर पर पहुंच गए। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख से कीमती धातुओं में निवेश बढ़ा।

स्थानीय सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना ।,200 रुपये बढ़कर ।,63,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों समेत) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव ।,62,300 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

यह कीमती धातु पिछली बार 19 मई को इन स्तरों के आसपास थी, जब इसकी कीमत ।,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी में भी तेजी का रुख दिखा और इसकी कीमत 5,000 रुपये बढ़कर 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। यह चांदी का 15 हफ्तों का उच्चतम स्तर है। बृहस्पतिवार को चांदी 10,000 रुपये के उछाल के साथ 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इस तरह दो सत्र में ही चांदी के भाव में 15,000 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। चांदी पिछली बार चार मई को इन स्तरों के आसपास देखी गई थी, जब इसकी कीमत 2,49,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। शुक्रवार को सोने की कीमतों में तेजी जारी रही।

राजमार्गों पर सुरक्षा मजबूत करने पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों में तेजी लाने पर चर्चा की।

एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बैठक के दौरान एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा प्रबंधन की मौजूदा स्थिति का विस्तृत ब्योरा दिया। इसमें सड़क सुरक्षा प्रदर्शन और उभरते रुझान, संस्थागत व्यवस्था एवं प्रशासन, राजमार्ग सुरक्षा इंजीनियरिंग एवं संचालन तथा सड़क सुरक्षा ऑडिट और दुर्घटना संभावित स्थानों के प्रबंधन को शामिल किया गया। बयान के अनुसार, बैठक में मौजूदा संस्थागत व्यवस्थाओं, इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं और संचालन प्रणालियों की समीक्षा की गई। साथ ही, सुरक्षित प्रणाली आधारित दृष्टिकोण अपनाकर सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बयान में कहा गया कि दोनों संस्थान समय-समय पर समीक्षा बैठकों के माध्यम से नियमित रूप से मिलकर उभरती चुनौतियों की पहचान करेंगे।

भारत में लॉन्च हुई नई बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस

नई दिल्ली। नई बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस को आज भारत में लॉन्च किया गया। बीएमडब्ल्यू एक्स1 देश की सबसे सफल लग्जरी स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल है और अब इसका नया अवतार लॉन्ग व्हीलबेस पेश किया गया है, जिसमें मिलती है बेहतर प्रदर्शन के साथ कई डिजिटल अपग्रेड्स ।नई बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस का पेट्रोल वेरिएंट बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय रूप से उत्पादित किया जाता है और आज से बीएमडब्ल्यू डीलरशिप पर इसकी बुकिंग की जा सकती है ।ह्लबीएमडब्ल्यू एक्स1 भारत में एक शानदार सफलता की कहानी रही है और लग्जरी एसयूवी सेगमेंट में अपनी बढ़त बनाए हुए है। नई बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस एक दमदार नई पेशकश के साथ इस बढ़त को और आगे बढ़ाती है। ज्यादा जगह, ज्यादा आराम, ज्यादा टेक्नोलॉजी और ज्यादा शानदार मौजूदगी। अपने सेगमेंट की सबसे लंबी, सबसे ऊंची और सबसे चैड़ी कार होने के नाते, यह ऐसी जगह और पिछली सीट पर ऐसा आराम देती है जो वाकई बेमिसाल है, साथ ही यह बीएमडब्ल्यू की पहचान बनी फुर्ती, परफॉर्मेंस और ड्राइविंग के मजे को भी बरकरार रखती है।

जावा येज्दी ने अपनी डिजिटल पहुंच का विस्तार किया

बंगलुरु। जावा येज्दी मोटरसाइकल्स ने अमेजन.इन और फ्लिपकार्ट पर येज्दी रोडस्टर रेड वुल्फ को लॉन्च किया, जिससे भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए उनकी यह नवीनतम रोडस्टर अधिक व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकेगी। यह कदम ब्रांड के 'डिजिटल-फर्स्ट' दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे ग्राहक अपने अधिकृत डीलरशिप नेटवर्क के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से आसानी से बाइक को खोज सकते हैं और ओनरशिप की शुरूआत कर सकते हैं। येज्दी रोडस्टर अपनी विशिष्ट स्टाइलिंग और बेहतरीन इंजीनियरिंग के कारण राइडर्स के बीच काफी लोकप्रिय रही है। जब रेड वुल्फ सामने आई, तो इसने अपने राइडर्स को एक अलग ही अंदाज में आकर्षित किया।

जीएसटीएटी अध्यक्ष ने दायर अपीलों की संख्या कम होने पर चिंता जतायी

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अब तक दायर मामलों की संख्या कम होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अब तक केवल 74,758 मामले ही दायर किए गए हैं, जबकि उन्हें करीब ढाई लाख मामलों की उम्मीद थी। जीएसटीएटी का ई-फाइलिंग पोर्टल 24 सितंबर, 2025 को शुरू हुआ था और अपील दायर करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 थी। उन्होंने कहा कि प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष करीब 3.5 लाख मामले दायर किए गए थे, जिससे जीएसटीएटी के समक्ष आने वाले संभावित मामलों का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर से अब तक 74,758 मामले दायर किए गए हैं और करीब 30,000 अतिरिक्त टोकन जारी किए गए हैं।

डीएचएल एक्सप्रेस की राखी एक्सप्रेस भारत से अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट पर 50 फीसद की छूट

मुंबई। दूरी का यह अर्थ नहीं है कि रक्षाबंधन को खास बनाने वाली छोटी-छोटी बातें छूट जाएँ। डीएचएल एक्सप्रेस ने राखी एक्सप्रेस को वापस लाया है, जिसके तहत ग्राहकों को भारत से अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट * पर फ्लैट 50% की छूट दी जा रही है, ताकि वे दुनिया भर में अपने प्रियजनों को राखियाँ और उपहार भेज सकें। यह ऑफर 27 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक मान्य है और इसे प्रोमो कोड डीएचएलराखी50 के साथ उपयोग किया जा सकता है। ग्राहक पूरे भारत में डीएचएल एक्सप्रेस और ब्लू डार्ट रिटेल सर्विस पॉइंट्स, माइडीएचएल + या डीएचएल एक्सप्रेस कस्टमर सर्विस के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं। अलग-अलग देशों और महाद्वीपों में रहने वाले परिवारों के लिए एक राखी, एक उपहार या एक छोटा-सा त्योहारी सरप्राइज भी उसके भौतिक मूल्य से कहीं अधिक महत्व रख सकता है। राखी एक्सप्रेस को इन निजी पलों को भेजना आसान, अधिक सुलभ और अधिक किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है।

पेज एक का शेष

बार्डर को

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कार्यक्रमों में कभी हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने मंच पर उनके साथ मौजूद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को यह चलन तोड़ने के लिए बधाई दी। गृह मंत्री ने कहा पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री निमंत्रण भेजे जाने के बावजूद एसएसबी के समारोहों में कभी शामिल नहीं हुए। एसएसबी कोई राजनीतिक संगठन नहीं है। यह बल ऐसी बातों से ऊपर है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बलों के प्रति इस तरह की उदासीनता से गलत संदेश जाता है। शाह पश्चिम बंगाल में शुभेंदु के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद बृहस्पतिवार शाम बागडोगरा पहुंचे। उन्होंने केंद्र की सुरक्षा संबंधी जरूरतों पर तुरंत कार्वाई करने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। शाह ने कहा हमें सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जो भी चाहिए था, वह शुभेंदु अधिकारी के सत्ता में आने के बाद मिला। अब तो परियोजनाओं के लिए औपचारिक पत्र भेजे जाने से पहले ही राज्य की मंजूरी मिल जाती है। उन्होंने कहा बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए हमें 560 एकड़ जमीन की जरूरत थी, लेकिन ममता बनर्जी की पूर्ववर्ती सरकार ने इतने वर्षों तक यह जमीन नहीं दी। मैं शुभेंदु अधिकारी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने सत्ता में आने के तुरंत बाद जमीन सौंपने को मंजूरी दी। आज इस कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी हमारे लिए सोने पर सुहागा है।

भारत का

उपग्रह, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया, अंतरिक्ष मलबा हटाने तथा कृत्रिम मेधा आधारित स्थानीय मौसम एवं जलवायु संबंधी प्रौद्योगिकी से जुड़ी कंपनियों के प्रमुख शामिल हुए।

जापान की

से जोड़कर उन्हें ग्लोबल इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। जापान ने दुनिया को दिखाया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद डिसिप्लिन, विल पावर, हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड, इनोवेशन और नेशन फर्स्ट की भावना के साथ सही दिशा में प्रयास किया जाए तो कोई भी चुनौती मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। जापान आज विश्व की प्रमुख इकोनॉमिक एंड इंडस्ट्रियल पावर के रूप में स्थापित है। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स और हाई क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग के साथ क्लीनलीनेस और कलेक्टिव रिस्पॉन्सिबिलिटी के लिए भी उसकी पूरी दुनिया में अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार स्किल और स्किल के अनुसार एंप्लॉयमेंट। जापानी कंपनियों के साथ मिलकर सेक्टर-स्पेसिफिक ट्रेनिंग प्रोग्राम तैयार किए जाएंगे, जिससे कंपनियों को प्रशिक्षित वर्कफोर्स और युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि फरवरी 2026 में जापान यात्रा के दौरान जापानी सीईओ, बिजनेस एसोसिएशन और इंडस्ट्री प्रतिनिधियों के साथ हुई बातचीत को आगे बढ़ाया जा रहा है। यामानाशी के साथ विकसित सहयोग मॉडल को जापान के अन्य प्रीफेक्चर्स तक भी ले जाने की योजना है। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों और जापानी विश्वविद्यालयों के बीच भी साझेदारी बढ़ाई जाएगी। हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग और तकनीकी की शिक्षा से जुड़े युवाओं के लिए जापानी भाषा, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

सेमीकंडक्टर

क्षेत्र की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजने की जानकारी दी। यह टीम सितंबर के मध्य में सेमीकॉन इंडिया के साथ एचसीएल टेक्नोलॉजीज का दौरा भी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता को जोड़कर उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। प्रदेश सरकार जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की सेमीकंडक्टर समिति की बैठक में भी सहभागिता की संभावनाओं पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा स्थित जापान सिटी भारत-जापान औद्योगिक साझेदारी का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। यामाहा, डेंसो, एनटीटी डेटा, टोयो इंक और पैनासोनिक जैसी जापानी कंपनियां पहले से उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं। जापान सिटी के आसपास विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर और बेहतर कनेक्टिविटी निवेश की संभावनाओं को और मजबूत कर रहे हैं। जेईटीआरओ और जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से प्रदेश में जापानी निवेश को और विस्तार देने पर भी चर्चा हुई। मानव संसाधन और कौशल विकास को भी बैठक में विशेष महत्व दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विशाल युवा मानव संसाधन को जापानी उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सकता है। जापानी तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम और विशिष्ट कौशल श्रमिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को जापान में रोजगार तथा अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव के अवसर मिल रहे हैं। दोनों पक्षों ने ऐसे स्किल डेवलपमेंट सेंटर विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की, जहां युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, जापानी भाषा और उद्योग आधारित कौशल उपलब्ध कराया जा सके। विनिर्माण, कृषि और नर्सिंग केयर जैसे क्षेत्रों में जापान में उपलब्ध रोजगार अवसरों के लिए युवाओं को तैयार करने पर भी जोर दिया गया।

गिरगिट की

कहा कि कल्याण सिंह दबाव में आकर काम करने वाले व्यक्ति नहीं थे। वह कहा करते थे कि कल्याण सिंह टूट सकता है, लेकिन झुक नहीं सकता। बाबूजी ने जीवनभर अपने इस वचन को निभाया। योगी ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कल्याण सिंह ने स्पष्ट कहा था कि संघर्ष स्वीकार्य है और सत्ता चली जाए, यह भी स्वीकार है, लेकिन प्रभु श्रीराम का अपमान स्वीकार्य नहीं। उन्होंने कहा कि रामभक्तों पर गोली नहीं चलाने के निर्णय के लिए कल्याण सिंह ने सत्ता की भी परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर और रामलला का विराजमान स्वरूप देखते समय कल्याण सिंह की स्मृति स्वाभाविक रूप से सामने आती है। संतों के संघर्ष, आरएसएस के मार्गदर्शन और विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में चले राम जन्मभूमि आंदोलन का कल्याण सिंह ने खुलकर समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह के निधन के बाद समाजवादी पार्टी के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सामान्य शिष्टाचार और संस्कार के तहत मायावती ने आकर बाबूजी को श्रद्धांजलि दी, लेकिन सपा मुखिया ने प्रत्यक्ष रूप से श्रद्धांजलि देना तो दूर, शब्दों से भी कुछ व्यक्त नहीं किया।

यूपी में ऐप

चरित्र एवं पुलिस सत्यापन तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराया जाएगा। समय-समय पर रिफ्रेशर ट्रेनिंग भी दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत एग्रीगेटर को आवेदन के लिए 25 हजार रुपये और लाइसेंस के लिए 5 लाख रुपये शुल्क देना होगा। वाहन बेड़े के आकार के आधार पर 10 लाख से 50 लाख रुपये तक सुरक्षा जमा राशि निर्धारित की गई है। प्रत्येक एग्रीगेटर को ग्रिवांस रिड्रेसल ऑफिसर नियुक्त करना होगा। यात्री किराये, बुकिंग, चालक या सेवा से जुड़ी शिकायतें निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। नई नीति में एनसीआर क्षेत्र में वाहन प्रदूषण की निगरानी के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था पर जोर दिया गया है। साथ ही एग्रीगेटर फ्लीट में पेट्रोल-डीजल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रावधान किए गए हैं। सरकार के अनुसार वढ ट८ ऋीं३ पोर्टल पर वर्तमान में एनसीआर के दो एग्रीगेटर और उनके 3,15,218 वाहन ऑनबोर्ड हैं। डिजिटल पोर्टल के जरिए वाहनों के संचालन, नियमों के अनुपालन, प्रदूषण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की स्थिति की निगरानी की जा सकेगी। नई एग्रीगेटर नीति से सरकार, कंपनियों, ड्राइवरों और यात्रियों–सभी के लिए नियम और जिम्मेदारियां अधिक स्पष्ट होने की उम्मीद है। इससे प्रदेश में ऐप आधारित परिवहन और डिलीवरी सेवाओं को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने

तत्वों को नियंत्रित करने, निशाना बनाने और दंडित करने के उद्देश्य से बनाया गया था। जन्म से ही निष्प्रभावी एक कानूनी शब्द है, जिसका इस्तेमाल किसी अधिनियम को उसकी शुरुआत से ही अमान्य, शून्य या कानूनी रूप से मृत बताने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह एक वैध कानूनी अपराध को परिभाषित करने में विफल रहता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कानून हिंसा रोकने के बहाने नागरिकों के खिलाफ ही हिंसा को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने अंग्रेजी लेखक जॉर्ज ऑरवेल का उल्लेख करते हुए कहा, जो लोग हिंसा से दूर रहते हैं, वे ऐसा केवल इसलिए कर सकते हैं क्योंकि उनकी ओर से अन्य लोग हिंसा कर रहे होते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपराधिक गिरोहों के खतरे को रोकना ज़रूरी है, लेकिन मकसद को पाने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल सही नहीं ठहराया जा सकता, खासकर तब जब ऐसा कोई दंडात्मक कानून बनाया जा रहा हो जो नागरिकों की आज़ादी में दखल देता हो।

भारतीय युवा में

समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को एक स्थान पर प्रदर्शित करने और ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में महिला स्वयं सहायता समूहों ने आर्थिक गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। महिलाएं अब पारंपरिक कार्यों को व्यवसाय का रूप देने के साथ उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बिक्री के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं। सरकार का प्रयास है कि उनके उत्पादों को केवल स्थानीय स्तर तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनकी पहचान बड़े बाजारों में भी बने।

यूपी में गंगा

बढ़ गया है। बहराइच में घाघरा खतरे के निशान से 41 सेंटीमीटर ऊपर है और 10 गांवों में पानी भरा है। बाराबंकी के 36 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। गोंडा में घाघरा 41 सेंटीमीटर ऊपर है, जिससे नौ ग्राम पंचायतों की करीब आठ हजार आबादी प्रभावित है। अयोध्या में सरयू खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर है। अंबेडकरनगर में भी तटीय गांव प्रभावित हैं। लगातार बारिश से चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर 129.40 मीटर पहुंच गया, जो खतरे के निशान से 2.90 मीटर ऊपर है। रामघाट की सड़कों पर नाव चलने लगी। टेंपो स्टैंड, रत्नावली और कामदगिरि मार्ग तक पानी पहुंच गया। कई मंदिरों के रास्ते बंद कर दिए गए। गुप्त गोदावरी, स्फटिक शिला और सती अनुसुइया आश्रम में पर्यटकों का प्रवेश रोक दिया गया। अमरोहा में गंगा का जलस्तर 201 मीटर पहुंच गया है, जबकि खतरे का निशान 202 मीटर है। संभल में जलस्तर 178.22 मीटर है, जो खतरे के निशान के करीब है।

राजस्थान में

कॉजपा टीम के सदस्यों के साथ तीखी बहस करते, उनलोगों को गांव में प्रवेश करने से रोकते और धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। कुछ वीडियो में कारों की टूटी हुई खिड़कियां भी नजर आईं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे कॉजपा टीम की थीं। आज सारी हदें पार हो गईं। पिछले कई वर्षों से रामपुरा कंवरपुरा का स्कूल एक भैंस के बाड़े में चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निरीक्षण के लिए पहुंचने पर टीम पर खुलेआम हमला किया गया और पथराव भी किया गया तथा कारों की खिड़कियां तोड़ दी गईं। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों के कपड़े फाड़े गए और स्वयं उनके कपड़े भी फाड़े गए।

त्रीसा-गायत्री की जोड़ी सेमीफाइनल में

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक पक्का किया

नयी दिल्ली। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को यहां पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए महिला युगल क्वार्टर फाइनल में चीन की जिया यी फैन और झांग शू जियान को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक पक्का किया।

भारत की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी ने एक घंटे नौ मिनट तक चले मैच में 16-21 21-15 21-13 से जीत हासिल की। उन्होंने अंतिम चार में पहुंचकर अपने लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। भारत ने पिछली बार 2011 में महिला युगल में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता था। तब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में कांस्य पदक हासिल किया था। गायत्री ने कहा कि हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे थे। लेकिन पहले गेम के बाद हमने अपनी रणनीति बदल दी। शुरुआत में यह थोड़ा मुश्किल था। लेकिन हम संयमित रहे और जीत हासिल करने में कामयाब रहे। त्रीसा ने दबाव वाली स्थितियों से निपटने में मदद के लिए मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद की शांत बने रहने की सलाह को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा कहते हैं कि बस शांत रहो और वर्तमान पल में रहो। मुझे लगता है कि आज इसने सही में काम किया। मुझे लगता है कि हमें इसी तरह की सलाह मिली थी। गायत्री ने कहा कि किसी खास प्रतिद्वंद्वी को निशाना बनाने की कोई विशेष योजना नहीं थी, लेकिन उन्होंने कहा कि वे जानबूझकर अपने पैरों को चलाए रखने और धैर्य बनाए रखने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ था। हम अपनी रणनीति के बारे में बहुत कुछ बताना नहीं चाहते। मुझे लगता है कि हम बस रोटेट कर रहे थे। हम बस चाहते थे कि हमारे पैर चलते रहें और हम कोर्ट पर शांत रहें।

उन्होंने कहा कि यही सबसे महत्वपूर्ण बात है क्योंकि वे विश्व रैंकिंग में चौथे या पांचवें नंबर पर हैं। इसलिए वे आसानी से अंक नहीं देने वाली थी। इसलिए हम बस धैर्य रखना चाहते थे। यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है। भारतीय जोड़ी ने घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के बीच पहला गेम हारने के बाद बेहतर स्मैश और साफ-सुथरे नेट प्ले के दम पर मैच का रुख पलट दिया। भारतीय टीम इस मैच में चीन की प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 0-3 के रिकॉर्ड के साथ उतरी थी। त्रीसा और गायत्री शुरुआत में ।-6 से पिछड़ गईं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल करके स्कोर 8-9 कर दिया। चीन की टीम ने हालांकि इंटरवल तक तीन अंक की बढ़त बना ली थी। भारतीय जोड़ी ने अपना संघर्ष जारी रखा और कुछ बेहतरीन रैलियों के बाद 13-15 के स्कोर पर चीनी खिलाड़ियों के करीब पहुंच गई। हालांकि झांग और जिया ने 17-14 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम जीत लिया। झांग और जिया ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बरकरार रखी और पहले 5-। और फिर 10-7 से बढ़त ले ली। भारतीय जोड़ी ने हालांकि जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-10 कर दिया। मुकाबला काफी कड़ा रहा और एक समय स्कोर 15-14 तक पहुंच गया लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही 19-14 की बढ़त बना ली और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में त्रीसा और गायत्री ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 11-5 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार तीन अंक जीतकर इसे 14-7 तक पहुंचा दिया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद कुछ गलतियों के कारण अंक गंवाए लेकिन यह सिलसिला लंबे समय तक नहीं चला और उन्होंने 17-9 की बढ़त बना ली। गायत्री और जिया व झांग के बीच तीखी नोकझोंक मैच के मुख्य आकर्षणों में से एक थी। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल किए। जिया और झांग ने दो मैच प्वाइंट बचाए, लेकिन वह भारतीय टीम को जीत हासिल करने से नहीं रोक पाई। त्रीसा जश्न मनाते हुए कोर्ट पर गिर पड़ीं, जबकि गायत्री को विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का कर लिया है। इससे पहले, त्रीसा और गायत्री 2022 और 2023 में ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। उन्होंने 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक भी जीता और पिछले साल की शुरुआत में शीर्ष 10 में जगह बनाई। हालांकि इस साल की शुरुआत में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप और उबर कप से पहले ट्रेनिंग के दौरान त्रीसा के टखने में चोट लग गई। फिर रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के बाद त्रीसा और गायत्री ने इंडोनेशिया ओपन में वापसी की और फिर अमेरिका ओपन में खेलीं जिसके बाद इस महीने की शुरुआत में उन्होंने फिलीपीन इंटरनेशनल चैलेंज जीता।

काजल ने लगातार दूसरी बार अंडर-20 विश्व खिताब जीता, तनु और सविता को रजत

ब्रातिस्लावा। काजल धोचक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार खिताब जीता, जबकि तनु शर्मा और सविता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

काजल ने फाइनल में चीन की जिंगरू सन को 7-0 से हराकर 76 किलोग्राम वर्ग का खिताब अपने नाम किया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल 72 किलोग्राम वर्ग में अंडर-20 विश्व खिताब जीता था। काजल पहले ही सीनियर स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उन्होंने इस साल जून में मंगोलिया में रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने जुलाई में बुडापेस्ट प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने पटाया में अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप भी जीती। इस बीच तनु ने 72 किलोग्राम वर्ग में जापान की चिसातो योशिदा के खिलाफ स्वर्ण पदक के मैच में कड़ा मुकाबला किया, लेकिन आखिर में 3-5 से हार गईं। सविता 62 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जापान की साकुरा ओनीशी से तकनीकी श्रेष्ठता (2-12) से हार गईं। मानसी लादर भी 68 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक की दावेदार हैं। फाइनल में उनका मुकाबला चीन की चेनलिंग सोंग से होगा, जबकि कोमल 59 किलोग्राम वर्ग के रेपचेज राउंड में स्पेन की रोजा मोलिना रोड्रिगेज से भिड़ेंगी। भारत के किसी भी ग्रीको रोमन पहलवान ने पदक नहीं जीता।

ब्रिक्स युवा और खेल मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे मांडविया

नयी दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया शनिवार से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली ब्रिक्स खेल और युवा मामलों के मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जहां अंतिम दिन खेलों के निर्माण और स्वदेशी विधाओं पर केंद्रित एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया जाएगा। इस बैठक में ब्रिक्स के सभी 11 सदस्य देशों के मंत्री और प्रतिनिधिमंडल युवा मामलों और खेलों में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से भाग लेंगे। खेल मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि खेल मंत्रियों की बैठक में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे जिसके बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी किया जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता मांडविया करेंगे और खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी इसमें भाग लेंगी। खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इन अधिकारियों में खेल सचिव हरि रंजन राव भी शामिल हैं।

संक्षेप

इस बार हैदराबाद में होगी टेनिस प्रीमियर लीग

हैदराबाद। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का आठवां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट तेलंगाना सरकार के सहयोग से एलबी टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट 25 अंक के विशिष्ट प्रारूप में खेला जाएगा। इस लीग में जीएस दिल्ली एसेस, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, लखनऊ ब्लेज़र्स, गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स, गुजरात पैंथर्स, राजस्थान रेंजर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स और मुंबई रॉयल्स की टीम प्रतिस्पर्धा करती हैं। पिछली बार यह टूर्नामेंट अहमदाबाद में खेला गया था।

डुप्लांटिस को पोल वॉल्ट का खिताब विश्व रिकॉर्ड से चूके

लुसाने। मोंडो डुप्लांटिस ने डायमंड लीग प्रतियोगिता में पोल वॉल्ट में स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह विश्व रिकार्ड बनाने से चूक गए। ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने 6.32 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए दो प्रयास किए, लेकिन इसमें नाकाम रहे। डुप्लांटिस ने 6.21 मीटर की ऊंचाई को पहली बार में ही पार कर लिया जो उनका मार्च के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में 6.25 मीटर की ऊंचाई पार करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था और स्वर्ण पदक जीता था। डुप्लांटिस के घनिष्ठ मित्र और प्रतिद्वंद्वी एम्मानौइल कारालिस ने 6.16 की ऊंचाई पार की और उन्होंने रजत पदक जीता।

रायबाकिना के हटने से स्वियातेक सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

मेसन (अमेरिका)। एलेना रायबाकिना के टखने की चोट के कारण पहले सेट से हट जाने से इगा स्वियातेक ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जब दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना ।-4, 40-40 के स्कोर पर सर्व कर रही थीं, तब उन्होंने अपने बाएं टखने का इलाज कराने के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया और कुछ ही क्षण बाद मैच से हट गई। मौजूदा चैंपियन स्वियातेक ने सिनसिनाटी में अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में कम से कम सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला ने अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को 6-4, 2-6, 7-6 (4) से हराकर इस सत्र की अपनी 44वीं जीत दर्ज की।

गिल ने नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों का सामना किया, कुलदीप और राहुल ने अभ्यास नहीं किया

कोलंबो। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने अपने निराशाजनक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को यहां इस तरह के गेंदबाजों के सामने कड़ा अभ्यास किया।

गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में गिल बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के हाथों दो बार आउट हुए। इस मैच में उन्होंने 16 और आठ रन बनाए। भारत ने यह मैच 165 रन से जीता। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से यहां शुरू होगा। गिल सही लाइन का अनुमान नहीं लगा पाने के कारण बाएं हाथ के परंपरागत गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। पहले टेस्ट मैच में भी जयसूर्या को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही थी। टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने 11 बार आउट किया है। गिल ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब की नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। उन्होंने काफी समय तक मानव सुथार, रविंद्र जडेजा और कुछ स्थानीय गेंदबाजों का सामना किया। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने गिल के नेट सत्र के बारे में जानकारी दी और कहा कि वह कोलंबो की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश कर रहे थे।

बहुतुले ने कहा कि जिस तरह से वह खेलते हैं, रन प्रवाह हमेशा बना रहता है। इसलिए वह पिच की स्थिति, पिच की गति का आकलन कर रहे हैं और यह अनुमान लगा रहे हैं कि वह किस तरह के शॉट लगा सकते हैं। वह खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह किस तरह से खेलेंगे इसकी रणनीति बनाने में उन्हें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। वह हर पारी में अपने स्वाभाविक तरीके से खेलते हैं। गिल का ऑफ-स्पिनरों और लेग-स्पिनरों के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ उनका संयुक्त औसत 61 है, जबकि सभी प्रकार के स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर औसत 48 है। पहले टेस्ट मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव टीम के साथ अभ्यास के लिए पहुंचे थे।

विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में सात्विक - चिराग की जोड़ी हारी

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी का बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व चैंपियनशिप में तीसरा पदक जीतने का सपना शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से सीधे गेम में हार के साथ टूट गया।

दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय जोड़ी को चीन के पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी ने 36 मिनट में 21-18, 21-9 से हराया। सात्विक और चिराग ने 2022 और 2025 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते थे। इससे पहले हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ पदक पक्का कर भारतीय प्रशंसकों को खुशी मनाने का मौका दिया। भारतीय जोड़ी ने चीन की जिया यी फान और झांग शू शियान को एक घंटे नौ मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-15, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपना कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने लंदन में 2011 में महिला युगल में विश्व चैंपियनशिप का पदक जीता था। सात्विक और चिराग का इस जोड़ी के खिलाफ पिछला रिकॉर्ड भी अनुकूल नहीं था। भारतीय जोड़ी ने चार मुकाबले जीते थे, जबकि नौ बार हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय जोड़ी ने हालांकि पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और जोरदार रैलियों के बीच चीनी जोड़ी को कड़ी टक्कर दी। दोनों जोड़ियां 4-4, 8-8 और 10-10 की बराबरी पर रहीं। सात्विक और चिराग ने मिडकोर्ट पर अच्छी पकड़ बनाते हुए ब्रेक तक एक अंक की बढ़त कायम रखी। इसके बाद कोण बनाकर लगाए गए रिटर्न से भारतीयों ने 15-12 की बढ़त बनाई और तेज फ्लैट रैलियों के बाद स्कोर 16-14 कर दिया। लेकिन चिराग की नेट पर हुई गलती और वांग के कूद कर लगाये जोरदार स्मैश ने चीन की जोड़ी को 17-18 तक पहुंचा दिया। सात्विक का शॉट बाहर जाने से स्कोर 18-18 हुआ। इसके बाद लियांग के स्मैश और चिराग की एक और नेट गलती से चीन को दो गेम प्वाइंट मिले, जिसमें दूसरे मौके को उसने भारतीयों की लगातार चौथी गलती के साथ भुना लिया। दूसरे गेम में लियांग और वांग ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और तेज रैलियों पर दबदबा बनाते हुए 9-4 की बढ़त हासिल कर ली। चिराग ने सर्विस पर दो गलतियां भी कीं और पहले गेम की आखिरी गलतियों के बाद उनकी निरंतरता प्रभावित हुई। चीन की जोड़ी ब्रेक तक 11-5 से आगे थी। लियांग और वांग ने शटल को बेहद सपाट रखते हुए अलग-अलग कोणों से शॉट लगाकर भारतीय जोड़ी को संभलने का मौका नहीं दिया और उन्होंने 15-7 की बढ़त बना ली। खासकर लियांग ने भारतीयों की योजना को पहले भांपने और तेज गति से रिटर्न करने के मामले में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद बीच से सीधा शॉट लगाकर उन्होंने दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच से शटल निकालते हुए बढ़त और मजबूत कर दी। सात्विक के नेट में शॉट मारने से स्कोर 17-9 हुआ। बड़ी बढ़त के कारण चीन की जोड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता गया, जबकि भारतीयों की उम्मीदें कमजोर पड़ने लगीं।

श्रीशंकर डब्ल्यूए महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में घरेलू चुनौती की अगुवायी करेंगे

भुवनेश्वर। लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर और एंसी सोजन, धावक अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह उन प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जो शनिवार को यहां होने वाली विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) महाद्वीपीय टूर रजत स्तर की प्रतियोगिता में शीर्ष सम्मान के लिए चुनौती पेश करेंगे।

यह डब्ल्यूए की भारत में आयोजित होने वाली रजत स्तर की पहली प्रतियोगिता है। भारतीय एथलीट इस एक दिवसीय प्रतियोगिता को जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों की तैयारी के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्हें अन्य देशों के खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी जिसमें 2024 पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता जाम्बिया के 400 मीटर धावक मुजाला सामुकोंगा भी शामिल हैं। सामुकोंगा के अलावा नाइजीरिया के दुनिया के 10वें नंबर के गोला फेंक खिलाड़ी चुकवुएबुका एनेकवेची भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे जो राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचे थे। प्रतियोगिता में कुल 18 स्पर्धाएं होंगी जिनमें पुरुषों और महिलाओं के लिए नौ-नौ स्पर्धाएं शामिल हैं। पुरुष एथलीट 100 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 110 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक और भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। वहीं महिलाओं के लिए 100 मीटर, 400 मीटर, 1500 मीटर, 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक और चक्का फेंक की स्पर्धाएं होंगी। खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण विश्व रैंकिंग अंक के साथ नकद पुरस्कार भी मिलेंगे। विजेता को ।,600 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को ।,200 डॉलर और तीसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 900 डॉलर मिलेंगे। भारत ने लगभग सभी 18 स्पर्धाओं में अपने शीर्ष खिलाड़ियों को उतारा है। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में करीब 200 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जिनमें 88 भारतीय हैं। कुल 26 देशों के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इनमें 12 एशियाई देशों के करीब 140 खिलाड़ी शामिल हैं। यह भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर की रजत स्तर की प्रतियोगिता है। पिछले साल यहां कांस्य स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें 17 देशों के 195 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसकी सफलता के बाद विश्व एथलेटिक्स ने इस साल भुवनेश्वर की प्रतियोगिता को रजत स्तर में अपग्रेड किया। पुरुषों की लंबी कूद में श्रीशंकर के अलावा शहनवाज खान, लोकेश सत्यनाथन और पी. डेविड जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ी उतरेंगे। इन सभी का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आठ मीटर से अधिक है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों के पोडियम पर तीनों स्थान हासिल करने की संभावना है।

करो या मरो का मुकाबला है, पूरे 60 मिनट अच्छी हॉकी खेलनी होगी : भारतीय कप्तान हरमनप्रीत

एम्सटेलवीन। पेरिस ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के खिलाफ शनिवार को विश्व कप के दूसरे दौर के मुकाबले को करो या मरो का बताते हुए भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्होंने टीम से इतना ही कहा है कि पूरे 60 मिनट अच्छी हॉकी खेलनी पड़ेगी।

पूल डी में पहले दौर में वेल्स और पाकिस्तान को हराने वाली भारतीय टीम इंग्लैंड से हार गई थी जिससे दूसरे दौर में उसके पास एक भी अंक नहीं होगा। इंग्लैंड पूल डी में भारत पर मिली जीत के तीन अंक लेकर दूसरे दौर में उतरेगा जबकि पूल ए से नीदरलैंड के पास भी तीन अंक है लिहाजा भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाये रखने के लिये नीदरलैंड और अर्जेंटीना को हराना होगा। हरमनप्रीत ने भाषा से बातचीत में कहा, एक क्वार्टर में अच्छा खेलने से नहीं चलेगा, 60 मिनट अहम हैं और पूरे मैच में अच्छा खेलना है। बढ़त बनाने के बाद भी शैली और तेवर में बदलाव नहीं होना चाहिये। जब तक आखिरी सीटी नहीं बजती है हमारी बॉडी लैंग्वेज और जज्बा समान रहे। उन्होंने कहा कि हमने पिछले तीन मैचों में अपनी गलतियों का वीडियो विश्लेषण किया है और फोकस यही रहेगा कि उन्हें दोहराया नहीं जाये। डिफेंस मजबूत रहेगा तो हमें पता है कि हम विरोधी सर्कल में जाकर मौके बना सकते हैं और पीसी हासिल कर सकते हैं। अपनी गलती से गोल नहीं गंवाने हैं। एफआईएच प्रो लीग में जून में भारत ने नीदरलैंड को 3 -2 से हराया था और हरमनप्रीत ने कहा कि उसी रणनीति और चतुराई से खेलकर उस प्रदर्शन को दोहराया जा सकता है। उन्होंने कहा, एफआईएच प्रो लीग में हमने गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा था और अपने हाफ में उन्हें गेंद आसानी से नहीं लेने दी थी। अगर हम उसी रणनीति और ऊर्जा के साथ चतुराई से खेल सके तो उसे दोहरा सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम रोटेशन, रफ्तार और तालमेल पर फोकस करेंगे। राजिंदर, जुगराज, दिलप्रीत जैसे युवा खिलाड़ी अच्छा खेल रहे हैं और हर लाइन में हमारे पास अनुभवी खिलाड़ी है और यह हम सभी पर हैं कि जिम्मेदारी से खेलकर उनका मार्गदर्शन करें। टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक पांच गोल कर चुके हरमनप्रीत डच टीम के निशाने पर होंगे लेकिन उन्होंने कहा कि टीम पर या उन पर कोई दबाव नहीं है। कोई दबाव नहीं है, स्पष्टता है कि मैच जीतना ही है। जब आपके पास विकल्प नहीं होते तो करो या मरो के मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना ही होता है। व्यक्तिगत तौर पर मुझ पर भी कोई दबाव नहीं है क्योंकि अच्छा खेलना मेरी जिम्मेदारी है। अगर विरोधी टीम एक पर ज्यादा फोकस कर रही है तो हमारे पास और भी हथियार हैं जिनका इस्तेमाल कर सकते हैं। हरमनप्रीत ने यह भी कहा कि उनकी टीम को अंडरडॉग के रूप में उतरने का फायदा ही मिलेगा। उन्होंने कहाकि रैंकिंग मायने रखती है लेकिन हम पेरिस में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हरा चुके हैं। अंडरडॉग कहलाने के बावजूद मैच जीतने से अलग ही आत्मविश्वास मिलता है। हमारे पास यह अच्छा मौका है और हम कर सकते हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने इस बात से इनकार किया कि खचाखच भरे वेगनेर स्टेडियम में सह मेजबान नीदरलैंड को मिलने वाले अपार समर्थन से उनकी टीम पर दबाव बनेगा। हम भारत से बाहर काफी हॉकी खेलते हैं और इस तरह के हालात के लिये तैयार रहते हैं। दर्शकों के सहयोग से मदद मिलती है जैसे हमें राउरकेला या भुवनेश्वर में खेलते समय लगता है कि 12वां खिलाड़ी भी दीर्घा में है। इसका जवाब हम गोल करके ही दे सकते हैं ताकि दबाव हम पर नहीं, उन पर रहे। उन्होंने कहा कि भारत को अपने रक्षात्मक ढांचे को बेहतर रखकर खेलना होगा। नीदरलैंड ओलंपिक चैम्पियन है और दुनिया की शीर्ष तीन टीमों में किसी कारण से ही है। उसका पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर बचाव बहुत अच्छा है। हमें डिफेंस में काफी मेहनत करनी होगी। फुल्टोन ने कहा कि भारतीय टीम शीर्ष टीमों को हराने में सक्षम है और प्रो लीग में भी नीदरलैंड पर जीत दर्ज कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हमने पेरिस ओलंपिक में आस्ट्रेलिया पर पचास साल में पहली जीत दर्ज की थी। लेकिन ये सब आंकड़े हैं और अब हमें अगले चौबीस घंटे में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह बेहतरीन मौका है और हम अंडरडॉग के रूप में खेलेंगे जिससे दबाव उन पर रहेगा।

नड्डा ने एच1 एन1 इन्फ्लुएंजा की स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को देश में एच1एन1 इन्फ्लुएंजा की मौजूदा स्थिति और इससे निपटने की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। नड्डा ने सतर्कता बनाए रखने और मजबूत निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह भी शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नड्डा ने देश में निगरानी और महामारी विज्ञान की स्थिति, इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों तथा गंभीर श्वसन संक्रमण के मामलों के रुझान, जांच एवं प्रयोगशाला निगरानी और इन्फ्लुएंजा के मरीजों के इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्रों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने इन्फ्लुएंजा के रुझानों पर करीबी नजर रखने और सक्रिय रूप से तैयारियां सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि मामलों की जल्द पहचान हो सके और मरीजों को समय पर चिकित्सकीय उपचार मिल सके। बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य केंद्रों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाओं और मौसमी इन्फ्लुएंजा तथा गंभीर श्वसन संबंधी बीमारी से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए जरूरी अन्य सामान की उपलब्धता का जायजा लिया गया। केंद्रीय मंत्री ने लोगों में जागरूकता बढ़ाने और बचाव के उपायों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों में लगातार या गंभीर श्वसन संबंधी लक्षण, सांस लेने में कठिनाई या अन्य चेतावनी संकेत दिखाई दें, उन्हें तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि स्थिति पर करीबी और लगातार नजर रखी जा रही है। मंत्रालय निगरानी और तैयारियों को मजबूत करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, अस्पतालों, प्रयोगशालाओं तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ समन्वय कर रहा है। आम तौर पर स्वाइन फ्लू के नाम से जाना जाने वाला एच1एन1 इन्फ्लुएंजा वायरस के उन प्रकारों में शामिल है, जो मौसमी श्वसन संबंधी बीमारी का कारण बन सकते हैं। इसके लक्षणों में बुखार, खांसी और गले में खराश से लेकर संवेदनशील लोगों में गंभीर श्वसन संबंधी जटिलताएं शामिल हैं।

राष्ट्रपति भवन ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर अभ्यास की घोषणा वाला बयान वापस लिया

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को जारी अपने उस बयान को वापस ले लिया जिसमें बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के स्वागत समारोह से जुड़ी पूर्ण तैयारियों के लिए शनिवार के चेंज ऑफ गार्ड समारोह को रद्द करने की घोषणा की गई थी। इससे इस उच्च स्तरीय दौरे को लेकर नए तरह का असमंजस पैदा हो गया है।

पहले बयान में कहा गया था कि राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में कल शनिवार को होने वाला चेंज ऑफ गार्ड समारोह (सुरक्षा गार्ड को बदले जाने से जुड़ा सैन्य कार्यक्रम) अब नहीं होगा, क्योंकि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत के लिए पूर्ण अभ्यास किया जाना है। इस सूचना को वापस लिए जाने से 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले नयी दिल्ली और ढाका के बीच जारी कूटनीतिक तनाव उजागर हो गया है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की हालिया मांग को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव बना हुआ है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी नए बयान में कहा गया, कल शनिवार को चेंज ऑफ गार्ड समारोह नहीं होगा, इस विषय पर 21 अगस्त, 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति वापस ली जाती है। यह बयान उस सूचना के करीब एक घंटे बाद आया, जिसमें राष्ट्रपति भवन ने बताया था कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के स्वागत समारोह के पूर्ण अभ्यास के कारण साप्ताहिक चेंज ऑफ गार्ड समारोह नहीं होगा। इस घटनाक्रम से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के प्रस्तावित नयी दिल्ली दौरे को लेकर कूटनीतिक अनिश्चितता और बढ़ गई है। यह अनिश्चितता दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालिया तनाव के कारण है, जो ढाका की ओर से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग किए जाने से पैदा हुई है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का भारत दौरा प्रस्तावित है।

संक्षेप

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के वित्त मंत्री के साथ चर्चा की

ढाका। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के वित्त मंत्री अमीर खुसरो महमूद चौधरी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विकास परियोजनाओं और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब ढाका द्वारा देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के कारण दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई है। द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव के चलते अगले महीने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के वित्त और योजना मंत्री अमीर खुसरो महमूद चौधरी से शिष्टाचार भेंट की तथा भारत और बांग्लादेश के बीच आर्थिक सहयोग एवं द्विपक्षीय विकास परियोजनाओं से जुड़े आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले, त्रिवेदी ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन से भी मुलाकात की। भारतीय मिशन ने कहा, दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। इस महीने की शुरुआत में, शेख हसीना ने नयी दिल्ली से एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता को संबोधित किया था। बांग्लादेश सरकार ने इस मामले को लेकर भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया था।

पंजाब बंद का व्यापक असर, बाजार बंद और यातायात प्रभावित

पटियाला/फिरोजपुर। बंदी सिंहों (सिख कैदियों) की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा के पंजाब बंद के आह्वान का शुक्रवार को व्यापक असर देखने को मिला और राज्य में कई स्थानों पर दुकानें एवं बाजार बंद रहे तथा राजमार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमृतसर, लुधियाना, मोहाली और जालंधर समेत पंजाब में कई स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। बंद का आह्वान सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक के लिए किया गया था। पटियाला, मोहाली और जालंधर समेत कई स्थानों पर कौमी इंसाफ मोर्चा और विभिन्न किसान संगठनों के समर्थकों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे कार्यालय जाने वाले लोगों और अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों समेत कई सड़कों के बीच ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और अन्य वाहन खड़े कर मार्ग अवरुद्ध कर दिए तथा कुछ स्थानों पर यात्री प्रदर्शनकारियों से उन्हें उनके गंतव्य तक जाने देने का अनुरोध करते नजर आए। मोर्चा नेताओं ने कहा कि चिकित्सकीय आपात स्थिति, हवाई अड्डे की यात्रा, परीक्षाओं और विवाह समारोहों जैसी आवश्यक सेवाओं को बंद से छूट दी गई थी। प्रदर्शनकारियों ने सिख कैदियों की रिहाई नहीं होने के विरोध में जालंधर, लुधियाना के लाढोवाल, होशियारपुर और फिरोजपुर में धरने दिए। उन्होंने शहरों में दोपहिया वाहनों से मार्च भी निकाले। संगरूर, लुधियाना और मोहाली समेत कई स्थानों पर दुकानें बंद रहीं। फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स ने बंद के मद्देनजर अवकाश की घोषणा की थी जिसके कारण शुक्रवार को निजी स्कूल बंद रहे। मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर लगाए गए अवरोधकों के पास चंडीगढ़ पुलिस के कर्मियों के अलावा त्वरित कार्वाई बल के जवानों को भी तैनात किया गया। पटियाला में कौमी इंसाफ मोर्चा के नेता गुरचरण सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बस अड्डे के बाहर सड़क पर वाहन खड़े कर दिए। जिससे दोनों ओर यातायात ठप हो गया। इस नाकेबंदी के कारण पटियाला से बठिंडा, फिरोजपुर, फरीदकोट और राज्य के अन्य हिस्सों की ओर जाने वाली बसों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। बस अड्डे से बाहर निकलने वाली बसों को भी रोक दिया गया जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्री फंस गए। पटियाला बस अड्डा शहर के प्रमुख परिवहन केंद्रों में से एक है और वहां रास्ता अवरुद्ध किए जाने का शहर के यातायात पर सीधा असर पड़ा। फिरोजपुर में शहर और छावनी क्षेत्र के प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में दुकानें बंद रहीं।

खाड़ी देशों से 20 हजार पाकिस्तानियों को सुरक्षा कारणों से निर्वासित किया गया

लाहौर। अमेरिका और ईरान में जारी युद्ध के बीच खाड़ी देशों से हाल के महीनों में 20,000 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षा कारणों समेत विभिन्न वजहों से निर्वासित किया गया है जिनमें से अधिकांश सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे थे। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। पाकिस्तानी संसद के एक सदन (नेशनल असेंबली) में बृहस्पतिवार को पेश किए गए स्वापक नियंत्रण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कई पाकिस्तानी नागरिकों को शहरों पर ईरानी हमलों से संबंधित वीडियो या अन्य सामग्री तैयार करने अथवा उसे ऑनलाइन अपलोड करने के आरोप में हिरासत में लिया गया या निर्वासित किया गया।

पैलेट गन से घायल युवक की प्राथमिकी दर्ज, राहुल गांधी का धरना समाप्त

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के करीब सात घंटे के धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए एक युवक के मामले में प्राथमिकी दर्ज की।

इसके साथ ही संसद मार्ग स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर राहुल गांधी का धरना समाप्त हो गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने को न्याय की दिशा में पहला कदम करार दिया और दावा किया कि न्याय की राह में ब्रेक ऊपर से लगाया गया था तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं गृह सचिव गोविंद मोहन के स्तर पर अंतिम मंजूरी मिलने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना) और धारा 25 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। लोचब के साथ गांधी सबसे पहले मंदिर मार्ग थाने गए थे और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। इसके बाद वह करीब साढ़े 11 बजे प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए संसद मार्ग स्थित थाने पर पहुंचे और पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा से मुलाकात की। मांग नहीं माने जाने पर वह थाना परिसर स्थित डीसीपी कार्यालय के सामने वह धरने पर बैठ गए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, कुमारी सैलजा, वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद और कई अन्य नेता इस धरने में शामिल हुए। धरना शुरू होने के बाद संसद मार्ग थाने के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैलेट गन का हिसाब दो, अमित शाह जवाब दो के नारे लगाए। सूत्रों ने बताया कि साहिल लोचब अपने वकीलों के साथ 14 अगस्त को दिल्ली पुलिस के पास गए थे और लिखित शिकायत दी थी, लेकिन उन्हें जांच अधिकारी का नंबर नहीं दिया गया।

स्वीडन के स्कूल में तलवार लेकर घुसा हमलावर

बर्लिन। स्वीडन के एक स्कूल में शुक्रवार को तलवार लेकर घुसे एक हमलावर ने कई लोगों को घायल कर दिया। संदिग्ध हमलावर को हिरासत में लिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला राजधानी स्टॉकहोम के उत्तर-पश्चिम में स्थित फागरस्टा शहर के ब्रिनेल स्कूल में हुआ।

कार्यालय नगर पंचायत रूद्रपुर, देवरिया

स्वच्छ रुद्रपुर! स्वस्थ रुद्रपुर!!

स्वच्छ सर्वेक्षण-2026

स्वच्छ भारत मिशन ! एक कदम स्वच्छता की ओर।

स्वच्छता ही सेवा है, गन्दगी जानलेवा है।

आइये!

मिलकर करें गन्दगी दूर , स्वच्छ हो अपना रुद्रपुर।

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबन्धन एवं कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर समस्त नगर वासियों को मंगलमय जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं,

विकास के पथ पर अग्रसर नगर पंचायत रूद्रपुर अपने नागरिकों से निम्नलिखित अपेक्षाएं करता है

1. यह नगर आपका है इसे स्वच्छ व सुन्दर बनाये रखने में अपना सक्रिय योगदान दें।
2. कूड़ा गाड़ी द्वारा कूड़ा उठा लिए जाने के पश्चात सड़कों पर कूड़ा कदापि न रखें।
3. नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है, नगर को स्वच्छ रखने में सहयोगार्थ गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग कर- के कर्मचारियों को दें।
4. स्वच्छ पर्यावरण हेतु सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय अथवा व्यक्तिगत शौचालय का प्रयोग करें। खुले मे शौच न करें।
5. पथ प्रकाश के बिन्दुओं को क्षति न पहुँचायें ये निशा काल में आपके पथ प्रदर्शक हैं।
6. अतिक्रमण एक संज्ञेय अपराध है, सड़कों एवं नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें।
7. नगर पंचायत में अपने परिवारजनों के जन्म-मृत्यु की सूचना विलम्बतम 21 दिन के अन्दर दर्ज कराकर पंजीयनोपरान्त निःशुल्क प्रमाणपत्र प्राप्त करें।
8. अपने भवन के गृहकर, दुकान किराया आदि बकाया करों का भुगतान समय से अवश्य करे।
9. भवन आदि निर्माण कार्य मानचित्र स्वीकृति के पश्चात ही करें।
10. नाली, सड़क, जलजमाव, व साफ-सफाई संबंधी शिकायत नगर पंचायत रुद्रपुर के टोल फ्री नम्बर 1533 पर तथा सैप्टिक टेंक की सफाई हेतु टोल फ्री नम्बर 14420 पर फोन कर दर्ज करायें।
11. पॉलिथीन का प्रयोग निषिद्ध है। इसके स्थान पर जूट व कपड़े के थैले का प्रयोग करें, पालीथीन का प्रयोग कदापि न करे।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत रुद्रपुर, देवरिया। — अध्यक्ष, नगर पंचायत रुद्रपुर, देवरिया।

पत्रांक- मेमो/न.पं.रू./2026 दिनांक 14.08.2026

कार्यालय नगर पंचायत भलुअनी, जनपद-देवरिया

Swachhata

संदेश

1 ये नगर आपका है, इसे स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें।
2 अपने घरो से निकलने वाले कुड़े को पृथककृत करके डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन टीम को उपलब्ध करायें।
3 स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के दृष्टिगत अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का प्रयास करें।
4 अपने समस्त करों की अदायगी समय से करें।
5 भवन निर्माण करने से पूर्व नगर पंचायत से भवन मानचित्र की स्वीकृति अवश्य करा लें।
6 पथ प्रकाश को क्षतिग्रस्त न करें।
7 पालिथिन बैग का प्रयोग न करें, जूट एवं कागज से बने थैलों का प्रयोग करें।
8 पर्यावरण हित में अधिक से अधिक पेड़ लगाये, एवं जल संसाधन का अपव्यय न करें।
9 सड़े गले पदार्थों का सेवन न करें, एवं इन्डिया मार्का हैण्डपम्प का शुद्ध पेयजल का प्रयोग करें ।
10 अपने घर के आस पास जल जमाव न होने दें, एवं जल जमाव वाले स्थानों पर मिटटी तेल/ एण्टीलार्वा का छिड़काव करें।
11 खुले में शौच न जायें, घरेलु/सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालय का प्रयोग करें।
12 जन्म मृत्यु का पंजीकरण समयावधि के अन्दर करावें ।
13 साफ सफाई एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए 1533 टोल फ्री नंबर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई हेतु 14420 टोल फ्री नंबर पर संपर्क करें।

प्रेम नारायण सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्र.)/ प्रभारी अधिकारी स्था. नि. देवरिया — मधुसूदन हुल्गी, जिलाधिकारी, देवरिया

नितेश गौरव, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत भलुअनी देवरिया — देवेश कुमार, अध्यक्ष, नगर पंचायत भलुअनी देवरिया

लिपिक- विजय प्रकाश श्रीवास्तव

निर्वाचित सदस्यगण - श्रीमती रानी देवी, श्री पोतन पासवान, श्री रमेश कुमार, कु. निकिता राय, श्री अरविन्द यादव, श्री गिरिजेश यादव, श्री आदेश कुशवाहा, श्रीमती पूनम तिवारी, श्री विक्रम सिंह, श्री रामाश्रय यादव, श्रीमती प्रेमशीला, श्री शक्ति मद्धेशिया, श्रीमती रूपमणी, श्री अंगद सिंह।

नामित सदस्यगण - श्री अष्टभुजा श्रीवास्तव, श्री सुरेश कुमार पाण्डेय, श्री पवन सिंह।

पत्रांक- मेमो/न.पं.भलु./2026-27 दिनांक 12.08.2026

Viraj

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी** (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com

C M Y K